RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 33 ■ अंक 285 ■ मुंबई, बुधवार 7 मई 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

भारत में सोने के दाम बढ़ने के पीछे की वजह
पेज-4

सस्ती दरों पर निजी कंपनी से बिजली खरीदेगी प्रदेश सरकार
पेज-6

गावस्कर ने आईपीएल के नियमों पर उठाए सवाल
पेज-9

विदेशी मीडिया ने शाहरुख से पूछा नाम, फैंस ने जताई नाराजगी
पेज-10

मॉक ड्रिल: सायरन बजेगा... अंधेरा छाएगा... ऑपरेशन चलेगा

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

देश भर में 244 स्थानों पर भारत सरकार ने मॉक ड्रिल का ऐलान किया है। आज देश के 244 स्थानों पर यह मॉक ड्रिल होनी है, जिसमें लोगों को यह बताया जाएगा कि किसी हमले या विपरीत स्थिति में कैसे खुद को बचाया जाए। केंद्र सरकार की ओर से सभी राज्यों के चीफ सेक्रेटरीज को जारी निर्देशों में पाकिस्तान का जिक्र नहीं किया गया है, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद इसका आयोजन अहम है। 1971 के बाद पहली बार देश में इस तरह मॉक ड्रिल हो रही है। इस दौरान सायरन बजाए जाएंगे, कुछ देर के लिए ब्लैकआउट होगा और लोगों को निकालने का अभ्यास किया जाएगा।

मॉक ड्रिल का क्या है मकसद

होम मिनिस्ट्री ने सिक्योरिटी ड्रिल के 9 उद्देश्य बताए हैं। इसका पहला उद्देश्य यह है कि देश में एयर रेड वॉर्निंग सिस्टम की स्थिति का आकलन हो सके। इसके अलावा यह भी देखने की कोशिश होगी कि हवाई हमले की स्थिति में लोगों की क्या तैयारी है। इस ड्रिल के दौरान एयरफोर्स के साथ हॉटलाइन और रेडियो कॉम्युनिकेशन को भी चेक किया जाएगा। इसके अलावा कंट्रोल रूम और शैडो कंट्रोल रूम का भी आकलन किया जाएगा। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि हम चाहते हैं कि आम नागरिकों और छात्रों की यह तैयारी रहे कि किसी भी आपदा की स्थिति में वे अपना बचाव कर सकें। ट्रेनिंग के दौरान ब्लैकआउट के दौरान कैसे बचाव किया जाएगा, उस पर भी तैयारी होगी। ब्लैकआउट की ड्रिल के दौरान लोग अपने घरों की लाइट्स को कुछ देर के लिए बंद कर देंगे।

महाराष्ट्र में 16 स्थानों पर मॉक ड्रिल

महानगर संवाददाता
मुंबई

महाराष्ट्र के 16 स्थानों पर मॉक ड्रिल की जाएगी। सुरक्षा के लिहाज से महाराष्ट्र के 16 शहरों को तीन कैटेगरी में विभाजित किया गया है। संयंत्र जिला रायगड) और पिंपरी-चिंचवड शामिल है। कैटेगरी तीन में औरंगाबाद, भुसावल, रायगड, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग शामिल हैं। मॉक ड्रिल का उद्देश्य नागरिकों को युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार

सुरक्षा के लिहाज से शहरों का वर्गीकरण

- कैटेगरी-1 : मुंबई, उरण, तारापुर
- कैटेगरी-2 : ठाणे, पुणे, नाशिक, रोहा, मनमाड, सिन्नर, थाल वायशेत, पिंपरी चिंचवड
- कैटेगरी-3 : संभाजीनगर, भुसावल, रायगड, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग

राजधानी मुंबई, उरण और तारापुर को कैटेगरी -1 में रखा गया है, जबकि ठाणे, पुणे और नाशिक को दूसरी कैटेगरी में रखा गया है।
पहली कैटेगरी में अत्यधिक संवेदनशील मुंबई, उरण और तारापुर को शामिल किया गया है। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, उरण में देश का सबसे बड़ा बंदरगाह जेएनपीटी है, जबकि तारापुर में परमाणु संयंत्र स्थित है। दूसरी कैटेगरी में प्रमुख शहर पुणे, नाशिक, ठाणे, सिन्नर, थाल वायशेत (हेवी वाटर

करना है। हालांकि यह पैनिक का संकेत नहीं है। मॉक ड्रिल से अधिकारियों और जनता को अपनी भूमिकाएं बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। आज सिविल डिफेंस के सहयोग से अभ्यास किया जाएगा। इसमें सिविल डिफेंस वार्डन, होम गार्ड, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवक, नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के सदस्य और स्कूलों और कॉलेजों के छात्र शामिल होंगे।

BMC चुनाव का रास्ता साफ

OBC आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी- रिजर्वेशन ट्रेन का डिब्बा हो गया...

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र निकाय चुनाव को लेकर फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि वह चार सप्ताह के भीतर राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना जारी करे। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र चुनाव आयोग चार महीने के भीतर निकाय चुनाव संपन्न कराने का प्रयास करे। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अपने आदेश में कहा- हमारे विचार से, स्थानीय निकायों के समय-समय पर चुनावों के जरिए लोकतंत्र के संवैधानिक जनादेश का सम्मान किया जाना चाहिए और इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

ओबीसी आरक्षण पर फंसा था पेंच

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव पिछले कई वर्षों से नहीं हुए हैं। इसका मुख्य कारण ओबीसी आरक्षण से जुड़ी कई लंबित कानूनी प्रक्रियाएं रही हैं। कोर्ट ने इस देरी को लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए सही नहीं माना है और समय पर चुनाव कराने के निर्देश दिए।
शीर्ष अदालत ने बनठिया आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। इस रिपोर्ट में ओबीसी पर सटीक आंकड़े तय करने के लिए जनगणना

'पिछड़ों की पहचान हो'

कोर्ट ने कहा कि सामाजिक और राजनीतिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान कर उन्हें भी मजबूत करना जरूरी है, लेकिन सभी कानूनी जरूरतों को पूरा करने के बाद आरक्षण दिया जा सकता है। इस दौरान कोर्ट ने आरक्षण देने में मौजूद असमानता पर भी टिप्पणी की।

'आरक्षण रेल का डिब्बा'

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'आरक्षण एक ऐसा रेल का डिब्बा हो गया है, जिसमें पहले से बैठे यात्री दूसरों को चढ़ने नहीं देना चाहते।' कोर्ट ने कहा कि सरकार को आरक्षण के लाभ के अधिकारी वर्गों की पहचान कर उनके लिए भी जगह बनानी चाहिए। आरक्षण का फायदा सिर्फ कुछ तबकों तक सीमित रखना गलत होगा।

और महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में इस वर्ग के लिए 27 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की सिफारिश की गई थी। पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव के परिणाम सर्वोच्च न्यायालय में लंबित याचिकाओं के निर्णयों के अधीन होंगे।

2021 में भी सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया था फैसला

गौरतलब है कि वर्ष 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी, जब तक कि सरकार शीर्ष अदालत के 2010 के आदेश में निर्धारित ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं करती। कोर्ट ने आदेश दिया था कि जब तक ट्रिपल टेस्ट मानदंड पूरा नहीं हो जाता, तब तक ओबीसी सीटों को सामान्य श्रेणी की सीटों के रूप में फिर से अधिसूचित किया जाएगा।

Short News एक नजर

चिनाब नदी का पानी रोकने से पाकिस्तान में जलसंकट

इस्लामाबाद। भारत ने जम्मू-कश्मीर में चिनाब पर बने सियाल और बगलिहार बांध के गेट बंद कर दिए हैं। इसके चलते पाकिस्तान जाने वाला चिनाब का पानी रुक गया है और वाटर लेवल घटकर 15 फीट रह गया है। पाकिस्तान में चिनाब का पानी 22 फीट था जो 24 घंटे में 7 फीट घट गया। चिनाब के लगातार सिकुड़ने से 4 दिन बाद पंजाब के 24 अहम शहरों में 3 करोड़ से ज्यादा लोगों को पीने के पानी के लिए तरसना पड़ सकता है। पाकिस्तान के फैसलाबाद और हाफिजाबाद जैसे घनी आबादी वाले शहरों की 80% आबादी पेयजल के लिए चिनाब के सतही पानी पर निर्भर है।

बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आई

श्रीनगर। कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ की पवित्र गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। इस बार बर्फ का शिवलिंग करीब 7 फीट ऊंचा है।

इस शिवलिंग के दर्शन के लिए देशभर से लाखों लोग अमरनाथ आते हैं। यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी जो करीब 38 दिन चलेगी। 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी।

BLA ने पाक आर्मी के ट्रक को IED ब्लास्ट कर उड़ाया

6 जवानों की मौत, आसिम मुनीर रह गए शॉक्ड

महानगर नेटवर्क
इस्लामाबाद

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान भारत को बार-बार गीदड़भभकी दे रहा है। इसी बीच बलूचिस्तान के गेश्तरी क्षेत्र में बलो विद्रोहियों ने पाकिस्तान की सेना पर ऐसा हमला किया कि सेना प्रमुख आसिम मुनीर की आंख फटी की फटी रह गई। वहां, अमीर पोस्ट और अली खान बेस के बीच पाकिस्तानी सेना के वाहन को आईईडी की मदद से उड़ाया गया है। इस हमले में पाकिस्तान सेना कि विशेष संचालन कमांड (एसओसी) के तारिक इमरान सहित छह सैन्यकर्मी मारे गए और जबकि पांच अन्य घायल हो गए। मारे गए सैन्यकर्मियों में तारिक इमरान (एसओसी), नायक आसिफ (135 डब्ल्यू), सूबेदार फारूक (135 डब्ल्यू), नायक मशकूर (135 डब्ल्यू), सिपाही वाजिद (135 डब्ल्यू), और सिपाही काशिफ (135 डब्ल्यू) शामिल हैं। यह हमला बलूचिस्तान में बढ़ती अशांति और बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे समूहों द्वारा किए गए।

आज पाक को डराएंगे रफाल

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनावपूर्ण रिश्तों के बीच भारत ने बड़ा फैसला लिया है। भारत 7 और 8 मई को पाकिस्तान बॉर्डर के पास बड़ा हवाई अभ्यास करने जा रहा है। इस संबंध में भारत ने नोटिस टू एयरमैन यानी NOTAM जारी किया है। इस अभ्यास में, भारतीय वायु सेना राजस्थान में बॉर्डर के पास अपनी ताकत दिखाएगी। इंडियन एयरफोर्स की तैयारी को लेकर ये हवाई अभ्यास किया जा रहा है। सीमा पर तनाव को देखते हुए, यह अभ्यास भारत की सतर्कता का संकेत है।

भारतीय वायु सेना 7 और 8 मई को राजस्थान में पाकिस्तान सीमा के पास एक बड़ा हवाई अभ्यास करेगी। एयरफोर्स के अलग-अलग बेस से फाइटर उड़ान भरेंगे। जैसलमेर, पोखरण, जोधपुर और बीकानेर में यह एक्सरसाइज होगी। इसमें फाइटर जेट रफाल, सुखोई-30, मिराज भी शामिल होंगे। पिछले कई दिनों से पाकिस्तान की तरफ से एलओसी पर सीजफायर का उल्लंघन किया जा रहा है। ऐसे में यह हवाई अभ्यास पाकिस्तान की नींद हराम करेगा।

पाकिस्तान सीमा पर युद्धाभ्यास

भारतीय वायुसेना जंग जैसे हालात को लेकर अपनी तैयारी के तौर पर ये प्रदर्शन करेगी। हाल ही में बॉर्डर पर हुई घटनाओं के बाद, इस अभ्यास का समय और स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्रालय ने इस अभ्यास को सीधे तौर पर हाल की घटनाओं से नहीं जोड़ा है। लेकिन, यह अभ्यास भारत की सैन्य तैयारी को दर्शाता है। यह क्षेत्रीय चिंताओं के बीच सतर्क रहने का एक संकेत भी है।

पाक से टेंशन के बीच ब्रिटेन के साथ भारत की 'महाडील'

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन ने एक बड़ा व्यापार समझौता किया है। यह समझौता FTA यानी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट है। इसके साथ ही एक और समझौता हुआ है, जिसका नाम है डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन में उनके समकक्ष कीर स्टारमर ने इस बारे में बात की। दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने के लिए यह समझौता बहुत महत्वपूर्ण है। इससे भारत और ब्रिटेन दोनों को फायदा होगा। व्यापार में आसानी होगी, निवेश बढ़ेगा, नौकरियां मिलेंगी और नए विचारों को बढ़ावा मिलेगा।
यह समझौता तीन साल से चल रही बातचीत के बाद हुआ है। इसका लक्ष्य है कि 2040 तक दोनों देशों के बीच व्यापार 25.5 अरब पाउंड बढ़ जाए। ब्रिटेन सरकार का कहना है कि इस समझौते से 2040 तक ब्रिटेन की जीडीपी में 4.8 अरब पाउंड की बढ़ोतरी होगी। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब भारत और पाकिस्तान के बीच टेंशन बढ़ी है।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म X पर लिखा, 'मेरे दोस्त प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से बात करके खुशी हुई। ऐतिहासिक मील के पत्थर के रूप में भारत और ब्रिटेन ने सफलतापूर्वक एक महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी FTA, डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन के साथ संपन्न किया है। ये ऐतिहासिक समझौते हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे और दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, विकास, नौकरी निर्माण और नवाचार को बढ़ावा देंगे। मैं जल्द ही प्रधानमंत्री स्टारमर का भारत में स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं।'
यह समझौता भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार के नए युग की शुरुआत है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा, 'हम व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिए एक नए युग में हैं। इसका मतलब है कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए और तेजी से आगे बढ़ना होगा।'

मीठी नदी सफाई घोटाले में 13 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

महानगर संवाददाता
मुंबई

मुंबई पुलिस ने मंगलवार को मीठी नदी कथित सफाई परियोजना घोटाले में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को 65.54 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने के आरोप में 13 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। इस मामले में पांच ठेकेदारों, बीएमसी के तीन अधिकारियों, तीन बिचौलियों और दो निजी कंपनी अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। मीठी नदी सफाई

परियोजना में करीब 1,000 करोड़ रुपये के घोटाले का मामला सामने आया है। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने जांच के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की है। टीम ने मंगलवार सुबह से मुंबई में आठ-नौ जगहों पर छापे मारे हैं, जिसमें ठेकेदारों और बीएमसी अधिकारियों के घर और दफ्तर शामिल हैं।
मीठी नदी की 20 साल पुरानी सफाई परियोजना में फंड घोटाले की जांच चल रही है। एसआईटी ने फर्जी समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन करने वाले पांच ठेकेदारों और तीन बीएमसी अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। जांच की शुरुआत तीन ठेकेदारों कैलाश कंस्ट्रक्शन के काशीवाल, एक्यूट एंटरप्राइज़ेज़ के ऋषभ जैन और मंदीप एंटरप्राइज़ेज़ के शेर सिंह को समन जारी करके की गई है।

भारत के डर से पाक सेना और ISI ने संभाली कमान!

शहबाज शरीफ को दफ्तर बुलाकर पूछा- क्या तैयारी है

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा लिए गए ताबड़तोड़ एक्शन के बाद पाकिस्तान में इन दिनों हड़कंप मचा हुआ है। इस बीच मंगलवार को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को दफ्तर बुलाकर तैयारियों का जायजा लिया है। शहबाज शरीफ इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) के मुख्यालय पहुंचे थे जहां उन्हें आगामी 'खतरे' को देखते हुए देश की तैयारियों के बारे में जानकारी दी

गई है। पाक के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ दुनिया भर के देशों के आगे गिड़गिड़ाने में लगे हैं, वहीं दूसरी तरफ जंग के हालातों को देखते हुए अब पाक सेना और ISI ने कमान संभाल ली है। लेकिन पाकिस्तान पर छाया भारत का खौफ कम होने की बजाय बढ़ता जा रहा है।

मुस्लिम देशों के संगठन का बयान मूर्खतापूर्ण

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत ने मंगलवार को इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) को उसके हालिया बयान को लेकर जमकर फटकार लगाई है। विदेश मंत्रालय ने ओआईसी के बयान को बेतुका और राजनीति से प्रेरित बताते हुए साफ कहा कि पाकिस्तान इस संगठन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ झूठ फैलाने के लिए कर रहा है।
विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, "ओआईसी का यह बयान पाकिस्तान की शह पर जारी किया गया है और इसमें न तो आतंकी हमले की सच्चाई को स्वीकार किया गया है और न ही उसकी सीमा पार से जुड़ी हकीकत को। पाकिस्तान लगातार

सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देता आया है और अब ओआईसी को गुमराह कर रहा है।" भारत ने यह भी साफ किया कि ओआईसी का यह रवैया उसके अंदरूनी मामलों में सीधी दखलअंदाजी है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि भारत ऐसे पक्षपाती और स्वार्थी बयानों को पूरी तरह खारिज करता है।

अंदरूनी मामलों में दखलअंदाजी नहीं करें

ओआईसी ने कहा था कि दक्षिण एशिया में सुरक्षा हालात चिंताजनक हैं और भारत द्वारा पाकिस्तान पर लगाए गए बेबुनियाद आरोपों के कारण तनाव बढ़ रहा है।

पहलगाम हमलों के जिम्मेदारों को भूल गया आईओसी

ओआईसी ने अपने बयान में आतंकवाद की आलोचना तो की, लेकिन पहलगाम हमले के जिम्मेदारों का नाम लेने से परहेज किया, जिससे भारत को यह साफ संकेत मिला कि बयान पाकिस्तान के प्रभाव में तैयार किया गया है। ऐसे में भारत ने दो टूक कहा है कि वह आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में न झुकेगा, न रुकेगा, और न ही किसी बाहरी संगठन को अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की इजाजत देगा।

सड़क हादसे के घायलों का तुरंत होगा मुफ्त इलाज

देश में लागू हुई योजना, 1.5 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज का लाभ मिलेगा

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले लोगों और उनके परिवारजनों के लिए बड़ी राहत का ऐलान हुआ है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी कर देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम की घोषणा की है। सड़क परिवहन मंत्रालय की एक गैजेट अधिसूचना के मुताबिक, अगर कोई सड़क हादसा मोटर वाहन की वजह से होता है, तो उसमें घायल व्यक्ति का इलाज इस स्कीम के तहत किया

जाएगा। इसके तहत घायल का कैशलेस इलाज किया जाएगा, चाहे उसके साथ हादसा किसी भी सड़क पर हुआ हो। इसके लिए घायल को 1.5 लाख रुपए तक किसी तरह का कोई पेमेंट करने की जरूरत नहीं होगी।

डेढ़ लाख से ऊपर खर्च पर खुद पैसे देने होंगे

अस्पताल को प्राथमिक उपचार के बाद बड़े अस्पताल में रेफर करना है तो उस अस्पताल को सुनिश्चित करना होगा कि जहां रेफर किया जा रहा है, वहां मरीज को दाखिला मिले। डेढ़ लाख तक कैशलेस इलाज होने के बाद उसके भुगतान में नोडल एजेंसी के रूप में NHAI काम करेगा, यानी इलाज के बाद मरीज या उनके परिजन को डेढ़ लाख तक की रकम का भुगतान नहीं करना है। यदि इलाज में डेढ़ लाख से ज्यादा का खर्च आता है तो बढ़ा बिल मरीज या परिजन को भरना होगा। सूत्रों का कहना है कि कोशिश यह हो रही है कि डेढ़ लाख की राशि को बढ़ाकर 2 लाख रुपए तक किया जा सके। दरअसल, दुर्घटना के बाद का एक घंटा 'गोल्डन ऑवर' कहलाता है। इस दौरान इलाज न मिल पाने से कई मौतें हो जाती हैं। इसी को कम करने के लिए यह योजना शुरू की जा रही है।

ठाणे के कई इलाकों में शुक्रवार को नहीं आएगा पानी

दो दिन दबाव भी रहेगा कम

ठाणे। शहर के मुंब्रा, दिवा, कलवा, माजिवडा-मानपाडा और वागले के कुछ इलाकों में शुक्रवार को 24 घंटे पानी की सप्लाई बंद रहेगी। जांभूल जलशुद्धिकरण केंद्र में जरूरी मरम्मत कार्य के चलते गुरुवार रात 12 बजे से शुक्रवार रात 12 बजे तक यह शटडाउन रहेगा। बंदी के दौरान दिवा, मुंब्रा (प्रभाग क्र. 26 और 31 के कुछ हिस्सों को छोड़कर), कलवा और वागले प्रभाग के रूपादेवी पाड़ा, किसननगर नं. 2, नेहरूनगर और मानपाडा प्रभाग के कोलशेत के निचले गाव में पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप रहेगी। मनपा ने नागरिकों से पानी बचाकर इस्तेमाल करने की अपील की है।

दिवाली के आसपास स्थानीय निकाय चुनाव होने की संभावना

राज्य में 95% स्थानीय निकाय प्रशासकों के हवाले,विपक्ष ने सरकार से जल्द चुनाव कराने की मांग की

महानगर संवाददाता
मुंबई

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग को राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव की अधिसूचना चार सप्ताह के भीतर जारी करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने चार महीने में चुनाव संपन्न कराने को कहा है। ऐसे में पिछले चार-पांच साल से राज्य में रुके स्थानीय निकाय चुनाव होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। माना जा रहा है कि दिवाली के आसपास स्थानीय निकाय चुनाव दो चरणों में कराए जा सकते हैं। पहले चरण में दिवाली पूर्व जिला परिषद और पंचायत समितियों के चुनाव कराए जा सकते हैं,जबकि दिवाली बाद महानगरपालिका, नगर परिषद और नगर पंचायत के चुनाव होने की संभावना जताई जा रही है।

राज्य में पिछले तीन साल से स्थानीय निकाय चुनाव नहीं हुए हैं। कोरोना महामारी और ओबीसी आरक्षण की वजह से चुनाव अटक गए। ऐसे में राज्य की 95 प्रतिशत स्थानीय निकाय संस्थाएं प्रशासकों के हवाले हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने चार महीने में चुनाव कराने को कहा है,लेकिन अगस्त, सितंबर माह में मानसून सीजन के कारण मुंबई सहित राज्य के कई हिस्सों में चुनाव संभव नहीं हैं, इसलिए मानसून सीजन समाप्त होने के बाद ही अक्टूबर और नवंबर में चुनाव कराए जा सकते हैं। पहले चरण में राज्य में 32 जिला परिषदों और 336 पंचायत समितियों के लिए चुनाव होंगे, जो वर्तमान में प्रशासनिक शासन के अधीन हैं,इसके बाद सभी 29 महानगरपालिका और 290 नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के लिए चुनाव हो सकते हैं। इस वर्ष दिवाली 20 अक्टूबर को है। ऐसे में जिला परिषद-पंचायत समिति के चुनाव दिवाली से पहले और महापालिका के चुनाव दिवाली के बाद नवंबर में हो सकते हैं।

इधर शीर्ष अदालत के निर्णय पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि राज्य सरकार को अब बिना किसी देरी के स्थानीय निकाय चुनाव कराने चाहिए। सपकाल ने कहा कि अब चुनाव होने चाहिए और सत्ता का विकेंद्रीकरण होना चाहिए। राकांपा शरद पवार गुट के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार को जल्द की चुनाव कराने चाहिए। पूर्व मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि अदालत ने 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को कायम रखते हुए चुनाव कराने को कहा है। यह फैसला स्वागत योग्य है।

नेताओं की प्रतिक्रिया

पूर्व मुंबई महापौर और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नगरसेविका किशोरी पेडणेकर ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में यह हलफनामा दाखिल करने को कहा है कि वह चुनाव किस प्रकार कराएगी। क्या सीटों की संख्या 227 ही रहेगी या सीमांकन के बाद इसे बढ़ाया जाएगा, इसका स्पष्ट चित्र तब ही सामने आएगा जब राज्य सरकार कोर्ट के आदेश का पालन कर समय पर हलफनामा दाखिल करेगी।

पूर्व मनपा विरोधी पक्ष नेता रहे और भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष रविराजा ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश का सवागत किया। कांग्रेस के पूर्व नगरसेवक आसिफ जकारिया ने कहा कि सरकार की इच्छाशक्ति की कमी के कारण आज महाराष्ट्र के सभी स्थानीय निकाय और जिला परिषदें निर्वाचित प्रतिनिधियों के बिना चल रही हैं। भाजपा के पूर्व नगरसेवक और मनपा में नेता विनोद मिश्रा ने कहा कि नियमों के अनुसार वार्डों का सीमांकन केवल राष्ट्रीय जनगणना के बाद हो सकता है, और 2011 के बाद से कोई जनगणना नहीं हुई है। इसलिए सीटों की संख्या 227 ही रहने की संभावना है और चुनाव इन्हीं पर कराए जाएंगे। कांग्रेस विधायक अमीन पटेल ने कहा मुंबई की जनता पिछले तीन साल से अपने प्रतिनिधि के लिए तरस रही थी कोर्ट के आदेश अपर राज्य सरकार जल्द चुनाव कराये और मुंबई की जनता को उनकी प्रतिनिधि दे जिससे लोगो कि परेशानियां दूर हों।

स्थानीय स्वराज संस्थाओं की वर्तमान स्थिति

महानगर पालिका: कुल 29 महानगरपालिका (नवनिर्मित जालना और इचलकरंजी), सभी प्रशासक के अधीन
नगर परिषद: कुल 248 नगर परिषद, सभी प्रशासक के अधीन
नगर पंचायत: कुल 147 नगर पंचायतों में 42 ऐसी हैं, जो प्रशासक के अधीन है।
जिला परिषद: कुल 34 जिला परिषद, 32 का कार्यकाल खत्म, प्रशासक के अधीन
पंचायत समितियां: कुल 351 में से 336 का कार्यकाल खत्म

मामूली विवाद में बुजुर्ग महिला की हत्या,पड़ोसी गिरफ्तार

महानगर संवाददाता
मुंबई

एक 72 वर्षीय महिला की उसके 62 वर्षीय पड़ोसी ने मामूली विवाद के चलते चाकू घोंपकर हत्या कर दी। मालाड से एस. वी. रोड पर काबड़ीवाड़ी में सोमवार शाम को यह घटना घटी, मलाड पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

रंजना संघवानी (72) और उनकी बहन एस. वी. वसंती भुवन रोड पर कबाड़ीवाड़ी स्थित बंगले में रहती थीं। आरोपी अशोक केसवानी (62) उनके बगल वाले बंगले में अकेले रहते हैं। चूंकि उनके बंगले अगल-बगल में थे, इसलिए संघवानी और केसवानी के बीच छोटी-छोटी बातों पर बहस होती रहती थी। रंजना संघवानी ने सोमवार शाम अपने बंगले के बाहर कुछ सामान छोड़ा था। अशोक केशवानी ने इस पर आपत्ति जताई और सामान हटाने को कहा। इससे दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। इस दौरान गुस्से में आए केसवानी ने रंजना संघवानी पर चाकू से पांच से छह बार वार किया।

डॉलर का लालच देकर ठगने वाला गिरफ्तार

विरार। सस्ते अमेरिकी डॉलर के बदले लोगों को खाली कागज देकर ठगी करने वालों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है, वह विरार के एक व्यापारी से छह लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के बाद पिछले 11 महीने से फरार था।

शिकायतकर्ता भावेश गुणवंतलाल बारोट विरार में रहते हैं, उनकी अंबिका ट्रेडर्स नाम से इलेक्ट्रिकल सामान की दुकान है। अपनी दुकान के पास आम बेचने वाले अब्दुल सईद ने बताया कि उसका दोस्त फैजुल सस्ते अमेरिकी डॉलर दे रहा था। तदनुसार, बारोट ने कांदिवली में उनसे मुलाकात की और मामले की पुष्टि की। 6 जून 2024 को भावेश बारोट छह लाख रुपये लेकर कांदिवली आया।

इन 6 लाख रुपयों के बदले फैजुल शेख उसे सस्ते अमेरिकी डॉलर देने वाला था। उस समय फैजुल के साथ आए दो लोगों ने उसे डॉलर का एक बंडल दिया। इसे बड़े करीने से लपेटकर वितरित किया गया। बारोट सस्ते अमेरिकी डॉलर पाकर खुश थे, लेकिन बाद में वे निराश हो गये। जब वे घर पहुंचे और बंडल खोला तो ऊपर अमेरिकी डॉलर थे और अंदर कोरे कागज थे।

झूठे प्रेमजाल में फंसा कर युवती से एक करोड़ की ठगी

पांच लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

ठाणे। ठाणे जिले के भिवंडी तालुका से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवती को प्रेम और शादी का झांसा देकर एक करोड़ रुपये की ठगी का शिकार बनाया गया। आरोपी न सिर्फ युवती से झूठा प्रेम संबंध बनाते रहे, बल्कि उसका शारीरिक शोषण भी किया और बाद में शादी से मुकरते हुए उसे धमकाया। इस मामले में नारपोली पुलिस स्टेशन में पांच लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता प्रियंका जयंत देसाई ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि यह ठगी जनवरी 2023 से दिसंबर 2024 के बीच की गई। आरोपी वैभव श्रीराम मानकर ने पहले उससे दोस्ती की, फिर प्रेम संबंध बनाए और शादी का वादा करते हुए उसके साथ शारीरिक संबंध स्थापित किए। इस दौरान युवती को भरोसे में लेकर आरोपी ने उसके साथ करीब एक करोड़ रुपये की आर्थिक ठगी की। इस रकम में चारपहिया वाहन, सोने-चांदी के आभूषण, महंगे कपड़े, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल और नकद राशि शामिल है। आरोपियों ने उसे एक अस्पताल खोलने का सपना दिखाया और उसी बहाने पैसे वसूलते रहे।

नवी मुंबई से पांच बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

नवी मुंबई। नवी मुंबई के एक इलाके से पांच बांग्लादेशी नागरिकों को बिना वैध दस्तावेजों के देश में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि नवी मुंबई पुलिस के मानव तस्करी निरोधक प्रकोष्ठ (एएचटीसी) की एक टीम ने पनवेल के करंजदे में एक परिसर पर छापा मारा और वहां दो महिलाओं समेत छह बांग्लादेशी नागरिकों को रहते हुए पाया। अधिकारी के अनुसार पांचों को उनकी आव्रजन स्थिति की प्रारंभिक जांच के बाद हिरासत में लिया गया,जिसमें से तीन आरोपी वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रुके रहे, जबकि अन्य दो बिना किसी वैध यात्रा दस्तावेज या अनुमति के अवैध रूप से देश में घुसे थे जांच में पता चला है कि आरोपियों ने आधार और पैन कार्ड व मतदाता पहचान पत्र समेत भारतीय पहचान दस्तावेज धोखाधड़ी से हासिल कर लिए थे। तीन आरोपियों ने भारतीय पासपोर्ट भी हासिल कर लिए थे,अधिकारी ने बताया कि पनवेल टाउन पुलिस स्टेशन में आरोपी अन्ना खातून आकाश गाजी (35) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

ठाणेकरों ने दिखाया टैक्स भुगतान में जोश

पहले ही महीने में 95 करोड़ की वसूली

ठाणे। ठाणे मनपा के लिए नया वित्तीय वर्ष शानदार शुरुआत लेकर आया है। संपत्ति कर विभाग ने अप्रैल महीने में रिकॉर्ड 95 करोड़ रुपये की वसूली कर मनपा के खजाने को भर दिया है। यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि से 12 करोड़ रुपये अधिक है, जिससे मनपा प्रशासन में उत्साह का माहौल है। खास बात यह रही कि ठाणेकरों ने इस बार डिजिटल माध्यम को ज्यादा महत्त्व दिया है और 75 करोड़ रुपये का भुगतान ऑनलाइन किया, जबकि 20 करोड़ रुपये का कर भुगतान ऑफलाइन हुआ।

बता दें कि संपत्ति कर विभाग ने इस साल वसूली में तेजी लाने के लिए एक अप्रैल से ही बिल वितरण शुरू कर दिया था। पहले ही दिन करीब 1,570 करदाताओं ने 1 करोड़ 80 लाख रुपये की रकम जमा कर अपनी जिम्मेदारी निभाई। महीने भर में नागरिकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया जारी रही और मनपा के खाते में 95 करोड़ रुपये आ गए। गौरतलब है कि पिछले साल इसी अवधि में 83 करोड़ 20 लाख रुपये की वसूली हुई थी। ठाणे मनपा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 819 करोड़ 71 लाख रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया है। ऐसे में अप्रैल में मिली सफलता को विभाग बड़ी उपलब्धि मान रहा है। प्रशासन का दावा है कि इस साल वसूली में करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

घोडबंदर में सबसे ज्यादा वसूली

घोड़बंदर क्षेत्र हमेशा की तरह इस बार भी वसूली में सबसे आगे रहा। यहां अप्रैल महीने में 25 करोड़ 3 लाख रुपये की वसूली हुई, जो पिछले साल के मुकाबले दोगुनी है। वहीं मजीवाड़ा-मानपाड़ा वार्ड समिति ने सबसे अधिक 36 करोड़ 1 लाख रुपये का कर संग्रह कर रिकॉर्ड बनाया, जबकि वागले पूर्व समिति 2 करोड़ 67 लाख रुपये की वसूली के साथ सबसे पीछे रही। मनपा प्रशासन ने इस रफ्तार को बरकरार रखने के लिए अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को सतत अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

12 वीं कक्षा के परिणाम के बाद दो छात्रों ने की आत्महत्या

महानगर संवाददाता
मुंबई

महाराष्ट्र बोर्ड की 12वीं कक्षा के नतीजे घोषित होने के बाद जलगांव जिले में दो छात्रों ने पांच मई को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पहली घटना जलगांव तालुका के मामुराबाद से सामने आई, जिसमें एक 18 वर्षीय छात्र ने अपने घर की दूसरी मंजिल पर फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि वह 12वीं कक्षा की परीक्षा में उम्मीद से कम अंक पाने के कारण कथित तौर पर अवसाद में था। छात्र की पहचान ऋषिकेश दिनेश पाटिल के रूप में हुई है। ऋषिकेश अपने माता-पिता, दादी और बड़े भाई के साथ मामुराबाद में रहता था। उसने विज्ञान स्ट्रीम से 12वीं कक्षा की परीक्षा दी थी। ऋषिकेश के माता-पिता ने पुलिस को बताया कि सोमवार को 12वीं कक्षा के ऑनलाइन नतीजे घोषित किए गए, इस नतीजे में उसे केवल 49 प्रतिशत अंक मिले, जो उसकी उम्मीद से काफी कम है। दूसरी घटना में एरंडोल तालुका के एक छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। भावेश महाजन ने 12वीं कक्षा की परीक्षा में कम अंक आने के बाद जलगांव जिले के पचोरा में अपनी बहन के घर पर कथित रूप से आत्महत्या कर ली।

सेवा पखवाड़े के आठ दिनों में 3,751 नए बिजली कनेक्शन

कल्याण/वसई/पालघर। सेवा पखवाड़े के पहले सप्ताह में महावितरण के कल्याण सर्कल में 3,751 नए बिजली कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। बिजली बिलों पर नाम परिवर्तन के लिए लंबित सभी 90 आवेदनों के साथ-साथ महावितरण पोर्टल पर बिजली उपभोक्ताओं के 1,563 आवेदनों का समाधान कर दिया गया है। सरकार ने राज्य के लोगों को विभिन्न नागरिक सेवाएं निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध कराने के लिए सेवा का अधिकार अधिनियम लागू किया है। महावितरण के कोंकण क्षेत्रीय प्रभाग के संयुक्त प्रबंध निदेशक दिलीप जगदाले ने इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के आदेश दिए हैं। इसके तहत मुख्य अभियंता चंद्रमणि मिश्रा ने कल्याण मंडल में सेवा पखवाड़े को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं।

MAHATRANSCO
Maharashtra State Electricity Transmission Co. Ltd.

TENDER NOTICE

MSETCL invites online bids (E Tender) from registered contractor/agencies on Mahatransco E-Tendering website http://srmetender.mahatransco.in for following works.

Tender No:-02/2025-26 **RFX No:-**7000036266

Work:- Work of providing & fixing of Boltless C type Wedge connectors for various 220KV & 132 kV Lines under Line Maintenance Sub-division-I&II Baramati under jurisdiction of EHV O&M Division Baramati.

Tender Amount:-RS. 1,000,000.00/-, **EMD:-**RS. 10,000.00/-, **Tender Fees**:- RS. 500/-+**GST. Download of Tender document:-** From dtd.07.05.2025 at 00:00:00 to dtd. 21.05.2025 up to 23:59:00 hrs. **Bid Opening:-**dtd 22.05.2025 after 10:00hrs (Tech Bid) dtd.22.05.2025 after 12:00hrs (Price bid)

For further details visit our website http://srmetender.mahatransco.in and open **above RFX for** downloading tender document, schedules, and annexures.

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर
निविदा आमंत्रण तिथि :- 02.05.2025
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये **Log in** करें **http://eproc.cgstate.gov.in**
02. संबंधित संभाग अम्बिकापुर संभाग
03. स.क्र. 01 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 19.05.2025

सरल क्र.	एन.आई. टी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	07	जिला सरगुजा के विकासखण्ड लुण्ड्रा के ग्राम सिलसिला में हायर सेकेण्ड्री स्कूल भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित। (द्वितीय आमंत्रण)	120.18

हस्ता/-
अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

G-252600688/9

8 किलो गांजा के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

काशीमिरा। अपराध शाखा कक्ष 1 ने एक व्यक्ति को 8 किलों गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। सोमवार की रात को गुनाह शाखा कक्ष 1 काशीमिरा के पुलिस उप निरीक्षक संदीप शिंदे अपनी टीम के साथ रात्री गस्त पर थे। गस्त के दौरान उनको अहमदाबाद से मुंबई की तरफ के मार्ग पर करिश्मा होटल के सामने एक व्यक्ति मोटरसाइकिल के बगल में खड़ा हुआ दिखा। शक के आधार पर जब उसकी तलाशी ली गयी तो उसके पास की बैग से 1 लाख 20 हजार किमत का 8 किलो 214 ग्राम गांजा मिला। इस मामले को नायगांव पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है ।

कश्मीरी व्यापारी को लगाया एक लाख से ज्यादा का चूना

पैसा मांगने पर दिया जान से मारने की धमकी

भिवंडी। जहां एक ओर देशभर में पहलगाम मुद्दे को लेकर माहौल गर्म है, वहीं दूसरी ओर कश्मीर के एक कपड़ा व्यापारी के साथ भिवंडी के तीन लोगों द्वारा की गई ठगी का मामला सामने आया है। इन लोगों ने व्हॉट्सऐप के जरिए व्यापारी से कपड़े का ऑर्डर देकर 1.14 लाख रूपये का माल मंगाया और फिर न तो पैसे चुकाए, बल्कि मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। यह मामला कश्मीर के श्रीनगर निवासी कपड़ा व्यापारी जुबेर हाफिजुल्ला खान के साथ घटित हुआ है। जानकारी के अनुसार, भिवंडी के सौदागर मोहल्ला इलाके में रहने वाले अकदस आगा, सामिया अकदस आगा और एजाज अजीज आगा—इन तीनों ने मिलकर जुबेर खान से बार-बार व्हॉट्सऐप पर संपर्क किया और कपड़े का ऑर्डर दिया। लेकिन जब माल प्राप्त हो गया, तो इन्होंने न केवल व्यापारी का नंबर ब्लॉक कर दिया, बल्कि पैसे मांगने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी। जुबेर खान ने इस मामले की शिकायत पहले श्रीनगर के कोठीबाग पुलिस थाने में दर्ज कराई थी। बाद में यह मामला स्थानिक अधिकार क्षेत्र के अनुसार भिवंडी के भोईवाडा पुलिस थाने को सौंप दिया गया। फिलहाल स्थानीय पुलिस इस ठगी और धमकी के मामले की गहराई से जांच कर रही है।

कांजुरमार्ग मेट्रो कारशेड : केंद्र व राज्य सरकार का भूमि विवाद सुलझा

महानगर संवाददाता
मुंबई

कांजुरमार्ग मेट्रो कार शेड को लेकर केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार के बीच चल रहा भूमि विवाद का मामला खत्म हो गया है। दरअसल केंद्र सरकार ने बांबे हाई कोर्ट में दायर की गई अपनी याचिका को वापस ले लिया है। जमीन के स्वामित्व को लेकर केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच पिछले कुछ वर्षों से कानूनी विवाद चल रहा था। मेट्रो लाइन 6 के कार शेड के लिए हस्तांतरित की गई कांजुरमार्ग की 15 हेक्टेयर भूमि को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के बीच पिछले कुछ वर्षों से कानूनी विवाद चल रहा था। केंद्र सरकार ने सोमवार को हाई कोर्ट को सूचित किया कि वह कार शेड के लिए भूमि आवंटन के निर्णय के खिलाफ दायर की गई अपनी याचिका वापस ले रही है। हालांकि इस भूमि को लेकर निजी डेवलपर और सरकार के बीच विवाद जारी है। इसलिए अदालत कार शेड स्थल की यथास्थिति बनाए रखने के अंतरिम आदेश पर गुरुवार को फैसला सुनाएगी। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति मकरंद कार्णिक की पीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने अदालत को बताया कि वह अपनी याचिका वापस ले रहे हैं। केंद्र सरकार की याचिका वापस होने के बाद भूमि के स्वामित्व को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के बीच विवाद सुलझ गया है। निजी डेवलपर महेश गरोडिया ने भी इस भूमि पर स्वामित्व का दावा किया था। निजी डेवलपर ने अदालत को बताया कि केंद्र सरकार और उसकी याचिका पर एक साथ सुनवाई करते हुए अदालत ने अंतरिम राहत के तौर पर भूमि की यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था।

केंद्र सरकार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था

केंद्र सरकार ने पिछले साल हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें मुंबई उपनगरीय जिला मजिस्ट्रेट के 17 अप्रैल 2023 के आदेश पर आपत्ति जताई गई थी। कांजुरमार्ग में नमक के खेतों की जमीन को 'स्वामी समर्थ नगर - विक्रोली मेट्रो 6' लाइन के कार शेड के लिए एमएमआरडीए को स्थानांतरित कर दिया गया था। कोर्ट ने केंद्र सरकार की याचिका को संज्ञान में लेते हुए स्थल को यथावत रखने और भूमि की प्रकृति में कोई परिवर्तन न करने का अंतरिम आदेश जारी किया था। राज्य सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया था कि वह केंद्र सरकार की याचिका पर जवाब दाखिल करेगी। इसके बाद राज्य सरकार ने अदालत से केंद्र सरकार से संपर्क करने और मामले का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने का अनुरोध किया था।

भिवंडी में इस बार 135 नालों की सफाई का ठेका

भिवंडी। मानसून पूर्व नाले-नालियों की सफाई के नाम पर हर साल भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरी भिवंडी मनपा ने इस वर्ष 135 नालों की सफाई के लिए 2 करोड़ 27 लाख 97 हजार 136 रुपए का ठेका जारी किया है। इसमें दो नए ठेकेदारों को शामिल किया गया है जबकि तीन ठेकेदार पुराने हैं। आश्चर्य की बात यह है कि पिछले साल की तुलना में इस बार नालों की संख्या 43 से अधिक हो गई है, लेकिन प्रशासन यह बताने में असमर्थ है कि ये नए नाले कहां है। इस बार जो कंपनियां सफाई कार्य करेंगी, उनमें उल्हासनगर की दो कंपनियां भी शामिल है। ठेके को पांच प्रभाग समितियों में बांटा गया है और अलग-अलग ठेकेदारों को काम सौंपा गया है।

चौंडी में मंत्रिपरिषद की बैठक अहिल्यानगर को कई सौगात

स्मृति स्थल के लिए 681 करोड़ रुपए, सिल्वर स्क्रीन पर दिखेगी जीवन गाथा

महानगर संवाददाता
मुंबई

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर की जयंती की त्रिशताब्दी के अवसर पर उनके जन्म स्थान अहिल्यानगर के चौंडी में मंगलवार को हुई मंत्रि परिषद की विशेष बैठक का आयोजन किया गया। राज्य के इतिहास में पहली बार किसी ग्रामीण क्षेत्र में मंत्रि परिषद की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अहिल्यानगर जिले के लिए कई बड़ी घोषणाएं की। अहिल्यादेवी होलकर के स्मृति स्थल के लिए 681 करोड़ रुपए की योजना मंजूर की गई। इसके अलावा अहिल्यानगर में मेडिकल कॉलेज और लड़कियों के लिए विशेष आईटीआई शुरू की जाएगी। इस मौके पर अहिल्याबाई होलकर पर एक विशेष डाक टिकट का विमोचन किया गया।

मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अहिल्यादेवी होलकर के जन्मस्थान चौंडी का विकास तीर्थ स्थल के रूप में किया जाएगा। इसके अलावा तुलजा भवानी मंदिर के लिए 1865 करोड़, ज्योतिबा मंदिर के लिए 259.59 करोड़, नाशिक के श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर के विकास के लिए २७५ करोड़, कोल्हापुर में श्री श्रेत्र महालक्ष्मी विकास के लिए 1 हजार 445 करोड़ रुपए और नांदेड जिले के माहूरगड के विकास के लिए ८२९ करोड़ की योजनाओं को मंजूरी दी गई। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर के जीवन पर आधारित मराठी सहित बहुभाषिक फिल्म बनाने को कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान की। यह फिल्म दूरदर्शन और ओटीटी के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाई जाएगी। फिल्म के लिए महाराष्ट्र फिल्म, रंगमंच और सांस्कृतिक विकास महामंडल कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य करेगा, चूंकि यह एक व्यावसायिक फिल्म है, इसलिए आवश्यक खर्च बजटीय मांगों के माध्यम से प्रदान किया जाएगा।

आदिशक्ति अभियान, आदि शक्ति पुरस्कार

कैबिनेट बैठक में महिला सशक्तिकरण के लिए आदिशक्ति अभियान और आदिशक्ति पुरस्कार योजना शुरू करने को मंजूरी दी गई। राज्य में महिलाओं के मुद्दों को लेकर आदिशक्ति अभियान चलाया जा रहा है। धनगर समाज के छात्रों को नामचीन अंग्रेजी स्कूलों में पढ़ाई के लिए यशवंत विद्यार्थी योजना लागू की जाएगी। धनगर समुदाय के मैट्रिकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर छात्रावास योजना शुरू की जाएगी। अहिल्यादेवी द्वारा निर्मित घाटों, कुओं और जल वितरण प्रणालियों का सर्वेक्षण और संरक्षण किया जाएगा।

अहिल्या नगर में मेडिकल कॉलेज

अहिल्यानगर जिले में 100 छात्रों की क्षमता वाला नया मेडिकल कॉलेज और इससे संबंधित 300 बेड का अस्पताल बनाया जाएगा। इसका नाम पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर शासकीय मेडिकल कॉलेज होगा। योजना पर 485.08 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा अहिल्यानगर में लड़कियों और महिलाओं के लिए नई आईटीआई खोली जाएगी।

प्रयागराज की तर्ज पर नाशिक कुंभ मेला प्राधिकरण

मंत्रिपरिषद ने दी अध्यादेश जारी करने की मंजूरी

महानगर संवाददाता
मुंबई

अहिल्यानगर जिले के चौंडी गांव में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नाशिक में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले कुंभ मेले के लिए नाशिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला प्राधिकरण की स्थापना के अध्यादेश को मंजूरी प्रदान की गई। कुंभ मेला प्राधिकरण का गठन प्रयागराज कुंभ मेला प्राधिकरण की तर्ज पर किया जाएगा। नाशिक-त्र्यंबकेश्वर में हर बारह वर्ष में आयोजित होने वाला सिंहस्थ कुंभ मेला एक आध्यात्मिक उत्सव है,जिसमें लाखों श्रद्धालुओं भाग लेते हैं। वर्ष 2015 में आयोजित सिंहस्थ कुंभ मेले में लगभग 2.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने भाग लिया था। आगामी कुंभ मेले में श्रद्धालुओं की संख्या में चार से पांच गुना वृद्धि होने की संभावना है। इस विशाल धार्मिक उत्सव के लिए व्यापक एवं कुशल योजना तथा उचित समन्वय की आवश्यकता है और इसलिए इसके लिए एक प्राधिकरण की आवश्यकता थी। हाल ही में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कुंभ मेला आयोजित हुआ था। यहां नियंत्रण और समन्वय के लिए कुंभ मेला प्राधिकरण की स्थापना की गई। इस प्राधिकरण के माध्यम से सभी भक्तों के लिए बहुत ही कुशल तरीके से योजना बनाना संभव हो सका। इसी तर्ज पर सिंहस्थ कुंभ मेला प्राधिकरण की स्थापना का निर्णय लिया गया है। प्राधिकरण से संबंधित अध्यादेश को मंजूरी दे दी गई है, साथ ही प्राधिकरण के लिए नए पदों और प्रतिनियुक्ति से पदों को भरने को भी मंजूरी दे दी गई है।

मिशन महाग्राम को 2029 तक बढ़ाया गया

मंत्रि परिषद की बैठक में ग्राम सामाजिक परिवर्तन फाउंडेशन के माध्यम से कार्यान्वित मिशन महाग्राम कार्यक्रम को 2029 तक बढ़ाने को मंजूरी दी गई।

100 दिन पूरे,अब 150 दिनों का दूसरा कार्यक्रम

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की घोषणा

मुंबई। अभी हॉल ही में सरकार के सभी विभागों के 100 दिन का कार्यक्रम पूरा हुआ है। अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विकसित महाराष्ट्र,ई-गवर्नेंस सुधार और सेवाओं में प्रशासनिक सुधार जैसी बातों पर आधारित डेढ़ सौ दिनों की कार्ययोजना की घोषणा की। चौंडी में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में बाद मुख्यमंत्री ने यह जानकारी दी। इसका विवरण बुधवार को जारी किया जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि प्रशासनिक सुधार और नीतिगत मामलों पर आधारित 100 दिवसीय कार्यक्रम को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इस कार्यक्रम में राज्य के 12,500 सरकारी कार्यालयों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मंत्रालय के 48 विभागों ने भाग लिया।

विभागों की नीति निर्धारित की जाएगी

विभाग में 902 विषयों पर नीतिगत निर्णय लिए जाने अपेक्षित थे,706 विषयों पर निर्णय लिए गए तथा आवश्यक परिवर्तन किए गए। कुछ नीतिगत परिवर्तन किए गए तथा कुछ प्रक्रियागत परिवर्तन किए गए। इस कार्यक्रम को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के कारण 150 दिवसीय कार्यक्रम 6 मई से 2 अक्टूबर तक जारी रहेगा।

यह कार्यक्रम तीन पहलुओं विकसित महाराष्ट्र, ई-गवर्नेंस सुधार और सेवा-संबंधी प्रशासनिक सुधार पर आधारित होगा। उन्होंने कहा कि विकसित महाराष्ट्र के मुद्दों पर अर्थात् 2029, 2035 और 2047 ऐसे तीन चरण में विभागों की नीति निर्धारित की जाएगी।

मुंबई, ठाणे और पालघर में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश

महानगर संवाददाता
मुंबई

बेमौसम बारिश ने मुंबई शहर और उपनगरों में गर्मी से थोड़ी राहत दी। कांदिवली, बोरीवली और दहिसर इलाकों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई। सायन, कुर्ला और चूनाभट्टी इलाकों में भी हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई इलाकों में बेमौसम बारिश हुई है। ठाणे में भी जोरदार बारिश हुई। मई महीने में हुई बारिश ने गर्मी से परेशान प्रदेशवासियों को कुछ राहत पहुंचाई है। हालाँकि, अचानक हुई बारिश से वे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। ठाणे के लोग गर्मी से परेशान थे क्योंकि पिछले कुछ दिनों में तापमान में काफी वृद्धि हुई थी। अब इस बारिश के कारण तापमान में गिरावट आने की संभावना है। अंबरनाथ शहर में भी बेमौसम बारिश के साथ भारी बारिश शुरू हो गई। अंबरनाथ में तेज हवाएं और धूल भरी आंधी भी रही । बारिश के कारण अंबरनाथ के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। कल्याण में भी तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई है। इससे घर लौट रहे नौकरों में भारी हंगामा मच गया। इसके अलावा,बारिश के कारण कल्याण में कई जगहों पर बिजली गुल हो गई है। महावितरण को बिजली आपूर्ति बनाए रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वसई-विरार क्षेत्र में रात को अचानक हुई बेमौसम बारिश से सामान्य जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर भारी नुकसान हुआ है। वसई के विभिन्न हिस्सों में फूलों के बगीचों को भारी नुकसान हुआ है। तेज हवाओं से पेड़ों की शाखाएं टूट गईं और फूलों को नुकसान पहुंचा। इस बेमौसम बारिश के कारण विरार में हल्दी समारोह बुरी तरह प्रभावित हुआ। समारोह के लिए बनाया गया मंडप ढह गया,जबकि विद्युत उपकरण और सजावटी सामग्री भीग गई, जिससे बड़ा वित्तीय नुकसान हुआ। बारिश के कारण कई सड़कें जलमग्न हो गई हैं। अचानक हुई बारिश से नागरिकों में दहशत फैल गई है और मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में और अधिक बारिश होने की भविष्यवाणी की है।

कल्याण में 19 वर्षीय युवती की हत्या

कल्याण। कल्याण पश्चिम के इंदिरा नगर में एक 19 वर्षीय युवती की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हत्या के कुछ ही घंटों के भीतर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिरला कॉलेज रोड, इंदिरा नगर निवासी निसार सैय्यद नजीर (40), जो सब्जी बेचकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है, रविवार देर शाम अपने घर पर भोजन कर रहा था। उसी दौरान पड़ोसी गुलाम शेख दारू पीने के लिए उससे पैसे मांगने आया। निसार ने मना किया, जिस पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुलाम शेख ने यह बात अपने बेटे अब्दुल रहमान शेख को बताई। इसके बाद अब्दुल रहमान अपने साथियों शोएब रहीम शेख, अजीज इब्राहिम शेख, शाहिद यूसुफ शेख और भगत नामक युवक को साथ लेकर निसार के घर में घुसगया और निसार, उसकी पत्नी और 19 वर्षीय बेटी सानिया पर डंडों से हमला कर दिया। हमले में सानिया को सिर पर गंभीर चोट लगी, जिससे उसकी मौत हो गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आगे की जांच जारी है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना

(1) निविदा सूचना सं. CPM-GSU-R-T-03-25-26, दिनांक 02.05.2025

कार्यः- रायपुर-बिलासपुर मुख्य लाइन के बीच सिलयारी स्टेशन पर लम्बी लूप लाइन का निर्माण। **निविदा मूल्यः रू. 2,92,09,066/-, ईएमडीः रू. 2,96,100/-, निविदा प्रस्तुत करने की तिथिः-** 30.05.2025 को 11.00 बजे तक, निविदा खोलने की तिथिः 30.05.2025 को 11.00 बजे तक ।

विस्तृत विवरण/निविदा दस्तावेज की खरीद, पात्रता का मानदंड एवं उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण हेतु कृपया उप मुख्य इंजीनियर गति शक्ति इकाई रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें अथवा हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेजों का अवलोकन/ डाउनलोड करें ।

कार्य पालन इंजीनियर
द.पू.म.रे., रायपुर

पीआर/आर/जीएसयू-एक्सईएन/एएन/27

South East Central Railway @secrail

मॉक ड्रिल को लेकर लोगों के मन में कई सवाल

महानगर संवाददाता
मुंबई

इस मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले की चेतावनी,लोगों को सुरक्षित निकालने का अभ्यास और ब्लैकआउट जैसे प्रोटोकॉल शामिल होंगे। हालांकि, बुधवार को होने वाले इस सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल को लेकर लोगों के मन में कई तरह के सवाल हैं। आइए जानते हैं उनके जवाब।

क्या स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे?

अभी तक किसी भी स्कूल या कॉलेज ने छुट्टी या ऑनलाइन क्लास के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। सरकार की तरफ से भी स्कूल बंद करने का कोई आदेश नहीं आया है। ऐसे छात्रों को यही सलाह दी जाती है कि वे अपने स्कूल या कॉलेज से इस संबंध जानकारी लेते रहें।

क्या मॉक ड्रिल के दिन बैंक बंद रहेंगे?

अभी तक ऐसा कोई आदेश नहीं आया है। इसका मतलब साफ है कि 7 मई को भारत के सभी बैंक खुले रहेंगे और सामान्य रूप से काम करेंगे। बैंकों को बंद करने के बारे में कोई सूचना या आदेश नहीं आया है।

मॉक ड्रिल के दौरान लोगों को क्या परेशानियां हो सकती हैं?

अधिकारियों का कहना है कि वे यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि ड्रिल शांति से हो और लोगों को कोई परेशानी न हो। फिर भी, कुछ इलाकों में ट्रैफिक जाम,सड़कें बंद होना,इंटरनेट बंद होना या ब्लैकआउट हो सकता है।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट, ट्रेन, बस पर क्या पड़ेगा असर?

अधिकारियों ने कहा है कि रोजमर्रा की सेवाएं जैसे कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट, ट्रेन, बस और फ्लाइट सामान्य रूप से चलती रहेंगी। अस्पताल, इमरजेंसी सेवाएं और अन्य जरूरी सर्विस भी पूरी तरह से काम करती रहेंगी।

सड़क सीमेंट कांक्रीटी करण के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

पांच जून तक सुरक्षा के लिए लगाए गए बेरीकेड्स हटाए : अतिरिक्त आयुक्त

मुंबई। इन दिनों मुंबई में सड़कों के कांक्रीटीकरण के कामों में तेजी आई है और अब ये कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। मनपा अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर ने निर्देश दिया है कि 20 मई तक कंक्रीट डालने का पूरा कार्य समाप्त हो जाना चाहिए और 5 जून तक हटाने का निर्देश दिया है,जिससे वाहन चालकों के मानसून में किसी तरह की परेशानी से न झेलनी पड़े।

मनपा प्रशासन ने शहर में बड़े पैमाने पर सड़कों के कांक्रीटीकरण की योजना शुरू की है,जिसे 31 मई तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मनपा ने समय पर काम पूरा करने के लिए विस्तृत और सटीक योजना बनाई है और कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। मंगलवार को मनपा मुख्यालय में हुई समीक्षा बैठक में अतिरिक्त आयुक्त बांगर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर सड़क के कार्य की एक निश्चित समय सीमा तय की जाए और इस समय सीमा का सख्ती से पालन किया जाए। बांगर ने यह भी कहा कि 31 मई के बाद किसी भी सड़क पर नया कांक्रीटीकरण कार्य शुरू नहीं किया जाना चाहिए। सभी कार्य चौक से चौक तक पूरे किए जाएं ताकि मानसून के दौरान ट्रैफिक में कोई बाधा न आए। 20 मई के बाद कोई नया कंक्रीट डालने का कार्य शुरू नहीं किया जाएगा। शुरू किए गए कार्यों को या तो पूरा कर लिया जाए या उस चौक तक सीमित रखा जाए। क्यूरिंग और फिनिशिंग के लिए क्रमशः 14 और 3 दिन का समय दिया जाएगा। इसलिए 5 जून के बाद किसी भी सड़क पर बैरिकेड नहीं दिखना चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों से मनपा ने सड़कों के कांक्रीटीकरण का कार्य चरणबद्ध तरीके से शुरू किया है। बीते दो वर्षों में लगभग 12,000 करोड़ रुपये की निविदाएं जारी की गई हैं। मनपा का लक्ष्य अगले दो वर्षों में इन कार्यों को पूर्ण करना है।

पनवेल महानगरपालिका
शहर अभियंता विभाग
ई-निविदा सुचना

निविदा सुचना क्र.पमपा/बांधकाम/६५२१/ प्र.क्र.१४६/१६१३/२०२५ दिनांक : ०६ /०५/२०२५

आयुक्त, पनवेल महानगरपालिका खालील नमूद कामाकरीता सार्वजनिक बांधकाम विभाग, केंद्रीय सार्वजनिक बांधकाम विभाग, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण, सिडको इत्यादी शासकीय / निम शासकीय (Central Government / State Government/ Government under taking) विभागात खालील कामासाठी नोंदणीकृत पात्र अनुभवी ठेकेदाराकडून बी-१ शतमान पध्दतीनुसार ई-निविदा मागवित आहेत.

अ. क्र.	निविदा क्र.	कामाचे नाव	निविदा रक्कम ₹ (Without GST)
१)	PMC/CE/११/२०२५-२६	पनवेल महानगरपालिका हद्दीतील प्रभाग समिती-ब, प्रभाग क्र. ७. कळंबोली धारण तलाव येथे पंपिंग स्टेशन बांधणे व इतर अनुषंगिक कामे करणे.	₹ ७४,१४,०४,८२५/-
२)	PMC/CE/१०/२०२५-२६	पनवेल महानगरपालिका हद्दीतील प्रभाग समिती-ब, प्रभाग क्र. ७. कळंबोली धारण तलाव येथील गाळ काढणे.	₹२०,८१,६४,६९२/-

या कामाच्या ई- निविदे बाबतची माहिती शासनाच्या 'http://mahatenders.gov.in' या संकेतस्थळावर दि.०८/०५/२०२५ रोजी प्रसिध्द करण्यात येईल. संबंधित निविदाधारकांनी याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(गणेश शेटे)
अतिरिक्त आयुक्त
पनवेल महानगरपालिका

मेट्रो यात्रियों को पसंद आ रहा डिजिटल टिकट

मुंबई। दहिसर से अंधेरी पश्चिम मेट्रो 2 ए और दहिसर से गुंडावली मेट्रो 7 लाइनों पर यात्री कागजी टिकटों की तुलना में डिजिटल टिकटों को प्राथमिकता दे रहे हैं। बताया गया है कि इस मार्ग पर कुल यात्रियों में से 65 प्रतिशत यात्री डिजिटल टिकट का उपयोग करते हैं। व्हाट्सएप के माध्यम से टिकट खरीदने वालों की संख्या भी अधिक है,देश में व्हाट्सएप टिकट का सबसे अधिक उपयोग मेट्रो लाइन 2 ए और 7 पर देखा गया है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की मेट्रो 2 ए और मेट्रो 7 लाइनें चरणबद्ध तरीके से चालू हो चुकी हैं और वर्तमान में पूरी क्षमता से चल रही हैं। इन दोनों मार्गों पर अभी तक अपेक्षित यात्री संख्या नहीं पहुंची है। हालाँकि, पिछले कुछ महीनों में इन मार्गों पर यात्रियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। यात्रियों की संख्या बढ़ाने और उनकी यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए,एमएमआरडीए यात्रियों के लिए विभिन्न डिजिटल टिकटिंग विकल्प उपलब्ध करा रहा है,ताकि उन्हें कतारों में खड़ा न होना पड़े। इस प्रकार,एमएमआरडीए के ये प्रयास सफल होते दिख रहे हैं। क्योंकि डिजिटल टिकटों को यात्रियों द्वारा अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इसलिए,वर्तमान में मेट्रो लाइन 2 ए और 7 पर कुल यात्रियों में से केवल 35 प्रतिशत ही कागजी टिकट का उपयोग कर रहे हैं।

MAHAVITARAN Maharashtra State Electricity Distribution Co. Ltd.
E-TENDER NOTICE

Digitally sealed & signed offers are invited in two bid system by e-tender mentioned for following works from registered MSEDCLs e-tenderer firms/agencies/Company/subject to following terms and Conditions.....

Tender No.	Particulars	Tender Period
EE/PAD/ T-03/ 2025-26	Supply of best quality Tinned copper fuse wire strictly confirming to IS 9926/1991 amended up to date made out of Electrolyte grade copper and tinned with running hot process tin thickness of 6 to 8 microns of following gauges:10,12,14,16 SWG	FY2025-26

The above tender documents are available at our website www.mahadiscom.in. For more details log on to MSEDCL official website "https://etender.mahadiscom.in/eatApp/ or contact to The Addl.Executive Engineer, Padmavati Division office. The under signed reserves the right to reject any or all Offers without assigning any reason thereof.

PRO/ 36/25
EXECUTIVE ENGINEER,
MSEDCL, PADMAVATI DIVISION.

मध्य रेल
गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल जेएनपीटी यार्ड के विकास के लिए अनुबंध

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से कार्य करने वाले सीनियर डीसीएम / छशिमट निविदा **संख्या सीआर-BB-C-130-WA-JNPT-HY1-GCT समापन तिथि/समय 23.05.2025 15:00 बजे** ई- निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित निविदा अंतिम तिथि एवं समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल ऑफ़र की अनुमति नहीं है, और प्राप्त ऐसे किसी भी मैन्युअल ऑफ़र को अनदेखा कर दिया जाएगा। **कार्य का नाम :** जेएनपीटी के होल्डिंग यार्ड में पूरी तरह से रेलवे भूमि पर जीसीटी नीति के तहत गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल के विकास के लिए अनुबंध । **निविदा प्रकार:** खुला, **बोली प्रणाली:** दो पैकेट प्रणाली, **निविदा समापन तिथि समय:** 23.05.2025, 15:00 बजे, **प्री-बिड सम्मेलन तिथि समय:** 07.05.2025, 15:00 बजे, **विज्ञापित मूल्य:** 100.00, **बयाना राशि (रू.):** 73801100.00, **निविदा दस्तावेज़ लागत (रू.):** 25000.00, **निविदा शुरू होने की तारीख:** 09.05.2025 । इसके अलावा विषय निविदा के संबंध में, परिशिष्ट / शुद्धिपत्र, निविदा की वापसी, निविदा समापन की तिथि या समय में परिवर्तन, विस्तार, स्पष्टीकरण आदि, यदि कोई हो, तो केवल वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना चाहिए।

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे 76

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
(सीवरेज संचालन विभाग)
का.अ. यां. (म.) शहर/र/322/लवग्रोव संकुल
दिनांक 05 मई 2025

अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) हेतु आमंत्रण

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा निम्नलिखित ईओआई ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है. ईओआई से संबंधित जानकारी महाटेंडर पोर्टल से डाउनलोड की जा सकती है.

संदर्भः 2025_एमसीजीएम_1177142_1

वेबसाइटः https://mahatenders.gov.in/nicgep/app

क्रम सं.	कार्य का विवरण	एसटीपी का नाम व स्थान	पुनः उपयोग हेतु उपलब्ध अपशिष्ट जल से उत्पन्न गाद की प्रस्तावित मात्रा (टन)	पूर्व-ईओआई बैठक की तिथि	ऑनलाइन ईओआई जमा करने की निर्धारित तिथि	बोली खुलने के बाद ईओआई दस्तावेज जमा करने का पता
01	कोलाबा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से उत्पन्न गाद को पुनः उपयोग हेतु शोधन के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) के आमंत्रण हेतु प्रस्ताव	कोलाबा एसटीपी, कोलाबा मुंबई 05	लगभग 10 टन प्रतिदिन	20.05.2025	26.05.2025	कार्यकारी अभियंता (यांत्रिक) (एस) शहर-II का कार्यालय, भूतल, नीरी कार्यालय भवन, डॉ. एनी बेसेंट रोड, वर्ली, मुंबई-400018

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://mahatenders.gov.in/nicgep/app पर लॉग ऑन करें.

हस्ता./-
पीआरओ/340/विज्ञा./2025-26
कार्य.अभि. यां. (एस) शहर-II प्रभारी

जहां तक संभव हो घर पर तैयार और ताजे खाद्य पदार्थों का सेवन करें

सेना को खुली छूट देने के मायने

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई। इसके बाद से भारत-पाक तनाव चरम पर है। पहलगाम हमले के बाद भारत एक्शन की तैयारी में है। भारतीय सेना जगह भी तय कर चुकी है। पीएम मोदी ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दी है जिसके बाद सेनाओं का मनोबल सातवें आसमान पर है। भारतीय सेना को खुली छूट मिलने के बाद पाकिस्तान के पसीने छूटने लगे हैं। पाकिस्तानी सेना में दहशत का माहौल है। बड़बोले पाकिस्तान में आलम यह है कि उसके घर के अंदर के लोग ही उसकी सरकार को कोस रहे हैं और सड़कों पर खुलकर बगावत पर उतर आए हैं। वहीं पाकिस्तानी सेना चौकियां छोड़कर भाग रही है। घरों पर से पाकिस्तान के झंडे उतारे जा रहे हैं। जबकी दूसरी तरफ पाकिस्तान सरकार के मंत्री कह रहे हैं कि भारत हमला करने वाला है। उन्होंने कहा कि खुफिया जानकारी मिली है कि भारत अगले 24 से 36 घंटे के बीच हमला कर सकता है। उनके इस बयान ने शहबाज की नींद उड़ा दी है। सीमा पर बसे लोग घरों को छोड़कर भाग रहे हैं। कई इलाकों में अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है। मेडिकल एमरजेंसी को देखते हुए दवाओं के स्टाक बढ़ाने को कहा गया है। पाकिस्तानी रेंजर्स पोस्ट छोड़कर भाग रहे हैं। लेकिन पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताबड़तोड़ बैठकें की और सेना को पूरी छूट दे दी है। वहीं विपक्ष सहित पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के साथ है। इस बीच केंद्रिय गृह मंत्रालय की तरफ से आज 7 मई को 244 जिलों में होगी मॉक ड्रिल की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच उभर रहे 'नये और जटिल खतरों' के मद्देनजर सभी राज्यों से सात मई को 'मॉक ड्रिल' आयोजित करने को कहा है। इस हमले के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक उच्चस्तरीय बैठक में सशस्त्र बलों को पाकिस्तान के ख़िलाफ़ कार्रवाई के लिए खुली छूट देने की घोषणा की। इस कदम ने न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। प्रधानमंत्री द्वारा सेना को खुली छूट देने का अर्थ है कि भारतीय सशस्त्र बलों को आतंकवाद के ख़िलाफ़ कार्रवाई के लिए पूर्ण सामरिक और तकनीकी स्वायत्तता प्रदान की गई है। इसका मतलब यह है कि सेना को यह तय करने की आजादी है कि कार्रवाई का समय, स्थान, लक्ष्य और तरीका क्या होगा। यह स्वायत्तता केवल सैन्य अभियानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें खुफिया जानकारी के आधार पर त्वरित निर्णय लेने और सीमा पार आतंकी ठिकानों पर हमला करने की क्षमता भी शामिल है। यह नीति पहलगाम हमले के जवाब में सामने आई जिसे भारत ने पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जोड़ा है। इस हमले ने भारत में जनता के बीच गुस्से को भड़काया और सरकार पर कठोर कार्रवाई की मांग को बढ़ाया। प्रधानमंत्री का यह बयान कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है और सेना को लक्ष्य, समय और तरीका तय करने की स्वतंत्रता देना, भारत की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति को दर्शाता है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब भारत ने आतंकवाद के जवाब में सेना को खुली छूट दी हो। 2016 में उरी हमले और 2019 में पुलवामा हमले के बाद भी भारत ने पाकिस्तान के ख़िलाफ़ कठोर कार्रवाई की थी। उरी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (Pok) में सर्जिकल स्ट्राइक की जिसमें आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया। इसके बाद, पुलवामा हमले के जवाब में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी शिविरों पर हवाई हमला किया। इन दोनों घटनाओं में सेना को सरकार से स्पष्ट निर्देश और स्वायत्तता प्राप्त थी, जिसके परिणामस्वरूप भारत ने अपनी सैन्य शक्ति और आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया। 2020 में गलवान घाटी में चीन के साथ हुई झड़प के दौरान भी सेना को इसी तरह की स्वतंत्रता दी गई थी जिसने भारत की सीमाओं की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खुली छूट का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव यह है कि सेना अब बिना राजनीतिक या नौकरशाही हस्तक्षेप के त्वरित कार्रवाई कर सकती है। यह विशेष रूप से सीमा पार आतंकवाद के मामलों में महत्वपूर्ण है जहां समयबद्ध प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण होती है। इस घोषणा ने पाकिस्तान में खलबली मचा दी है। पाकिस्तानी नेताओं और मीडिया ने 24-36 घंटों के भीतर भारत द्वारा हमले की आशंका जताई थी। कुछ पाकिस्तानी अधिकारियों ने अपने परिवारों को विदेश भेज दिया है और सेना में सामूहिक इस्तीफों की खबरें भी सामने आई हैं। यह दर्शाता है कि भारत की यह नीति न केवल सैन्य बल्कि मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी प्रभावी है। भारत की सेना किसी भी समय सीमा पार आतंकी ठिकानों पर हमला कर सकती है। यह हमला सर्जिकल स्ट्राइक, हवाई हमले, या किसी नए तरीके से हो सकता है। पाकिस्तान ने पहले ही सीमा पर टैंक तैनात किए हैं और अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है हालांकि, उसकी सेना में मनोबल की कमी और आंतरिक अस्थिरता भारत के लिए लाभकारी हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य देश इस तनाव को कम करने की कोशिश कर सकते हैं हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया है कि उसकी कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ होगी जिसके लिए उसे वैश्विक समर्थन मिलने की संभावना है। प्रधानमंत्री द्वारा सेना को पाकिस्तान के ख़िलाफ़ खुली छूट देना एक साहसिक और रणनीतिक कदम है जो भारत की आतंकवाद के प्रति कठोर नीति को दर्शाता है। यह कदम न केवल सैन्य स्तर पर बल्कि राजनयिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है हालांकि, इसके साथ क्षेत्रीय अस्थिरता और युद्ध का जोखिम भी जुड़ा है। भारत को अपनी कार्रवाइयों में संतुलन बनाए रखना होगा ताकि वह आतंकवाद के ख़िलाफ़ प्रभावी ढंग से लड़ सके, साथ ही व्यापक युद्ध से बच सके। यह नीति भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम क्षेत्रीय और वैश्विक गतिशीलता पर निर्भर करेंगे।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

विनय न मानत कुटिल सठ, गए तीन दिन बीत
बोले शाह सकोप तब, भय बिनु होंइ न प्रीत
भय बिनु होंइ न प्रीत, नमो थोड़ा मुसकाए
घुट-घुटकर मरने दो, मजा अलग ही आए
कह सुरेश योगी बोले, 'है तब तो ओके'
कसम पप्पुवा की तुमको, ले लो पीओके

आतंकवाद पर अमेरिका का ढुलमुल रवैया

बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान पहलगाम में यात्रियों पर हमला किया। जिसकी अमेरिका सहित विश्व के तमाम देशों ने निंदा की। लेकिन आतंकवाद पर अन्य देशों की तरह अमेरिका भी सहानुभूति जताकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले में 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विध्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमेरिका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमेरिका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाएं हैं। सही मायने में तो अमेरिका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमेरिका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है। अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च, 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई, 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्यकर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमेरिकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमेरिका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमेरिका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किन्तु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यवसायिक हित साधना भर रहा है। अमेरिका के व्यवसायिक हित सर्वोपरि हैं। भारत के भारी विरोध के बावजूद अमेरिका ने पाकिस्तान को घातक एफ16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमेरिका करता रहा है। अमेरिका ने भारत के विरोध को नजरांदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमेरिका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोग और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमेरिका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आई का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा का अहम सहयोगी अमेरिका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे लकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाए भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं अमरीकी से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमेरिका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी। हाल ही में अमेरिका की ओर से जारी किए गए बयानों में भी यह साफ किया जा चुका है कि वह पाकिस्तान को भारत या अफगानिस्तान के नजरिए से नहीं देखता है। अमेरिका की ओर से कहा गया कि वह भारत, चीन, ईरान, अफगानिस्तान से सीमा साझा करने वाले परमाणु सशक्त पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण देश समझता है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहा है। इन मुद्दों में ऊर्जा, कारोबार, निवेश, स्वास्थ्य, क्लीन एनर्जी, क्लाइमेट संकट से बचाव, अफगानिस्तान में स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि पाकिस्तान में विदेशी निवेश का सबसे बड़ा योगदान अमेरिका का है। साथ ही पाकिस्तान का सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है। भारत से दोस्ती का दंभ भरने वाले अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंकी पालने पर कभी भी सख्त कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत भारत की तरक्की और परमाणु क्षमता अमेरिका को तब तक खटकती रही, जब तक भारत ने दोनों क्षेत्रों में विश्व में अपना लोहा नहीं मनवा दिया। भारत ने चाबहार पोर्ट को लेकर ईरान के साथ समझौता किया है। इससे भारत को ओमान की खाड़ी में स्थित इस रणनीतिक पोर्ट का संचालन अधिकार 10 साल के लिए मिल गया है। लेकिन इस समझौते को अमेरिका ने नापसंद कर दिया। अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी जारी की। हालांकि, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका को दो टूक जवाब दे दिया और कहा कि अमेरिका अपनी सोच बड़ी करे, क्योंकि इस योजना से पूरे क्षेत्र को फायदा होगा।

भारत में सोने के दाम बढ़ने के पीछे की वजह

भारत में सोना न केवल एक धातु है बल्कि यह आस्था, परंपरा, सामाजिक प्रतिष्ठा और वित्तीय सुरक्षा का प्रतीक भी है। भारतीय संस्कृति में सोने को "शुद्ध" और "मूल्यवान" माना जाता है और यही कारण है कि समय चाहे जैसा भी हो अच्छा या बुरा, सोने की मांग हमेशा ही बनी रहती है लेकिन जब हम बात करते हैं सोने की कीमतों में वृद्धि की तो इसके पीछे सिर्फ धार्मिक या सांस्कृतिक पहलू नहीं बल्कि कुछ ठोस आर्थिक और वैश्विक कारण भी होते हैं। वर्तमान समय में सोने की कीमतों में जो तेज़ी देखने को मिल रही है, उसके पीछे मुझे तीन मुख्य कारण समझ में आते हैं: पहला कारण है वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता और ट्रेड वॉर की छाया पड़ी हुई है. यूक्रेन रूस और इसराइल हमास के युद्ध से लाल सागर और काला सागर वाले वैश्विक सप्लाई चैन के दबाव से दुनिया अपने आपको संतुलित कर ही रही थी कि डोनाल्ड ट्रम्प के दुबारा सत्ता में आने के बाद अमेरिका फर्स्ट और टैरिफ वार शुरू होने से दुनिया की इकॉनमी रिसेट मोड में चली गई. इससे हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार में तनाव और अस्थिरता देखने को मिली है। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर (शुल्क युद्ध) अलग ही लेवल पर पहुंच गया है। जब दो बड़े देश आपसी व्यापार पर शुल्क लगाते हैं और आयात-निर्यात को सीमित करने की कोशिश करते हैं तो इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता फैलती ही है। इस तरह की स्थिति में शेयर बाज़ार में अस्थिरता आने लगती है। निवेशकों को भविष्य को लेकर चिंता होने लगती है और वे उन परिसंपत्तियों की ओर रुख करने लगते हैं जो सुरक्षित मानी जाती हैं। सोना सदियों से "सेफ हेवन" यानी सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता रहा है। इसका कोई क्रेडिट रिस्क नहीं होता, यह भौतिक रूप से मौजूद होता है और मुश्किल वक्त में इसका मूल्य गिरने की बजाय अक्सर बढ़ता है। ट्रेड वॉर के कारण अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों के स्टॉक मार्केट में भारी गिरावट देखने को मिली। इस तरह की वैश्विक आर्थिक अस्थिरता ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया जिससे इसकी मांग

और कीमत, दोनों में उछाल आया। दूसरा कारण है मौसमी मांग और भारतीय संस्कृति में सोने का शुरू से महत्वपूर्ण स्थान होना. भारत में सोने की मांग का एक बहुत बड़ा हिस्सा त्योहारों और शादी के सीजन के दौरान देखने को मिलता है। विशेष रूप से अक्षय तृतीया, धनतेरस, दीपावली और शादी-ब्याह के अवसरों पर सोने की खरीदारी शुभ मानी जाती है। ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में लोग सोने को एक स्थायी संपत्ति मानकर निवेश करते हैं। हर साल जब यह सीजन आता है तो सोने की मांग में अचानक उछाल आता है। जब मांग बढ़ती है तो सामान्य आर्थिक सिद्धांत के अनुसार कीमतें भी बढ़ जाती हैं। यह एक प्रकार की मौसमी वृद्धि होती है जो हर वर्ष लगभग तय रहती है। इसके अलावा भारत में पीढ़ियों से सोना केवल एक आभूषण ही नहीं बल्कि एक वित्तीय सुरक्षा कवच के रूप में भी देखा गया है। महिलाएं इसे अपनी संपत्ति समझती हैं और कठिन समय में इसे बेचकर आर्थिक सहायता प्राप्त की जा सकती है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में, जहां बैंकिंग की पहुँच सीमित है, वहां सोना बचत का एक मजबूत विकल्प बनता है। तीसरा प्रमुख कारण है डॉलर की लगातार मज़बूती और आयात लागत में वृद्धि होना. भारत में सोने की खपत तो बहुत अधिक है, लेकिन उसका अधिकांश हिस्सा आयात किया जाता है। अब, चूंकि सोने का अंतरराष्ट्रीय व्यापार अमेरिकी डॉलर में होता है, इसलिए डॉलर के मूल्य में वृद्धि का सीधा प्रभाव भारत में सोने की कीमत पर पड़ता है। जब अमेरिकी डॉलर भारतीय रुपये की तुलना में मजबूत होता है तब भारत को एक यूनिट सोना खरीदने के लिए अधिक रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इसका सीधा अर्थ यह है कि आयात महंगा हो जाता है और घरेलू बाजार में सोने की कीमत बढ़ जाती है। उदाहरण के लिए, यदि एक औंस सोने की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में $2,000 है और डॉलर की विनिमय दर 75 से बढ़कर 85 हो जाती है तो उसी सोने की कीमत 1,50,000 से बढ़कर 1,70,000 तक जा सकती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय कीमत में कोई बदलाव न हो। इस तरह रुपये की कमजोरी और डॉलर की मजबूती दोनों ही भारत में सोने को महंगा बना देते हैं। इन तीन प्रमुख कारणों वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मौसमी मांग और डॉलर की मजबूती ने मिलकर भारत में सोने की कीमतों को लगातार ऊपर की ओर धकेला है। निवेशकों की मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति, सांस्कृतिक आवश्यकताएं और वैश्विक बाज़ार की चाल, सब मिलकर सोने को एक ऐसा निवेश माध्यम बनाते हैं जो मुश्किल वक्त में भी चमकता रहता है। हालांकि, निवेशकों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि सोने में निवेश करते समय केवल कीमतों की चाल नहीं बल्कि दीर्घकालिक वित्तीय योजना भी अहम होती है। सोना स्थिरता और सुरक्षा तो देता है पर यह रिटर्न के लिहाज से हमेशा सर्वोत्तम विकल्प नहीं होता। इसलिए विवेकपूर्ण निवेश के लिए सोने को अपने पोर्टफोलियो का एक हिस्सा बनाना चाहिए न कि एकमात्र विकल्प।

– पंकज जायसवाल

जब सेवक राजा बनने लगे

भारतीय लोकतंत्र का ढांचा तीन मज़बूत स्तंभों—विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर खड़ा है। ये तीनों मिलकर देश को चलाते हैं, संविधान की आत्मा को ज़िंदा रखते हैं और आम नागरिक को न्याय, सुरक्षा व समृद्धि का भरोसा दिलाते हैं लेकिन आज यही स्तंभ एक-दूसरे से टकरा रहे हैं, खींचतान के हालात पैदा कर रहे हैं और इस महान लोकतंत्र की जड़ों को खोखला कर रहे हैं। जनता जिन्हें चुनकर संसद भेजती है, वे कानून बनाते हैं। कार्यपालिका उन कानूनों को ज़मीन पर लागू करती है। न्यायपालिका का काम है संविधान की रक्षा और जनता को समयबद्ध न्याय। लेकिन आज संसद के हर कदम पर न्यायपालिका अपनी टिप्पणी और व्याख्या थोप रही है। कोई भी नीति लागू हो, अदालतों की दखलअंदाज़ी सामने आ जाती है। यह संविधान का संतुलन नहीं, बल्कि टकराव की शुरुआत है। लेकिन असली सवाल इससे भी बड़ा है: क्या देश में न्याय खरीदा और बेचा जा रहा है? हां, और यह कड़वा सच है। आज भारत में न्याय की पहुंच उसी तक है जिसके पास धन है। गरीब आदमी न तो महंगे वकील कर सकता है, न ही सालों तक केस लड़ सकता है। सैकड़ों निर्दोष लोग जेलों में सड़ रहे हैं, सिर्फ इसलिए कि वे अपनी बेगुनाही साबित नहीं कर पाए। 30, 40, 50 साल बाद जब न्यायालय कहता है कि "आप निर्दोष हैं", तब तक उनका जीवन, परिवार, सम्मान—सब कुछ बर्बाद हो चुका होता है। ये कैसा न्याय है, जो ज़िंदगी छीनकर इज़्ज़त लौटाता है? जिन अदालतों में न्याय मिलना चाहिए, वहीं आज दलाल, बिचौलिए और भ्रष्टाचार का बोलबाला है। कितने ही न्यायालयों में पेशकार से लेकर वकीलों तक का खेल चलता है, और न्यायमूर्ति को इसकी भनक तक नहीं होती। देश की न्यायपालिका सुधार की ज़रूरत पर सोचने की बजाय संसद के बनाए क़ानूनों की "जांच-पड़ताल" में लगी रहती है। और तो और, अब अदालतें महामहिम राष्ट्रपति और राज्यपालों तक को आदेश देने लगी हैं। क्या यह संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन नहीं है? क्या न्यायपालिका संविधान और देश से ऊपर हो चुकी है? यह वही देश है जहाँ संविधान साफ़ कहता है कि राष्ट्रपति सर्वोच्च पद है। फिर कौन-सा अधिकार है जो न्यायालय को राष्ट्रपति को आदेश देने की छूट देता है? आज की स्थिति यह है कि जनता का भरोसा इन तीनों संस्थाओं से उठता जा रहा है। लोग कहने लगे हैं न संसद पर भरोसा है, न अफसरशाही पर, और अब न ही न्यायपालिका पर। यह लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। जब सेवक राजा बनने लगें और राजा जनता को न्याय के लिए तरसना पड़े, तो समझिए लोकतंत्र संकट में है। अब समय आ गया है कि इन संस्थाओं को मर्यादा में रहकर काम करना सीखना होगा। जनता की सेवा में बनी व्यवस्थाएं अगर खुद को ही सर्वोपरि समझने लगें, तो संविधान का कोई मतलब नहीं रह जाता। हमें इस गिरते संतुलन को संभालना होगा। संविधान को बचाना होगा। कानून को उसकी मूल भावना के साथ लागू करना होगा। लोकतंत्र को उसकी आत्मा के साथ जिंदा रखना होगा। यह देश जनता का है गरीबों का, मज़लूमों का, मेहनतकशों का।

–अशोक कुमार झा

आज का कार्टून

साभार

कालजयी सृजक रवींद्रनाथ टैगोर

'गुरुदेव' के नाम से विख्यात कवि लेखक संगीतकार एवं बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी तथा राष्ट्रगान जन गण मन के रचयिता और भारत के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर ने साहित्य, शिक्षा, संगीत, कला, रंगमंच और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी बहुमुखी प्रतिभा से वह स्थान प्राप्त किया है जो विरले ही प्राप्त कर पाते हैं। अपने मानवतावादी दृष्टिकोण के चलते रविंद्र बाबू को विश्वकवि का दर्जा दिया गया है। टैगोर सही मायनों में भारत से पहले विश्वकवि हैं। उनके काव्य के मानवतावाद ने उन्हें दुनिया भर में पहचान दिलाई। दुनिया की अनेक भाषाओं में उनकी रचनाओं का अनुवाद हुआ। टैगोर की रचनाएं बांग्ला साहित्य में एक नई शैली एवं चिंतन लेकर आई। 7 मई 1861 को कोलकाता में जन्मे, माता पिता की तेरहवीं संतान रवींद्रनाथ टैगोर ने बचपन में ही 'होनहार बिरवान के होत चिकने पात' की उक्ति को चरितार्थ करते हुए आठ वर्ष की उम्र में पहली कविता लिखकर अपने कवि हृदय होने का परिचय दिया तो मात्र 16 वर्ष की उम्र में उनकी पहली प्रथम रचना एक लघु कथा के रूप में प्रकाशित हुई । एक दर्जन से अधिक उपन्यासों में चोखेर बाली, घरे बाहिरे, गोरा आदि शामिल हैं। रवींद्रनाथ टैगोर के उपन्यासों में मध्यमवर्गीय समाज का बहुत नज़दीकी से यथार्थपरक चित्रण किया गया है। टैगोर का कथा साहित्य क्लासिक साहित्य में बहुत ऊंचा स्थान रखता है। समीक्षकों के अनुसार उनकी कृति 'गोरा' एक अद्भुत रचना है और आज भी इसकी प्रासंगिकता बनी हुई है। रवींद्रनाथ टैगोर की रचनात्मक प्रतिभा कविताओं एवं संगीत में सबसे ज्यादा मुखरित हुई । उनकी कविताओं में नदी और बादल की अठखेलियों से लेकर अध्यात्म तक के विभिन्न विषयों को बखूबी उकेरा गया है तो उपनिषद जैसी भावनाएं भी अभिव्यक्त हुई हैं। साहित्य की शायद ही कोई शाखा हो जिनमें उनकी रचनाएं नहीं हों। उन्होंने कविता, गीत, कहानी, उपन्यास, नाटक विधाओं में प्रमुख रूप से रचना की। टैगोर की कई कृतियों के अंग्रेजी अनुवाद के बाद पूरा विश्व उनकी प्रतिभा से परिचित हुआ। उनके नाटक मुख्यतया सांकेतिक हैं, डाकघर, राजा, विसर्जन आदि इसके प्रमाण हैं। भारत के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता टैगोर दुनिया के संभवतः एकमात्र ऐसे कवि हैं जिनकी रचनाओं को दो देशों ने अपना राष्ट्रगान बनाया। भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' तथा बांग्लादेश का राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' रविंद्र नाथ टैगोर की ही कलम से निकले हैं। रवींद्र ने दो हजार से अधिक गीतों की रचना की। उनका रवींद्र संगीत बांग्ला संस्कृति का अभिन्न अंग बन गया है। टैगोर की प्रमुख रचनाओं में गीतांजलि, गोरा एवं घरे बाईरे प्रमुख हैं । 'गुरुदेव' की कविताओं में एक अनूठी लय है। वर्ष 1877 में उनकी रचना 'भिखारिन' खासी चर्चित रही। उन्हें बंगाल का सांस्कृतिक उपदेशक भी कहा जाता है। 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले रवींद्र आरंभिक दौर में कोलकाता और उसके आसपास के क्षेत्र तक ही सीमित रहे लेकिन 'गीतांजलि' पर नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद उनकी ख्याति विश्वव्यापी हो गई. उनको अपनी जिस पुस्तक गीतांजलि पर साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला, उसकी कहानी भी बड़ी रोचक है। 51 वर्ष की उम्र में रवींद्रनाथ टैगोर अपने बेटे के साथ इंग्लैंड गए और इस यात्रा ने रवींद्रनाथ टैगोर का आभामंडल ही बदल दिया। समुद्री मार्ग से जाते समय उन्होंने अपने कविता संग्रह 'गीतांजलि' का अंग्रेजी अनुवाद करना प्रारंभ किया। गीतांजलि का अनुवाद करने के पीछे उनका कोई उद्देश्य नहीं था केवल समय काटने के लिए कुछ करने की गर्ज से उन्होंने गीतांजलि का अनुवाद एक नोटबुक में लिखना शुरू किया और यात्रा समाप्त होते-होते उन्होंने इस अनुवाद को पूरा भी कर दिया। अनुवाद करते समय टैगोर को किंचित भी आभास नहीं था कि वें एक महान कार्य करने जा रहे हैं। लंदन में जहाज से उतरते समय उनका पुत्र उस सूटकेस को जहाज में ही भूल गया जिसमें वह नोटबुक रखी थी। इस ऐतिहासिक कृति की नियति में किसी बंद सूटकेस में लुप्त होना नहीं लिखा था। वह सूटकेस जिस व्यक्ति को मिला, उसने स्वयं उस सूटकेस को रवींद्रनाथ टैगोर तक अगले ही दिन पहुंचा दिया। लंदन में टैगोर के अंग्रेज मित्र चित्रकार रोथेंस्टिन को जब यह पता चला कि गीतांजलि को स्वयं रवींद्रनाथ टैगोर ने अनुवादित किया है तो उन्होंने उसे पढ़ने की इच्छा जाहिर की। गीतांजलि पढ़ने के बाद रोथेंस्टिन ने अपने मित्र डब्ल्यू.बी. यीट्स को गीतांजलि के बारे में बताया और नोटबुक उन्हें भी पढ़ने के लिए दी। इसके बाद जो हुआ, वह इतिहास है। यीट्स ने स्वयं गीतांजलि के अंग्रेजी के मूल संस्करण का प्रस्तावना लिखा। सितंबर सन् 1912 में गीतांजलि के अंग्रेजी अनुवाद की कुछ सीमित प्रतियां इंडिया सोसायटी के सहयोग से प्रकाशित की गई।

– डॉ घनश्याम बादल

बिहार के 5 शहरों में मॉक ड्रिल आज

पटना में 15 मिनट बिजली बंद

महानगर नेटवर्क

पटना

पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में उपजे तनाव के बीच केंद्र सरकार के निर्देशानुसार देश भर में बुधवार को मॉक ड्रिल होगी। इसके तहत बिहार के 5 शहरों में मॉक ड्रिल की जाएगी। इनमें राजधानी पटना के अलावा, पूर्णिया, कटिहार, बेगूसराय और बरौनी शामिल है। पटना में प्रशासन इसकी तैयारियों में जुट गया है। इसके तहत बुधवार को पूरे शहर की बिजली 15 मिनट के लिए बंद कर दी जाएगी। सभी चौक-चौराहों एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर सायरन बजाए जाएंगे। लोगों को युद्ध होने पर अपना बचाव करने की जानकारी दी जाएगी।

बिहार राज्य आपदा प्राधिकरण और नागरिक सुरक्षा निदेशालय की ओर से मॉक ड्रिल का पूरा प्लान तैयार किया जा रहा है। मंगलवार शाम में पटना के डीएम चंद्रशेखर इस संबंध में आला पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। जानकारी के अनुसार मॉक ड्रिल के दौरान पटना में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गांधी मैदान स्थित कार्यालय, पटना यूनिवर्सिटी, पटना मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल (पीएमसीएच) समेत अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर एक साथ सायरन बजाया जाएगा। इसके बाद फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की गाड़ियां सड़क पर दौड़ेंगी। लोगों को सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को इस संबंध में सर्कुलर भेजा है। इसके आधार पर बिहार सरकार मॉक ड्रिल की तैयारी कर रही है। सिविल डिफेंस के साथ ही होमगार्ड, एनसीसी और स्कूलों-कॉलेजों के बच्चों को भी मॉक ड्रिल में शामिल किया जा सकता है। इसमें हवाई हमले स्थिति में बचाव की तैयारियों पर जोर दिया जाएगा। दरअसल, मॉक ड्रिल के जरिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि युद्ध या किसी बड़े हमले की स्थिति में आम लोगों को कैसे सुरक्षित किया जा सकता है। मॉक ड्रिल एक तरह की रिहर्सल होती है, प्राकृतिक आपदा (आग-भूकंप), युद्ध, हमले या अन्य आपातकालीन स्थिति की तैयारी के लिए इसे कराया जाता है।

पिकअप-ऑटो में टक्कर, दो बच्चों की मौत

- जमुई में बारात से लौट रहे थे सभी
- तीन घायलों को पटना किया गया रेफर

महानगर नेटवर्क

जमुई

जमुई में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सभी बच्चे सोमवार की रात खैरा प्रखंड के सोनेल डहुआ गांव के बारात से लौट रहे थे। हादसा तब हुआ जब खैरा-सोनो मुख्य मार्ग पर हरदीमोह के पास आंधी के कारण गिरे पेड़ की वजह से ऑटो रुका था।

तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप ने ऑटो में टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान चंदन मांझी के बेटे ऋषि कुमार(10) और जोधन मांझी के बेटे गल्लू कुमार(10) के रूप में हुई है। वहीं गौतम मांझी (12), दीपक कुमार (11) और मोदी कुमार (12) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रात करीब 2 बजे की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार सभी बच्चे गांव के संतोष मांझी के बेटे चूटर मांझी की शादी में जमुई शहर के हरनाहा गांव गए थे।

जांच में जुटी पुलिस

खैरा थानाध्यक्ष मिंटू कुमार सिंह ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। मृतक बच्चों के परिजनों का सदर अस्पताल में रो-रोकर बुरा हाल है।

बिहार में आकाशीय बिजली से छह लोगों की मौत

पटना में बाप-बेटे-पोते की गई जान

महानगर नेटवर्क

पटना

बिहार में अगले दो दिन आंधी-बारिश और आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने आज यानी मंगलवार को बिहार के 21 जिलों में बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान तेज हवा भी चल सकती है।

वहीं, राजधानी पटना में सुबह से ही बादल छाए हुए है। यहां आज भी मध्यम दर्जे की बारिश के आसार हैं। समस्तीपुर, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया में अगले तीन घंटे में तेज बारिश हो सकती है। वहीं, लखीसराय, बक्सर, पटना, छपरा समेत बिहार के 10 जिलों में सोमवार देर रात तेज बारिश हुई है। तेज हवाओं और बारिश की वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिली।

पटना के बख्तियारपुर दियारा में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों रिश्ते में बाप, बेटे और पोते थे। 4 घायल हुए हैं। पिछले 24 घंटे में आकाशीय बिजली से 6 लोगों की जान जा चुकी है। बिहार में 8 मई से लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 17 जिलों में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान सभी 17 जिलों में तापमान 44 डिग्री तक जा सकता है। अभी पटना समेत बिहार के ज्यादातर जिलों का अधिकतम तापमान 36 से 40 के बीच बना हुआ है। आने वाले दिनों में कई स्थानों पर यह 42 से 44 डिग्री सेल्सियस तक भी जा सकता है। इससे लोगों की परेशानी बढ़ सकती है।

8 बारातियों की मौत के बाद दूल्हा-दुल्हन के गांवों में मातम

बिना रस्मों के ही हुई शादी

महानगर नेटवर्क

कटिहार।

कटिहार जिले में सोमवार आधी रात को हुए सड़क हादसे में बारात में जा रहे 8 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। सभी लोग पूर्णिया जिले के रहने वाले थे। हादसे के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। दूल्हा और दुल्हन के गांवों में कोहराम मच गया। हालांकि, शादी नहीं टाली गई। बिना रस्मो-रिवाज के बहुत सादे तरीके से गमगीन माहौल में शादी संपन्न कराई गई। मृतकों में अधिकांश युवा थे, जिनमें से सिर्फ दो ही शादीशुदा थे। मरने वालों में चार युवक दूल्हे के चचेरे भाई बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार पूर्णिया जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के दिवराधन पंचायत के दिवरा बाजार से बारात कोशकीपुर गई थी। कटिहार जिले के पोठिया थाना क्षेत्र के समेली में स्टेट हाइवे 77 पर बारातियों से भरी एक स्कॉर्पियो कार की मक्का से लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली से भीषण टक्कर हो गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार 8 बारातियों की मौत हो गई, जबकि 2 घायल हो गए। मृतकों में दूल्हा के दो दोस्तों के अलावा, गाड़ी का मालिक और ड्राइवर भी शामिल है। जबकि चार दूल्हे के चचेरे भाई थे। घायलों का पूर्णिया के सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, बारात दूल्हे के गांव से रात 10.30 बजे रवाना हुई थी। डीजे के साथ नाचते-गाते हुए बाराती जा रहे थे। रात करीब 12.30 बजे समेली के पास बारात में शामिल स्कॉर्पियो ट्रैक्टर से टकराकर हादसे का शिकार हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। मृतकों में 6 लोग दिवरा बाजार के रहने वाले थे, जबकि दो लोग (ड्राइवर और गाड़ी मालिक) लतरहा पंचायत के भंगहा टोला निवासी थे।

सीएम नीतीश ने हादसे पर जताया दुख

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। सीएम ने इस घटना को काफी दुखद बताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही उन्होंने सड़क दुर्घटना में घायल हुए दो लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की है।

पटना में BPSC अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज

सीएम आवास के बाहर जुटे थे अभ्यर्थी

पुलिस ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

महानगर नेटवर्क

पटना

बिहार की राजधानी पटना में पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। पुलिस ने यहां बीपीएससी TRE-3 के अभ्यर्थियों पर लाठियां चटकाई गई हैं। बताया जा रहा है कि बीपीएससी अभ्यर्थी पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास का घेराव और प्रदर्शन करने के लिए पहुंचे थे। पुलिस ने छात्रों को वहां से हटने की चेतावनी दी थी। लेकिन बीपीएसी अभ्यर्थी सीएम आवास के बाहर से हटने के लिए तैयार नहीं थे। इसके बाद मजबूरन पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

कड़ी धूप के बावजूद यहां पुरुष और महिला अभ्यर्थी सीएम आवास का घेराव करने आए थे। बताया जा रहा है कि कड़ी धूप की वजह से कुछ महिला अभ्यर्थी मूर्छित भी हो गई थीं। महिला अभ्यर्थियों ने कहा कि हम सिर्फ एक मौका चाहते हैं कि सीएम नीतीश हमसे मिल लें। सीएम नीतीश कुमार महिला संवाद के लिए जाते हैं लेकिन हम उनके घर आएं हैं तो वो हमसे नहीं मिल रहे हैं। पूरक रिजल्ट जारी करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया।

क्या है अभ्यर्थियों की मांग

महिला अभ्यर्थियो ने अपनी मांगों के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि बिहार में सप्लीमेंट्री रिजल्ट जारी की जाए। बार-बार वैकेंसी आती है लेकिन सीटें खाली रह जाती हैं। सरकार के पास सप्लीमेंट्री रिजल्ट है तो फिर आखिर इसे क्यों नहीं जारी किया जा रहा है। महिला अभ्यर्थियों ने कहा है कि हम गर्दनीबाग जाएं लेकिन वहां हमसे कोई मिलने नहीं आ रहा है,तो आखिर हम कहां जाएं?

तेजस्वी यादव ने दी प्रतिक्रिया

पटना में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। तेजस्वी यादव ने एक्स पर लिखा, 'लोकतांत्रिक तरीके से अपनी माँग रख रहे युवाओं की बर्बर पिटाई, अन्याय व अत्याचार करना राज्य सरकार का मुख्य शौक है। यह सरकार अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को संपोषित कर उन्हें संरक्षण देती है तथा छात्रों, युवाओं और बेरोज़गारों पर जब मर्जी लाठीचार्ज कर देती है। सभी लोग एकजुट होकर इस बार 20 वर्षों की इस नकारा सरकार को बदलेंगे, यह निश्चित है।'

बिहार में वक्फ की जमीन की खोज-खबर शुरू

इस जिले से 23 जगहों की सूची भेजी गई

महानगर नेटवर्क

पटना

संसद से वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के बाद नए वक्फ कानून को लागू करने की दिशा में सरकार की कोशिशें जारी हैं।

इस बीच बिहार में वक्फ की जमीन की सरकारी स्तर पर खोज खबर शुरू हो गई है। वक्फ की जमीन पर अवैध कब्जों को हटाने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत भागलपुर जिले में वक्फ इस्टेट की जमीन की जांच की जाएगी।

बिहार राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड ने 23 जगहों पर स्थित प्लॉट की सूची वक्फ के नोडल पदाधिकारी सह अल्पसंख्यक कल्याण के सहायक निदेशक को भेजी है। सुन्नी वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी (सीईओ) ने भेजे पत्र में कहा कि जिला अंतर्गत स्थित विभिन्न वक्फ इस्टेट के तौजी से बने खाता, खेसरा, रकबा और चौहद्दी आदि की जानकारी उपलब्ध कराएं। सीईओ ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव के साथ-साथ जिला अभिलेखागार पदाधिकारी, अपर समाहर्ता को भी अपने-अपने स्तर से जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है।

दहेज ने ली एक और जिंदगी

रोहतास। रोहतास जिले में दहेज केस में सुलह के बाद विवाहिता की हत्या का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। हत्या का आरोप मृतका के ससुराल वालों पर लगा है. मृतका के परिजनों का कहना है कि ससुराल वालों ने दहेज के लिए पीट-पीट नवविवाहिता की हत्या की है. घटना जिले के करगहर थाना क्षेत्र के जगदतपुर गांव की है। मृतका के पिता बिहारी नोनिया ने बताया कि बीते सोमवार को बेटी ने फोन कर सूचना दी कि उसे कमरे में बंद कर ससुराल वालों द्वारा पीटा जा रहा है. सूचना पाकर तत्काल बेटी के ससुराल पहुंचा तो देखा कि वह बेहोशी की हालत में कमरे में पड़ी हुई है।

लोन दिलाने का दिया झांसा फिर खाली होने लगे खाते

- भागलपुर के कारोबारी से 3 करोड़ की साइबर ठगी

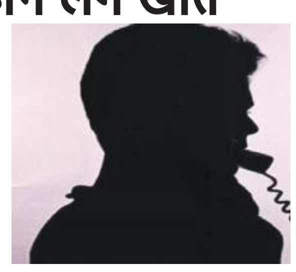

महानगर नेटवर्क

भागलपुर

भागलपुर जिले के जोगसर थाना क्षेत्र के रहने वाले व्यवसायी से साइबर अपराधियों ने लोन देने के नाम पर तीन करोड़ आठ लाख पचासी हजार रुपये ठग लिए। घटना को लेकर उन्होंने थाने में केस दर्ज कराया है। उनका कहना है कि एक अंजान शख्स ने उन्हें कॉल किया था और कहा था कि अगर किसी को लोन की जरूरत हो तो वो दिलवाएगा और इसके बदले में आपको दो से पांच प्रतिशत तक कमीशन मिलेगा। व्यवसायी का कहना है कि उन्होंने कॉल करने वाले का सत्यापन मुंबई जाकर किया। वहां मिलने पर उन्हें उसपर विश्वास हो गया था। इसके बाद शहर के व्यवसायी ने खुद 50 करोड़ का लोन लेने की बात मौखिक रूप से कही। उसके बाद उस ठग ने प्रोसेसिंग फीस के नाम पर पैसे खाते में ट्रांसफर करने को कहा। उनके बताए खातों में कई बार में शहर के व्यवसायी ने पैसे ट्रांसफर कर दिये।

हाथ-पैर बांधकर किया रेप, जान से मारने की धमकी

दरभंगा में नाबालिग लड़की से दरिंदगी

महानगर नेटवर्क

दरभंगा

दरभंगा जिले के सिमरी थाना क्षेत्र के एक गांव में चापाकल पर पानी लाने गई नाबालिग लड़की के हाथ-पैर बांधकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। दो मई को हुई इस घटना के मामले में एफआईआर दर्ज कर सिमरी पुलिस ने आरोपी युवक कंसी निवासी कुन्दन ठाकुर को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है।

सिमरी थाने में दर्ज एफआईआर में नाबालिग लड़की ने बताया है कि दो मई को लगभग एक बजे दिन में शौच के लिए घर से दक्षिण के तरफ गई थी। उधर ही आरोपी कुन्दन की वेल्डिंग की दुकान चलाता है। जो वहीं पर रहता है।

पीड़िता ने बताया कि जब वो चापाकल पर हाथ-पैर धोने गई, तो कुंदन ठाकुर जबरदस्ती हाथ पकड़कर रूम में ले गया। वहां वो जबरदस्ती करने लगा। मैंने विरोध किया तो रस्सी से हाथ-पैर बांधकर लगभग एक घंटे तक दुष्कर्म किया। इसके बाद धमकी देकर आरोपी ने कहा कि यह बात किसी को मत बताना नहीं तो जान से मार देंगे। घटना के दिन से अस्वस्थ होने के बाद परिवार के सदस्यों को पीड़िता ने सारी बात बताई। जानकारी मिलते ही आक्रोशित परिजन लड़की को लेकर सिमरी थाना पहुंचे। वहां आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। सिमरी थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि आवेदन के आलोक में पास्को एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। नाबालिग लड़की को मेडिकल जांच के लिए भेजा जाएगा। महिला दारोगा ज्योति कुमारी ने मामले का अनुसंधान शुरू कर दिया है।

व्यापार

ओडिसी पोर्टफोलियो का विस्तार किया

नई दिल्ली। ओडिसी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, प्रीमियम इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली भारत की तेजी से बढ़ती कंपनी ने अपने नए लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर हायफाय को लॉन्च कर अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। इस लॉन्च के साथ, ओडिसी इलेक्ट्रिक ने पर्यावरण-अनुकूल और सस्ते शहरी यातायात समाधान देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। ओडिसी हायफाय की कीमत 42,000 रुपए है, जो इसे काफी किफायती बनाती है। ओडिसी हायफाय उन शहरी यात्रियों के लिए बनाया गया है जो पारंपरिक पेट्रोल स्कूटरों के बजाय किफायती और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प चाहते हैं।

एक दिन में सोना ₹1,479 महंगा हुआ

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 6 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,479 बढ़कर 96,761 पर पहुंचा गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 95,282 थी।

वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 1,745 बढ़कर 95,845 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 94,100 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

इस साल अब तक 20,599 रुपए महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,599 रुपए बढ़कर 96,761 रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,828 रुपए बढ़कर 95,845 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

अप्रैल में सर्राफा बाजार में सोना 1 लाख के पार निकला था

बीते महीने 22 अप्रैल को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम सर्राफा बाजार में 1 लाख रुपए पर पहुंच गया था। GST और मेकिंग चार्ज के साथ सोना 1 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम का स्तर पार कर गया है।

महंगा हो सकता है गैस सिलेंडर

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच टेंशन एकदम हाई पर है। दोनों देशों के बीच युद्ध के बादल कभी भी बरस सकते हैं। इस सबके बीच आम लोगों के लिए एक बुरी खबर आ रही है। दरअसल आने वाले दिनों में एक बार फिर गैस सिलेंडर के दाम बढ़ सकते हैं और इस बार गैस की कीमतों में 100 से 150 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इस सबके पीछे क्या वजह हैं इसके बारे में हम आपको यहां विस्तार से बता रहे हैं।

गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने की वजह

जानकारी के अनुसार फाइनेंशियल ईयर 2026 में तेल कंपनियों को रसोई गैस (LPG) की बिक्री में 30 हजार करोड़ का नुकसान होगा। रिपोर्ट के अनुसार पहले ये नुकसान तकरीबन 40 हजार करोड़ रुपए का था, लेकिन बीते कुछ दिनों पहले ही सरकार ने गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए की बढ़ोतरी की, जिसके बाद इस नुकसान में 10 हजार करोड़ रुपए की कमी आई।

ऐसे में अगर सरकार ने तेल कंपनियों की मदद नहीं की तो आने वाले दिनों में एक बार फिर रसोई गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ सकती हैं।

सरकार ने दिया है आश्वासन

तेल कंपनियों के घाटे को खत्म करने के लिए सरकार की ओर से इस नुकसान को वहन करने का आश्वासन दिया गया है, लेकिन इस सबके बीच अगर भारत-पाकिस्तान का युद्ध होता है तब सरकार को एक्स्ट्रा फंड की जरूर होगी, जिसके चलते सरकार तेल कंपनियों को जो राहत देने वाली है, उसे रोक सकती है और इस घाटे को खत्म करने के लिए आम लोगों पर बोझ डाला जा सकता है।

सेंसेक्स 156 अंक गिरकर 80,641 पर बंद

मुंबई। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार, 6 मई को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 156 अंक गिरकर 80,641 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 82 अंक की गिरावट रही, ये 24,380 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 गिरकर बंद हुए। जोमैटो का शेयर 3.08%, टाटा मोटर्स का 2.09%, SBI का 2.01%, अडाणी पोर्ट्स और NTPC का 1.96% नीचे बंद हुए। वहीं, महिंद्रा, एयरटेल, नेस्ले इंडिया, HUL और टाटा स्टील के शेयर करीब 2% चढ़कर बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में से 34 गिरकर बंद हुए हैं। NSE के सेक्टोरल इंडाइसेज में सबसे ज्यादा सरकारी बैंकों के इंडेक्स 4.84%, रियल्टी इंडेक्स 3.58%, ऑयल एंड गैस 1.79%, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.68% और मीडिया 1.51% गिरकर बंद हुए।

बैंक ऑफ बड़ौदा का होम लोन 0.40% सस्ता हुआ

महानगर नेटवर्क

मुंबई

बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) ने लोन की ब्याज दरों में 0.40% की कटौती की है। इस कटौती के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा से सभी तरह के लोन लेना अब सस्ता हो गया है। अब बैंक ऑफ बड़ौदा की होम लोन की ब्याज दर सालाना 8% से शुरू होंगी।

RBI ने हाल ही में रेपो रेट को 6.25% से घटाकर 6.00% किया है। जिसके बाद बैंकों ने भी FD और लोन की ब्याज दरों में कटौती शुरू कर दी है। इससे पहले SBI और LIC हाउसिंग फाइनेंस ने लोन की ब्याज दरों में 0.25% की कटौती की थी।

कई बैंक समय से पहले लोन अदा करने पर पेनल्टी लगाते हैं। ऐसे में बैंकों से इस बारे में पूरी डिटेल ले लें, क्योंकि समय से पहले लोन अदा करने पर बैंकों को उम्मीद के मुताबिक कम ब्याज मिलता है। ऐसे में उनकी ओर से कुछ टर्म एंड कंडीशन लगाए जाते हैं। इसलिए होम लोन लेते वक्त इस बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें।

अपने सिबिल स्कोर का ध्यान रखें

सिबिल स्कोर से व्यक्ति की क्रेडिट हिस्ट्री का पता चलता है। पर्सनल लोन के मामले में बैंक आवेदक का सिविल स्कोर जरूर देखते हैं। क्रेडिट स्कोर कई खास क्रेडिट प्रोफाइलिंग कंपनियों की तरफ से तय किया जाता है। इसमें यह देखा जाता है कि आपने पहले लोन लिया है या क्रेडिट कार्ड आदि का इस्तेमाल किस प्रकार किया है। किसी भी व्यक्ति का क्रेडिट स्कोर रीपेमेंट हिस्ट्री, क्रेडिट इस्तेमाल का अनुपात, मौजूदा लोन और बिलों के समय पर पेमेंट से पता चलता है।

आजाद इंजीनियरिंग ने आपूर्ति अनुबंध पर हस्ताक्षर किये

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

प्रेसिजन इंजीनियरिंग में प्रमुख वैश्विक नेता आजाद इंजीनियरिंग ने जीई वर्नोवा की स्टीम पावर सर्विसेज बिजनेस यूनिट के साथ एक अतिरिक्त दीर्घकालिक आपूर्ति अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। 53.5 मिलियन डॉलर का यह अनुबंध 2030 तक छह साल की अवधि पर आधारित होगा। आजाद इंजीनियरिंग की 7,600 वर्ग मीटर लीन विनिर्माण सुविधा के हालिया उद्घाटन के बाद यह अतिरिक्त अनुबंध कंपनी के लिए महत्वपूर्ण सफलता है, जो तुनिकिबोलरम, हैदराबाद (भारत) में आजाद इंजीनियरिंग की आयतन क्षमता दायित्वों को पूरा करने के लिए समर्पित है। इस अनुबंध के अंतर्गत आजाद इंजीनियरिंग उन्नत परमाणु, औद्योगिक और थर्मल पावर उद्योगों के लिए अत्यधिक इंजीनियरिंगयुक्त और जटिल घूर्णन और स्थिर एयरफोइल का निर्माण तथा आपूर्ति करेगी।

इस उपलब्धि से जीई वर्नोवा की स्टीम पावर सर्विसेज बिजनेस यूनिट के साथ आजाद इंजीनियरिंग के मौजूदा रणनीतिक दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत होगी।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया में नेतृत्व परिवर्तन

मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की है। इस बदलाव के तहत आशीष गुप्ता को 1 मई 2025 से प्रभावी रूप से स्कोडा इंडिया का नया ब्रांड डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। वर्तमान में वे फॉक्सवैगन पैसेंजर कार्स के ब्रांड डायरेक्टर हैं। इसी तरह, नितिन कोहली, जो वर्तमान में ऑडी इंडिया में सेल्स और ऑपरेशंस की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, अब 1 मई 2025 से फॉक्सवैगन पैसेंजर कार्स के ब्रांड डायरेक्टर के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम का चौथी तिमाही में मुनाफा 18% बढ़ा

नई दिल्ली। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 1.19 लाख करोड़ रुपए की कुल कमाई की है। यह पिछले साल के मुकाबले 2.45% कम है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 1.22 लाख करोड़ रुपए की कमाई की थी। कुल कमाई में से सैलरी, टैक्स, कच्चे माल की कीमत जैसे खर्चे निकाल दें तो कंपनी के पास 3,355 करोड़ रुपए शुद्ध मुनाफे (स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट) के रूप में बचे। यह 2024 के जनवरी-मार्च तिमाही से 18% ज्यादा है। पिछले साल कंपनी को 2,843 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। चौथी तिमाही में हिंदुस्तान पेट्रोलियम का ऑपरेशनल रेवेन्यू 1.18 लाख करोड़ रुपए रहा था। सालाना आधार पर यह 2.47% कम हुआ है। जनवरी-मार्च 2024 में कंपनी ने 1.21 लाख करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।

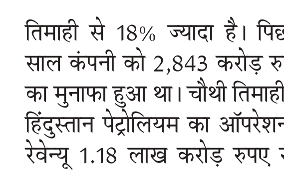

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबर: 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

सस्ती दरों पर निजी कंपनी से बिजली खरीदेगी प्रदेश सरकार

महानगर संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी और दूरदर्शी पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को 1600 मेगावाट क्षमता की तापीय परियोजना से कुल 1500 मेगावाट ऊर्जा बिड प्रॉसेस के माध्यम से 25 वर्षों तक खरीदने का निर्णय लिया गया है। बिडिंग प्रक्रिया में सबसे कम टैरिफ दर (5.38 रुपए प्रति यूनिट) की पेशकश करने वाली निजी कंपनी को परियोजना के लिए चुना गया है। इससे यूपी पावर कॉर्पोरेशन (यूपीपीसीएल) को 25 वर्षों में लगभग 2958 करोड़ रुपए की बचत होगी।

योगी सरकार की इस नई पहल से उत्तर प्रदेश को साल 2030-31 से 1500 मेगावॉट बिजली बेहद सस्ती दर पर मिलने लगेगी। यह नई परियोजना मौजूदा और आगामी तापीय परियोजनाओं की तुलना में कहीं ज्यादा किफायती है। जहां जवाहरपुर, ओबरा, घाटमपुर, पनकी जैसी परियोजनाओं से बिजली 6.6 रुपए से लेकर 9 रुपए प्रति यूनिट तक मिल रही है, वहीं DBFOO के तहत प्रस्तावित इस परियोजना के तहत 2030-31 में प्लांट के कमीशन होने के बाद बिजली सिर्फ 6.10 रुपए प्रति यूनिट की दर से प्राप्त होगी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ऊर्जा की मांग को पूरा करने और उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमने कुछ ऊर्जा बिडिंग प्रोसेस से खरीदने का निर्णय किया है। उसी कड़ी में 1600 मेगावाट पावर प्लांट को लेकर हम आगे बढ़े हैं। हमारी शर्त थी कि जब यह प्लांट उत्तर प्रदेश में लगेगा तभी बिजली खरीदेंगे। प्रक्रिया के तहत जुलाई 2024 में रिक्वेस्ट फॉर क्वालीफिकेशन इश्यू किया था, जिसमें 7 कंपनियां आई थीं।

सार्वजनिक संयंत्रों से भी सस्ती पड़ेगी बिजली

उन्होंने बताया कि इसी निजी कंपनी ने पिछले साल अगस्त में महाराष्ट्र के साथ भी इसी प्रकार की प्रक्रिया की थी। उसकी अपेक्षा भी हमारी डील उससे कुछ सस्ती है। यही नहीं, इससे पहले भी हमारे बड़े पावर परचेज एग्रीमेंट्स हुए हैं, उसकी अपेक्षा भी मौजूदा डील सस्ती है। सार्वजनिक क्षेत्र के जो हमारे पावर प्लांट्स हैं उनकी भी बिजली का जो अनुबंध हुआ है उनकी अपेक्षा भी यह वर्तमान प्रक्रिया की बिजली काफी सस्ती पड़ेगी। उन्होंने बताया कि 2030-31 में जब पावर प्लांट तैयार होगा तब भी टैरिफ 6.10 रुपए पड़ेगा जो हमारे सार्वजनिक संयंत्रों की बिजली से सस्ता होगा। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के अध्ययन के अनुसार, राज्य को वर्ष 2033-34 तक लगभग 10,795 मेगावाट अतिरिक्त तापीय ऊर्जा की जरूरत होगी। इसके साथ ही 23,500 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भी रोडमैप तैयार किया गया है। तापीय ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिए DBFOO मॉडल के तहत बिड प्रक्रिया शुरू की गई।

नींबू मिर्च वाली तस्वीर पर केंद्रीय मंत्री बघेल बोले

कांग्रेस के अजय राय विवादित बयानबाजी के लिए चर्चित

महानगर संवाददाता

आगरा

जिले में अहिल्याबाई होल्कर की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। जिसकी तैयारी में समाज के संगठन जुट गए है। जीआईसी मैदान पर एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हो सकते है, यह जानकारी प्रेसवार्ता में केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने दी।

केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने मीडिया से करते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के राफेल पर नींबू मिर्ची को लेकर दिए गए बयान के सवाल पर कहा कि अजय राय विवादित बयानबाजी के लिए चर्चित हैं। चर्चा में रहने के लिए ऐसे बयान देते रहते हैं। देश में ग्रह प्रवेश हो या कोई भी शुभ कार्य हो उसमें नींबू

मिर्ची लगाई जाती है, जिससे नजर ना लगे। यह हमारी संस्कृति है और जो आतंकियों ने किया है उसका जबाव दिया जाएगा। उनका बयान राजनीतिक है।

नींबू-मिर्च संस्कृति का हिस्सा

केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा कि देश में बुरी नजर से बचाने के लिए नींबू मिर्ची लटकाई जाती है। इसके साथ ही शुद्धता और पवित्रता के लिए स्वास्तिक, तिलक और उस पर अक्षत लगाया जाता है। इस अवसर पर नारियल भी फोडा जाता है यह हमारी संस्कृति, धार्मिक, आध्यात्मिक परंपराएं और रीत रिवाज भी हैं। नींबू मिर्ची कब हटेगी इस बारे में मैं यही कहना चाहूंगा कि देश के प्रधानमंत्री उचित सयम पर राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए उचित समय पर हमेशा उचित निर्णय लेते रहे हैं, जिमसें पाकिस्तान में घुस कर सर्जिकल स्ट्राइक की गई थी. तब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को पता नहीं चला था, तब तक पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक करके हमारे कमांडो देश में वापस आ गए थे। ये चीजें चिल्ला कर नहीं होती हैं। इसी का नाम कूटनीति है।

काशी में डीएम रहे IAS कौशल राज शर्मा बुलाए गए दिल्ली

महानगर संवाददाता

लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की काशी में जिलाधिकारी और कमिश्नर दोनों रहे आईएएस कौशल राज शर्मा दिल्ली बुला लिए गए हैं। दस दिन पहले ही उनका वाराणसी से तबादला लखनऊ करते हुए सीएम योगी ने अपना सचिव बनाया था। लखनऊ आने के एक पखवारे के अंदर ही उनकी जिम्मेदारी बदलने का फरमान आ गया है। कौशल राज शर्मा को प्रतिनियुक्ति पर एजीएमयूटी कैडर में बुलाया गया है। माना जा रहा है कि दिल्ली में उन्हें बहुत बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। उन्हें फिलहाल तीन साल के लिए प्रतिनियुक्ति मिली है। 2006 बैच के अफसर कौशल शर्मा की नजदीकियां पहले से पीएमओ से रही हैं। यूपी में भाजपा की सरकार आते ही कौशल राज शर्मा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की जिम्मेदारी देते हुए वहां का डीएम बनाया गया था। इसी बीच एक बार उनका तबादला प्रयागराज में कमिश्नर के पद पर कर दिया गया। वह प्रयागराज जाते, तबादला आदेश संशोधित हो गया।

आगरा में लूट के आरोपित के एनकाउंटर को अखिलेश यादव ने बताया फर्जी

महानगर संवाददाता

लखनऊ

आगरा में बालाजी ज्वैलर्स में लूट और दुकान के मालिक की हत्या में शामिल मुख्य आरोपी अमन को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया है। जबकि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वारदात में शामिल तीसरे आरोपी की तलाश पुलिस कर रही है। आगरा में हुए एनकाउंटर पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सवाल उठाया और इसे फर्जी बताया है।

अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि आगरा से एक कार्यकर्ता का फोन आया तो जानकारी हुई की सरकार के लोगों ने उसका गलत नाम चलवाया है. अखिलेश यादव ने कहा कि जो सरकार एनकाउंटर कर रही हो और उसका असली नाम न पता हो वह फर्जी एनकाउंटर है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि ये सरकार जाति विशेष खासकर समाजवादियों को, किसान भाई कह रहे की उन्हें पीड़ा है। अखिलेश यादव ने कहा कि जिसके शरीर में पीड़ा है उसके साथ पीडीए है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि जाति विशेष को बदनाम करने के लिए जानबूझकर नाम चलवाया गया है।

सपा नेता कहा कि जब हमने वहां के लोकल पत्रकारों से पूछा कि ये नाम क्यों चलवाया गया तो पत्रकारों ने बताया कि पुलिस के हैंडल से ट्वीट किया गया था। जब प्रेस के लोगों से इसका स्क्रीनशॉट मांगा गया तो उन्होंने इसे मौखिक बताया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि पुलिस के बड़े अधिकारी ने पत्रकारों के सामने उसे संबोधित किया था। अखिलेश यादव ने कहा कि जिसे असली नाम नहीं पता है ऐसे अधिकारी को तत्काल निलंबित कर देना चाहिये। जो बदनाम करना चाहता है। ये आपराधिक कृत्य है। उन्होने पत्रकारों को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि जिन पत्रकारों ने पहले नाम फ्लैश किया और बाद हटा दिया।

सीओ अनुज चौधरी के होली-जुमा बयान की फिर जांच शुरू

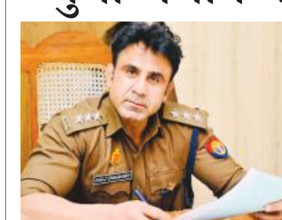

संभल। जिले में सीओ रहे अनुज चौधरी पर होली और जुमा वाले बयान को लेकर लगे आरोपों की जांच फिर से शुरू हो गई है। आज़ाद अधिकार सेना के अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने एएसपी कार्यालय पहुंचकर अपना विस्तृत पक्ष रखा। एएसपी डॉ. श्रीशचंद्र की अनुपस्थिति में उन्होंने कार्यालय कर्मियों के माध्यम से 33 पृष्ठों का लिखित बयान सौंपा। इसमें छह प्रमुख बिंदुओं पर आरोप लगाए गए हैं। अमिताभ ठाकुर ने सीओ अनुज चौधरी पर वर्ग वैमनस्य फैलाने, धार्मिक गतिविधियों में शासकीय वर्दी का उपयोग करने, वर्दी में मंदिरों की सफाई करने, सार्वजनिक रूप से धार्मिक प्रतीकों का प्रदर्शन करने और सोशल मीडिया नीति व शासनादेशों के उल्लंघन जैसे आरोप लगाए हैं। उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में वीडियो, स्क्रीनशॉट और अन्य साक्ष्य भी प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि एक पुलिस अधिकारी द्वारा वर्दी में धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेना और मंचों से धार्मिक बातें कहना शासकीय मर्यादा का उल्लंघन है।

हनुमानगढ़ी से रामलला तक बनेगा 'बजरंग पथ'

महानगर संवाददाता

अयोध्या

रामनगरी अयोध्या के श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए योगी सरकार ने एक और बड़ी सौगात की घोषणा की है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को और भी भव्य रूप देने की दिशा में लगातार कार्य हो रहे हैं. अब इसी क्रम में अयोध्या में हनुमानगढ़ी से श्रीराम जन्मभूमि पथ तक एक नया कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिसे 'बजरंग पथ' नाम दिया गया है. यह पथ करीब 290 मीटर लंबा होगा और श्रद्धालुओं की यात्रा को और सुगम तथा दिव्य बनाएगा.

रामभक्तों को मिलेगी सहूलियत

बजरंग पथ का आरंभ हनुमानगढ़ी मंदिर के निकास द्वार से होगा और यह सीधे रामलला के जन्मभूमि दर्शन पथ से जुड़ेगा. इस पथ के बनने से 'भक्ति पथ' और 'जन्मभूमि पथ' के बीच सीधा संपर्क स्थापित हो जाएगा, जिससे अयोध्या आने वाले रामभक्तों को दर्शन यात्रा में सहूलियत मिलेगी. यह पथ न केवल भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है, बल्कि यह अयोध्या के धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा।

राम मंदिर का निर्माण तेज

गौरतलब है कि हनुमानगढ़ी, अयोध्या का प्रमुख मंदिर है, जहां लाखों श्रद्धालु हनुमानजी के दर्शन के लिए आते हैं. वहीं रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से अंतिम चरण में है और पिछले वर्ष की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हिस्सा लिया था. तब से अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। योगी सरकार अयोध्या को वैश्विक धार्मिक व सांस्कृतिक धरोहर के रूप में विकसित करने के लक्ष्य पर काम कर रही है।

करंट से पति-पत्नी और ससुर की मौत

महानगर संवाददाता

वाराणसी

करंट से पति-पत्नी और ससुर की मौत हो गई। हादसा कैंट इलाके के भोजूबीर सब्जी मंडी के पास एक घर में मंगलवार की सुबह हुआ। महिला कपड़े धुलने के बाद उसे तार पर फैलाने गई थी। इस दौरान वह वायर में उतरे करंट की चपेट में आ गई। बहू को बचाने के लिए पहुंचे ससुर भी तार से चिपक गए। इसके बाद दोनों को बचाने पहुंचे युवक को भी करंट लग गया।

स्थानीय लोगों ने इलेक्ट्रीशियन को बुलवा कर सप्लाई कटवाई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पर डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ली। भोजूबीर सब्जी मंडी के पास राजन जायसवाल (60) परिवार के साथ रहते थे। परिवार में बेटा सोनू (30) और उसकी पत्नी प्रीति जायसवाल (28) भी थे। सोनू की फास्ट फूड की दुकान थी। राजन बेकरी की दुकान पर काम करते थे। जबकि प्रीति घर पर रहती थी। स्थानीय निवासी अनूप ने बताया कि मंगलवार सुबह प्रीति जायसवाल ने नहा-धोकर कपड़े धुले। इसके बाद उसे बाहर लगे जीआई तार पर फैलाने के लिए चली गईं। ससुर राजन जायसवाल ने बहू को इस हालत में देखा तो वह उसे बचाने पहुंच गए। इससे वह भी करंट की चपेट में आ गए। इसके बाद सोनू पिता और पत्नी को बचाने पहुंचा, लेकिन करंट की चपेट में आकर वह भी झुलस गया।

यूपी में चली IPS अधिकारियों की तबादला एक्सप्रेस

महानगर संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियो का तबादला हुआ है। तबादले की हालिया सूची में गोरखपुर से गौतमबुद्धनगर तक के अफसरों का नाम शामिल है। अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज और राजधानी लखनऊ में भी अफसरों का ट्रांसफर हुआ है। जिन अफसरों का तबादला हुआ है उसमें नीरा रावत अपर पुलिस महानिदेशक यूपी 112 लखनऊ, प्रशांत कुमार द्वितीय अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, केएस इमैन्युअल पुलिस महानिरीक्षक आर्थिक अपराध संगठन,लखनऊ, उपेंद्र कुमार अग्रवाल पुलिस महानिरीक्षक

लखनऊ परिक्षेत्र, रोहन पी. कनय पुलिस उपमहानिरीक्षक पीटीसी गोरखपुर, राजीव नारायण मिश्र को अपर पुलिस आयुक्त पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर नवीन तैनातियां मिली हैं।

इसके साथ ही शिवहरि मीणा पुलिस उपमहानिरीक्षक तकनीकी सेवाएं, मुख्यालय, सत्येंद्र कुमार पुलिस उपमहानिरीक्षक पीटीएस मेरठ, राजेश कुमार सक्सेना पुलिस उपमहानिरीक्षक सुरक्षा मुख्यालय लखनऊ और विकास कुमार वैद्य को पुलिस उपमहानिरीक्षक, उप निदेशक यूपी पुलिस अकादमी मुरादाबाद की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही मोहित गुप्ता सचिव गृह, अजय कुमार साहनी पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र, वैभव कृष्णा पुलिस उपमहानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र, अभिषेक सिंह पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र, राज करन नैय्यर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर, गौरव ग्रोवर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या, संजय कुमार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर, अनूप कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक फतेहपुर आदि का तबादला हुआ है।

पर्यटन नीति में शामिल होंगे प्रयागराज के उद्यमियों के सुझाव

महानगर संवाददाता

प्रयागराज

उप्र पर्यटन नीति-2022 के जरिए उप्र में एक ट्रिलियन इकोनॉमी को साधने के लिए अप्रैल के अंतिम सप्ताह में प्रचार-प्रसार के लिए अभियान का आगाज हुआ था। इसके अंतर्गत प्रयागराज में भी शहर के उद्यमियों को आमंत्रित करके कार्यशाला आयोजित हुई थी। जिन उद्यमियों ने कार्यशाला में सहभागिता की थी, उन सभी को पर्यटन विभाग के लखनऊ मुख्यालय से जोड़ने का निर्णय लिया है। इसी को देखते हुए मुख्यालय से उद्यमियों को फोन करके कॉन्टैक्ट नंबर, होटल का नाम व ईमेल आईडी मांगी जा रही है। प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम के निर्देश पर उद्यमियों को सप्ताह में एक दिन मुख्यालय से फोन कराया जाएगा। जिसमें बैंक्वेट हॉल, ढाबा संचालन करने की शुरुआत और नीतियों से नए उद्यमियों को दिए जाने वाले लाभ के संबंध में जानकारी दी जाएगी। उद्यमियों को होने वाली परेशानियों का समाधान का तौर तरीका भी बताया जाएगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि महाकुम्भ के बाद धार्मिक व आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत संभावनाएं पैदा हुई हैं।

झाड़-फूंक के नाम पर ठगी

महानगर संवाददाता

गोंडा

जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के धर्मपुरवा में स्थित हजरत गुप्ती शहीद शाह र.उ. सेवा समिति दरगाह पिछले सात सालों से अंधविश्वास का अड्डा बनी हुई है। यहां झाड़-फूंक के नाम पर गंभीर बीमारियों को ठीक करने का दावा किया जाता है, लेकिन इसी अंधविश्वास ने 18 वर्षीय किशोरी कविता की जान ले ली। कविता की मौत ने दरगाह की सच्चाई को उजागर कर दिया है, जहां कमेटी के अध्यक्ष एखलाख अहमद, राजू और एक अन्य व्यक्ति द्वारा झाड़-फूंक के बहाने लोगों को ठगा जा रहा है।

दरगाह पर कमेटी के लोग बुखार, कैंसर, पेट दर्द, सीने में दर्द, सिर दर्द से लेकर बच्चा पैदा होने जैसी समस्याओं को ठीक करने का दावा करते हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां आने वाले मरीजों की आर्थिक स्थिति देखकर 50 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक के ताबीज बेचे जाते हैं. यह ताबीज कथित तौर पर बीमारियों को जड़ से खत्म करने का वादा करते हैं, लेकिन हकीकत में यह महज ठगी का जरिया है। 17 साल की कविता तेज बुखार से पीड़ित थी. कई दिनों तक इलाज के बावजूद जब उसका बुखार नहीं उतरा, तो परिवार ने दरगाह का रुख किया. परिजनों के अनुसार, कविता को तीन दिनों तक दरगाह पर झाड़-फूंक के लिए रखा गया, लेकिन उसकी हालत बिगड़ती चली गई. और उसने वहीँ दम तोड़ दिया.कविता की मौत के बाद वहां हड़कम्प मच गया और दरगाह के कर्ताधर्ता फरार हो गए, और पुलिस ने कविता के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

कार और बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत

बिजनौर। मोटा महादेव-भागूवाला बाईपास तिराहे पर कार और बाइक की भिड़ंत में पांच लोग घायल हो गए। बाइक सवार दो युवकों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। वहीं घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

भागूवाला-मोटा महादेव बाईपास तिराहे पर मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे हरिद्वार की ओर से आ रही कार की बाइक से भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार शिवाला कला थाना क्षेत्र के गांव उमरा निवासी वैभव (24) और प्रियम (23) गंभीर रूप से घायल हो गए। एंबुलेंस से दोनों घायलों को समीपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर वैभव और प्रियम की मौत हो गई। पुलिस को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, कार में सवार बडाई खेड़ा जिला बदायूं निवासी दीपक, लोटन, मनोज, ईसा और कृष घायल हो गए। घायलों का मंडावली अस्पताल में उपचार चल रहा है।

काशी में विदेशी पर्यटक चर्च के ऊपर चढ़ा

वाराणसी। वाराणसी जिले में गिरजाघर स्थित चर्च के ऊपर एक विदेशी पर्यटक मंगलवार को चढ़ गया। कड़ी मशक्कत के बाद उसे उतारा गया। पूछताछ में उसने बताया कि फरवरी में वह महाकुंभ मेले में गया, वहां से अयोध्या फिर काशी आया। यहां किसी होटल में रुका हुआ है। पुलिस के अनुसार नशे में होने के चलते वह गिरजाघर के ऊपर चढ़ा था। उसने पूछताछ में अपना नाम एलेक्सजेंडर बताया है। चर्च से उसको उतारने के लिए फायर ब्रिगेड के जवान पहुंचे और उसे सकुशल गिरजाघर के ऊपर से उतार कर नीचे ले आए। पुलिस ने बताया कि एक एक व्यक्ति गिरजाघर के ऊपर चढ़ गया था।

17 जिलों में निजी भागीदारी के सहयोग से बनेंगे पार्किंग स्थल

महानगर संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के नगरीय निकायों में निजी भागीदारी से विभिन्न सुविधाओं से लैस पार्किंग स्थलों की स्थापना से संबंधित एक प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये इस निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में 'उत्तर प्रदेश नगर निगम नियमावली-2025 को लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

एके शर्मा ने बताया कि शहरीकरण की प्रवृत्ति बढ़ने की वजह से वाहनों की संख्या भी निरंतर बढ़ रही है, जिसके मद्देनजर पार्किंग स्थलों की हर जगह कमी हो रही है। पार्किंग की मांग को नियोजित करने और पार्किंग व्यवस्था से राजस्व हासिल करने के लिये एक नियमावली बनाई गयी है। मंत्री ने बताया कि नियमावली के मुताबिक हर नगरीय निकाय क्षेत्र में एक पार्किंग प्रबंधन समिति बनायी जाएगी, जो पार्किंग की जगह को चिह्नित करेगी और निजी-सार्वजनिक भागीदारी के तहत उस पार्किंग को विकसित करायेगी। पार्किंग में इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने और अन्य कई सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पार्किंग के शुल्क से होने वाली आमदनी में निकाय की हिस्सेदारी भी होगी और निजी पक्ष के साथ पांच वर्ष के लिये अनुबंध किया जाएगा। यह पार्किंग सरकारी के साथ-साथ निजी जमीनों पर भी विकसित की जा सकेगी।

मेडिकल कॉलेज की सीनियर महिला रेजिडेंट से डॉक्टर ने किया रेप

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के एक डॉक्टर पर महिला डॉक्टर ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है. महिला कानपुर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में सीनियर रेजिडेंट के पद पर कार्यरत है. आरोप है कि शादी का दबाव बनाने पर डॉक्टर ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद में उसका नंबर भी ब्लॉक करके बुलंदशहर भाग गया. महिला की ओर से कानपुर के चकेरी थाने में शिकायत दी गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

महिला डॉक्टर ने पुलिस को बताया कि वह जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में सीनियर रेजिडेंट के पद पर है. करीब ढाई साल पहले उसकी मुलाकात बुलंदशहर खुर्जा निवासी ऑर्थो में तैनात डॉ. अभिषेक भास्कर से हुई थी. अभिषेक ने खुद को अविवाहित बताते हुए उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया. करीब 2 साल पहले आरोपी ने उसे पढ़ाई के विषय में बातचीत करने के बहाने अपने कमरे में बुलाया और उससे शारीरिक संबंध बनाएं पीड़िता ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपी ने शादी करने की बात कही. कुछ समय बीतने के बाद जब उसने अभिषेक पर शादी का दबाव बनाया तो उसने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी. इसके साथ ही है उसे अक्सर सबके सामने बेइज्जत करता है। महिला का आरोप है कि आरोपी ने अपने माता-पिता के कहने पर उसका नंबर ब्लॉक कर दिया और कानपुर से भाग कर अपने शहर खुर्जा बुलंदशहर चला गया. इस पूरी घटना के बाद से वह मानसिक रूप से काफी ज्यादा परेशान होकर डिप्रेशन में चली गई है।

लखनऊ में LDA की विश्राम नगर योजना में सस्ते घर खरीदने का मौका

महानगर संवाददाता

लखनऊ

लखनऊ विकास प्राधिकरण अपनी विश्राम नगर योजना में 2502 आवासीय भवनों का रजिस्ट्रेशन अगले माह से खोलने जा रहा है. इसके अंतर्गत देवपुर पारा के कबीर नगर में निर्मित किये जा रहे ईडब्ल्यूएस, एलआईजी व एमएमआईजी भवन लोगों के लिए उपलब्ध होंगे. प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने सोमवार को अधिकारियों के साथ बैठक करके योजना को लांच करने के सम्बंध में जरूरी दिशा-निर्देश दिये. इन फ्लैट के दाम तय करने के लिए कास्टिंग विभाग में फाइल चल रही है. जल्द ही दाम भी फाइनल कर दिए जाएंगे जो कि आम व्यक्तियों की पहुंच में होंगे.

एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि देवपुर पारा के कबीर नगर में प्राधिकरण द्वारा पूर्व में 608 एसएमआईजी व 912 एमआईजी भवन निर्मित किये गये हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं. इस योजना को विश्राम नगर का नाम दिया गया है. अब इस योजना में 1832 ईडब्ल्यूएस, 214 एलआईजी व 456 एमएमआईजी श्रेणी के नई बहुमंजिला आवासीय बिल्डिंग निर्मित किये जा रहे हैं, जिनका कार्य अंतिम चरण में है।

लगभग 32 वर्गमीटर से 55 वर्गमीटर क्षेत्रफल के यह भवन कम आय वर्ग वाले लोगों के बजट में होंगे. यहां बच्चों के लिए पार्क व व्यस्कों के लिए ओपन जिम आदि की सभी सुविधाएं होंगी. भवनों के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा गया है. जिससे यहां रहने वाले लोगों को किसी भी तरह की कोई असुविधा नहीं होगी. योजना को आम लोगों के लिए जल्द से जल्द खोलने के उद्देश्य से सोमवार को सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक की गई. इसमें जून, 2025 से भवनों का रजिस्ट्रेशन खोलने के निर्देश दिये गये हैं, जिसके लिए इस माह के अंत तक सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। पहले आओ-पहले पाओः अभियंत्रण जोन-3 के अधिशासी अभियंता संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि योजना में एसएमआईजी व एमआईजी के कुल 1520 भवन निर्मित हैं।

जो पानी भारत का है, वह अब भारत के ही काम आएगा : पीएम

देश की जल नीति में बदलाव के संकेत

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ रहे तनावपूर्ण माहौल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जल संरक्षण को लेकर बड़ा बयान दिया। पीएम मोदी ने कहा, "जो पानी भारत का है, वह अब भारत के काम आएगा। पहले जो पानी देश से बाहर चला जाता था, अब उसे यहीं रोका जाएगा और देश की जरूरतों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।" पीएम मोदी का यह बयान पाकिस्तान के लिए कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

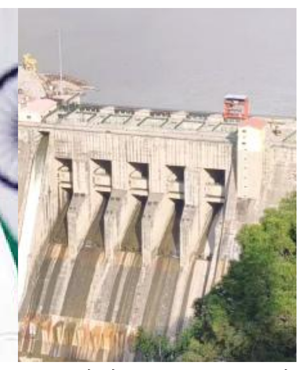

प्रधानमंत्री मोदी ने यह बयान नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान दिया, उन्होंने इस पर कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी कि यह पानी किस दिशा में, किस देश में जाता था या इसे रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि पाकिस्तान के साथ हालिया तनाव को देखते हुए माना जा रहा है कि पीएम मोदी ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। इस बयान को देश की जल नीति में एक संभावित बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। जानकारों का मानना है कि यह कदम सिंधु जल संधि जैसे समझौतों की ओर इशारा है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे बैंकिग सेक्टर, जो इकॉनमी की रीढ़ होता है। पहले ऐसी कोई समिट नहीं होती थी, जो बैंकों के घाटे पर बात किए बिना पूरी हो जाए। बैंक पहले पूरी तरह से बर्बाद होने की कगार पर पहुंच गए थे। आज भारत का बैंकिंग सेक्टर दुनिया के सबसे मजबूत सिस्टम में से एक है। हमारे बैंक प्रॉफिट में हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे देश के पूर्व पीएम ने माना था कि अगर सरकार 1 रुपये किसी गरीब को भेजती है तो 85 रुपये लुट जाते हैं। सरकारें बदलती रहीं, लेकिन गरीब को पूरा पैसा मिले, इस दिशा में कोई काम ही नहीं हुआ। अगर दिल्ली से 1 रुपया निकले तो पूरा का पूरा गरीब के खाते में पहुंचना चाहिए। इसके लिए हमने बैंकिंग सिस्टम को मजबूत किया।

आतंकी हमले की इंटेलिजेंस रिपोर्ट के आधार पर रद्द किया गया पीएम का कश्मीर दौरा : खड़गे

महानगर नेटवर्क

रांची

कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया है कि पीएम नरेंद्र मोदी का कश्मीर दौरा आतंकी हमले की इंटेलिजेंस रिपोर्ट के आधार पर रद्द किया गया था। उन्होंने रांची में एक कार्यक्रम में यह सवाल किया कि केंद्र ने आतंकी हमले पर खुफिया रिपोर्ट होने के बाद भी पहलगाम में अधिक सुरक्षा कर्मी तैनात क्यों नहीं किए थे?

इस दौरान उन्होंने यह भी सवाल किया कि जब केंद्र ने खुफिया नाकामी स्वीकार की है तो क्या पहलगाम हमले में लोगों की मौत के लिए उसे जवाबदेह नहीं ठहराया जाना चाहिए। हालांकि मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी कार्रवाई के लिए सरकार के साथ खड़ी है, देश पार्टी से ऊपर है।

खड़गे ने अपने भाषण में पीएम नरेंद्र मोदी पर यह भी आरोप लगाया कि उनकी सरकार की नीति सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों को बंद करने और एससी, एसटी तथा ओबीसी समुदायों से नौकरियां छीनने की है जबकि कांग्रेस पार्टी भारत के लिए, गरीब जनता के लिए, आदिवासियों के लिए लड़ती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सिर्फ जुमलों में विश्वास रखती है। वहीं मरांडी ने कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, 'खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना सुरक्षा एजेंसियों का मनोबल गिराने के इरादे से की है। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब आतंकवाद और पाक के खिलाफ लड़ाई निर्णायक चरण में है।

बयान दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ादायक : रविशंकर प्रसाद

भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर कहा, "मल्लिकार्जुन खरगे क्या-क्या बोल रहे हैं? वे एक तरफ मीटिंग में कहते हैं कि हम देश के साथ खड़े हैं और दूसरी तरफ देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इस समय प्रधानमंत्री मोदी के बारे में ऐसा कहना कि वे कश्मीर नहीं गए क्योंकि उन्हें पता था कि हमला होने वाला है। इससे बड़ा कोई गैर जिम्मेदाराना वक्तव्य नहीं हो सकता है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ादायक है।"

एमपी में भी बालिकाओं ने मारी बाजी

महानगर नेटवर्क

भोपाल

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (MPBSE) ने 2025 की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं। बोर्ड ने नतीजों की घोषणा के साथ दोनों कक्षाओं में विद्यार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत और टॉपर्स के नामों की भी घोषणा की है। टॉपर लिस्ट में प्रदेश के विभिन्न जिलों के मेधावी छात्रों ने अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। इस साल 10वीं का पास प्रतिशत 76.22% रहा। इंटरमीडिएट का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 74.48% रहा। कक्षा 10वीं में प्रज्ञा जायसवाल ने टॉप किया है। वहीं, 12वीं में प्रियल द्विवेदी ने टॉप किया है। दोनों ही कक्षाओं में छात्राओं का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा। छात्रों की तुलना में छात्राओं ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इस खबर में नीचे दोनों कक्षाओं की टॉपर लिस्ट दी गई है।

सड़क हादसे में एक जवान सहित चार लोगों की मौत

महानगर नेटवर्क

पुंछ

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के गनी मेंढर इलाके में बस दुर्घटना में दो यात्रियों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। घायलों को सेना के जवानों और पुलिस ने तुरंत बचा लिया और मेंढर के उप-जिला अस्पताल पहुंचाया। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार सुबह एक निजी यात्री बस सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में एक जवान समेत चार लोगों की मौत हो गई जबकि 44 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हादसे पर शोक जताते हुए

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने राहत कार्यों की निगरानी के लिए अपने मंत्री और मेंढर के विधायक जावेद अहमद राणा को घटनास्थल पर भेजा। बालासोर के सहायक अग्निशमन अधिकारी समीर कुमार बिसाल ने कहा, "बस जलेश्वर से बालासोर आ रही थी।

खाई में गिरा सेना का वाहन, दो जवानों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना का वाहन खाई में गिरने से दो सैनिकों की मौत हो गई। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के पास एक वाहन के खाई में गिरने से दो सैनिकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जिस सेना के वाहन में वे यात्रा कर रहे थे, वह करनाह के टीटवाल इलाके में रेयाला मुरचाना रोड पर एक खाई में गिर गया। अधिकारियों ने बताया कि दो सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए और उन्हें यहां सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

साबरमती ट्रेन जलाने के दोषियों की याचिका खारिज : SC

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन जलाने के दोषियों की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें दो जजों की पीठ ने उनकी अपील पर सुनवाई करने पर आपत्ति जताई थी। याचिका में कहा गया कि दो जजों की पीठ उनकी अपील पर सुनवाई नहीं कर सकती क्योंकि यह मामला मौत की सजा से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं के वकील संजय हेगड़े ने जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ के समक्ष लाल किला आतंकी हमले में मोहम्मद आरिफ उर्फ अशरफ को मौत की सजा देने के मामले का उल्लेख किया। सुनवाई में कहा गया था कि तीन जजों की पीठ ही मौत की सजा से जुड़े मामलों की सुनवाई कर सकती है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर कहा कि तीन जजों की पीठ उन्हीं मामलों पर सुनवाई कर सकती है, जिनमें हाई कोर्ट ने मौत की पुष्टि कर दी हो। जस्टिस माहेश्वरी ने कहा कि गुजरात हाई कोर्ट ने इस मामले में 11 दोषियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। इस मामले में सिर्फ ट्रायल कोर्ट ने ही मौत की सजा सुनाई है। ऐसे में इस मामले में दो जजों की पीठ सुनवाई कर सकती है।

दिल्ली के IGI एयरपोर्ट पर इमरजेंसी की घोषणा

- विमान में सवार थे 425 यात्री

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (IGI) हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लगा दी गई। मंगलवार दोपहर करीब 3:50 बजे बैंकॉक से मॉस्को जा रही एयरोफ्लोट फ्लाइट SU 273 के केबिन से धुआं निकलने की सूचना के बाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी की घोषणा की गई। ये जानकारी दिल्ली एयरपोर्ट के सूत्रों ने दी।

सूत्रों के अनुसार, बैंकॉक से मॉस्को जा रही एयरोफ्लोट फ्लाइट SU 273 में करीब 425 यात्री सवार थे। केबिन से धुआं निकलने की घटना के बाद विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशलन एयरपोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था पहले ही कड़ी कर दी गई थी। मंगलवार को विमान में निकलते धुएं को देखकर इमरजेंसी की घोषणा की गई। बता दें कि कल राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देशभर के कुल 259 जगहों पर मॉक ड्रिल की जाएगी। इस दौरान राष्ट्रव्यापी सुरक्षा तैयारी अभ्यास में भाग लिया जाएगा। यह अभ्यास मुख्य रूप से हवाई हमले के सायरन और ब्लैकआउट जैसी स्थितियों के लिए पहली प्रतिक्रिया के अभ्यास और प्रशिक्षण पर केंद्रित होगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर

यह अभ्यास ऐसे समय में किया जा रहा है जब 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। 1971 के बाद से यह अपनी तरह का पहला अभ्यास है। मंगलवार को गृह सचिव गोविंद मोहन ने 7 मई को होने वाले राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल से पहले देश भर में नागरिक सुरक्षा तैयारियों का आकलन और समन्वय करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्य सचिव और नागरिक सुरक्षा प्रमुख शामिल हुए, जिसमें 2010 में अधिसूचित 244 नामित नागरिक सुरक्षा जिलों पर विशेष ध्यान दिया गया।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिजनों को अनुग्रह राशि

गुवाहाटी। असम सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए सभी लोगों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने घोषणा की है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कहा कि असम मंत्रिमंडल ने पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए सभी 26 लोगों के परिजनों को पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने सोमवार देर रात तक छह घंटे तक कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। इस निर्णय की जानकारी मंगलवार को मीडिया को दी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि मैंने पहले ही पीड़ित के परिवारों को एक छोटी सी सहायता राशि देने की घोषणा की थी। असम मंत्रिमंडल ने सोमवार रात को सहायता देने की मंजूरी दे दी।

पोप चुनाव में 71 देशों के 133 कार्डिनल लेंगे भाग, कान्क्लेव आज से

महानगर नेटवर्क

वेटिकन सिटी

नए पोप के चुनाव के लिए आज से कान्क्लेव शुरू होगी। ऐसा कोई नियम नहीं है कि कार्डिनल राष्ट्रीयता या क्षेत्र के हिसाब से मतदान करें, लेकिन भौगोलिक लिहाज से उनके दृष्टिकोण को समझने से उनकी प्राथमिकताएं पता चलती हैं। यही कारण है कि दुनियाभर के 140 करोड़ कैथोलिक के नए पोप का चुनाव भौगोलिक विविधता के लिहाज से ऐतिहासिक होगा।

फिलहाल 71 देशों में 80 वर्ष से कम उम्र के 135 कार्डिनल हैं, जिनमें से दो ने स्वास्थ्य कारणों के चलते मतदान से इन्कार कर दिया है। यानी अब 133 कार्डिनल चुनाव में पहुंचेंगे और बहुमत के लिए दो-तिहाई यानी 89 वोट की जरूरत होगी। इटली में सर्वाधिक 17 कार्डिनल हैं, जिसके

बाद अमेरिका (10), ब्राजील (7), फ्रांस और स्पेन (5), अर्जेंटीना, कनाडा, भारत, पोलैंड और पुर्तगाल में चार-चार कार्डिनल हैं। अब इन्हें क्षेत्र के मुताबिक अलग किया जाए, तो वेटिकन के आंकड़ों के अनुसार, यूरोप के 53 कार्डिनल हैं और एक के बीमार होने से मतदान में 52 हिस्सा लेंगे। इसके बाद एशिया से 23, अफ्रीका के 18 में एक की खराब तबीयत के बाद 17, दक्षिण अमेरिका के 17, उत्तरी अमेरिका के 16, मध्य अमेरिका के चार और ओसियनिया के चार कार्डिनल हैं।

भारत की कूटनीति के सामने पाकिस्तान ने फिर मुंह की खाई : अकबरुद्दीन

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बंद कमरे में बैठक पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने मंगलवार को कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय में आज पाकिस्तान की वास्तविक स्थिति यह है कि कोई भी देश उसकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता और न ही उसके परमाणु हथियार और सिंधु जल समझौते के निलंबन पर हमले की धमकी का भारत पर कोई असर होता है।

अकबरुद्दीन ने कहा, बहुपक्षीय संगठनों का इस्तेमाल करके दुनिया का ध्यान आकर्षित करने का

पाकिस्तान का प्रयास नया नहीं है। हमने इसे काई बार देखा है। इस बार उसने 60 वर्षों में पहली बार एक ऐसे एजेंडा पेश करने की कोशिश की, जिस पर पहले कभी चर्चा नहीं हुई थी। वह है भारत-पाकिस्तान सवाल। भारत-पाकिस्तान सवाल पर आखिरी बार औपचारिक चर्चा 1965 में हुई थी। पाकिस्तान ने सोचा कि इसके जरिए वह भारत-पाकिस्तान के मुद्दे को फिर से अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाकर चर्चा का विषय बना सकता है। लेकिन यह केवल एक दिखावा था। पूर्व राजनयिक ने कहा, पाकिस्तान सार्वजनिक कूटनीति पर ज्यादा फोकस करता है। असल में वह इन मंचों का उपयोग अपने देश की छवि को सुधारने के लिए के लिए करता है, न कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर वार्ता के लिए। इसलिए उसका प्रयास विफल हो गया। दिखावा काम नहीं आया। सुरक्षा परिषद ने उसके मामले को स्वीकार ही नहीं किया। उन्होंने कहा, यह पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका है, जो महीनों से 15 देशों के साथ मिलकर इस मुद्दे पर काम कर रहा था। फिर पता चला कि जो वह चाहता है, उसे स्वीकार नहीं किया जा रहा है।

हमारे ग्राहक भारत की अग्रणी सार्वजनिक लिमिटेड निर्माण ठेका कंपनी हैं, जिन्हें मुंबई/ दिल्ली स्थित अपने प्रोजेक्ट हेतु तत्काल निम्न पदों के लिए आवश्यकता है

वॉक-इन साक्षात्कार • तत्काल चयन

दीर्घकालिक परियोजना पर नौकरी • उत्कृष्ट वेतन एवं सुविधाएं

निवास / परिवहन / चिकित्सा आदि की सुविधा उपलब्ध

शटरिंग बढ़ई

आरसीसी फिटर

8 से 15 वर्षों का अनुभव आवश्यक (भारत / खाड़ी देश में)

तत्काल पूर्ण विवरण के साथ संपर्क करें

SHREENATH & ASSOCIATES Since 1976

SHREENATH & ASSOCIATES

04, Daulat Sagar Society, 15th Nehru Road, Above Tiffany's & Surabhi Hotel, 55 Nehru Road, Santacruz (E), Mumbai. E-mail: info@sajobs.in

Call: Anand: 9322165299 • Office: 9167054440

REG.NO.210/BOM/PART/1000+3/248/84

Kulgaon Badlapur Municipal Council
E-Tender Notice No.18/2025-26
(2nd Call)

Kulgaon-Badlapur Municipal Council Invites E-Tenders for the Construction Work of Main Nallah's for Strom Water Management under Nagrothan Maha Abhiyan Scheme in Kulgaon Badlapur Area. The Estimated Cost of the work is Rs. 193.244 Cr.

Detailed information regarding the tender is available on the Municipal Council's website http://kbmc.gov.in, the government's website http://mahatenders.gov.in, and on the Municipal Council's Notice Board.

Chief Officer
Kulgaon Badlapur Municipal Council

इंडोनेशिया में भीषण सड़क हादसा, 12 लोगों की मौत

पडांग। इंडोनेशिया के पश्चिम सुमात्रा प्रांत में मंगलवार को दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। हादसा उस वक्त हुआ जब 34 यात्रियों को लेकर जा रही बस पहाड़ी से नीचे पलट गई। बस के अनियंत्रित होकर पलट जाने से कम से कम 12 यात्रियों की मौत हो गई जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने इस हादसे के बारे में जानकारी दी है।

पश्चिमी सुमात्रा यातायात पुलिस के निदेशक रेजा चैरुल अकबर सिदिक ने बताया कि बस उत्तरी सुमात्रा प्रांत के मेदान से इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता जा रही थी। इसी दौरान

पश्चिमी सुमात्रा के पडांग शहर में एक बस टर्मिनल के पास उसके ब्रेक में शायद खराबी आ गई। उन्होंने कहा कि पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। हादसे में जीवित बचे लोगों ने अधिकारियों को बताया कि ब्रेक में खराबी आने के बाद पडांग में कई खड़ी पहाड़ियों वाले क्षेत्र में चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

हिंदू लड़कियों के साथ रेप का अड्डा बने club90 पर चला बुलडोजर

महानगर नेटवर्क

भोपाल

भोपाल में चर्चित क्लब 90 को लेकर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए उसका अवैध हिस्सा ध्वस्त कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बयान देते हुए कहा कि क्लब का लीज निरस्त कर दी गई है और नगर निगम ने इसे अपने कब्जे में ले लिया है। कलेक्टर ने बताया कि क्लब 90 में कई अनियमितताएं पाई गई हैं। न तो क्लब के पास संचालन की परमिशन थी और न ही जीएसटी

रजिस्ट्रेशन। इसके अलावा भी कई कमियों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इन सभी पहलुओं की जांच के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है और आगे और भी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि क्लब90 को लेकर हाल ही में भोपाल में कुछ हिंदू लड़कियों के रेप और ब्लैकमेलिंग का गंभीर मामला सामने आया था, जिसके बाद से यह क्लब जांच के घेरे में आ गया था।

बता दें कि पीड़ित लड़कियों ने आरोप लगाया था कि आरोपी फरहान और उसके साथी उन्हें क्लब90 रेस्टोरेंट में ले जाकर नशा कराते थे और फिर दुष्कर्म करते थे। रेस्टोरेंट के पिछले हिस्से में पार्टीशन करके कमरे बनाए गए थे, जिनमें पलंग और कूलर की व्यवस्था थी। सोमवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने एक निजी कॉलेज और क्लब90 रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया था।

जाहीर नोटीस

सदर सोसायटीद्वारा सुचित किया जाता है की, **श्रीमती पुष्पा दिनेश परमार**, आधार कार्ड क्र. २०४६ १३७८ ४५४५, पॅन नं. AYDPP3545J यह फ्लॅट क्र. ७०१, बिल्डींग क्र. १०ए, साई स्नेहा (एसआरए) सह. गृह. संस्था मर्या., साईवाडी, एन. एस. फडके मार्ग, अंधेरी (पुर्व), मुंबई ४०००६९ क्षेत्रफळ मोजमाप २२५ चौ.फु. (चटई क्षेत्र) गुंदवली गाव का सीटीएस क्र. ४२७/१ से ४२७/८ (सी), नोंदणी क्र. एमयुएम/एसआरए/एचएसजी/(टीसी)/ ११८७७/२०१० अंतर्गत नोंदणीकृत सदस्य है और उक्त फ्लॅट श्रीमती पुष्पा दिनेश परमार को पुर्व मुल मालिक के कानुनी वारीस होने से ता. ३१.१०.२०२३ को हस्तांतर क्र. २५, हस्तांतर करनेवाले नोंदणी क्र. १०६ और हस्तांतर करके लेनेवाले नोंदणी क्र. १४५ द्वारा प्राप्त हुआ है, भाग प्रमाणपत्र क्र. १०६, सदस्य नोंदणी क्र. १०६, प्रति ५०/- रु. अनुसार १० फुल्ली पेडअप शेअर समाविष्ट भाग **क्र. १०५१ से १०६०** (सभी समाविष्ट) के धारक है।

अभी उन्हें उक्त फ्लॅट खरेदीदार **श्री. अर्जुन धर्माजी गावडे** (आधार कार्ड क्र. २७५१ १७३४ ८०३१, पॅन नं. AKZPG4043N) इन्हें बेचना है और उन्होंने उक्त फ्लॅट खरेदी के लिए सहमती दर्शायी है।

तथा अगर कोईभी व्यक्तीको/व्यक्तीयोंको वारीस, करार, बिक्री, गहाणखत, कब्जा, भेटवस्तू, सामंजस्यका करार, भाडेपट्टा, उप-भाडेपट्टा, सुविधा, धारणाधिकार, शुल्क, ट्रस्ट, पॉवर ऑफ एटर्नी, न्यायलय का खटला अथवा अन्य कोईभी प्रकार का उक्त मालमत्ता तथा उसके शेअर सर्टीफीकेट संबधीत कोईभी दावा है, तो वह उनके दावे के संदर्भ में सहाय्यक दस्तावेज के साथ लिखीत स्वरुप में जाहीरात के तारीखसे १४ दिन के अंदर सोसायटी को सुचित करें, अन्यथा ऐसे दावे माफ किए, छोड दिए है यह माना जाएगा और उसके पश्चात प्राप्त दावों का विचार किए बिना सोसायटी उक्त फ्लॅट खरेदीदार के नाम हस्तांतरीत करेगी।

साई स्नेहा (एसआरए) सह. गृह. संस्था मर्या.

स्थळ: मुंबई | सही/-

दिनांक: ०७.०५.२०२५ | **अध्यक्ष / सचिव**

ठाणे महानगरपालिका, ठाणे

जाहिर नोटिस व आवाहन

डोंगर उतारावरील झोपडीधारकांसाठी

मुंब्रा प्रभाग समिती कार्यक्षेत्रातील भौगोलिक रचना पाहता मुंब्रा बायपास रस्त्यापासून ते मुंब्रा रस्त्यापर्यत डोंगराळ भागाचा परिसर आहे मुख्यत्वेकरुन दाटीवाटीच्या झोपडयांनी व्याप्त असा परिसर आहे आणि प्रत्येक चाळीची लेव्हल ही मुख्य रस्त्यापासून ते बायपास रस्त्यापर्यंत टप्प्याटप्प्याने उंचवटया भागावरती वाढत जाते. सदर चाळीमध्ये येणारे रस्ते अरुंद असून त्याचप्रमाणे दरवर्षीचा अनुभव पाहता पावसाळयामध्ये अतिवृष्टी झाल्यास मुंब्रा बायपास रस्त्यापासून पाण्याचा येणारा प्रवाह बऱ्याच ठिकाणचा उंचवटया भागाचा भरणीचा परिसर हा भुस्खलन होऊन खचला जातो. त्यामुळे सदर झोपडया व सदर रुम किंवा चाळी यांना अतिशय धोका निर्माण होतो. त्या ठिकाणी आणीबाणीच्या परिस्थितीमध्ये दाटीवाटीचा परिसर असल्यामुळे अग्निशमन केंद्राची मदत पोहोचण्यास देखील विलंब होतो. त्यामुळे आपल्याजिविताच्या सुरक्षिततेच्या दृष्टीकोनातून पावसाळा सुरु होण्यापूर्वी आपण अन्यत्र राहणेबाबत आवाहनात्मक प्रसिध्दी महापालिकेमार्फत करण्यात येत आहे. तरी आपण रहात असलेल्या झोपडयांचा वापर तात्काळ बंद करुन इतरत्र सुरक्षित निवासाचा पर्याय शोधावा. सदरची जाहिर सूचना नागरिकांच्या सुरक्षिततेच्या दृष्टीकोनातून प्रसिध्द करण्यात येत असून आपण रहात असलेल्या डोंगर उताराच्या पायथ्याशी / सखल भागात असलेल्या झोपडया / घरे तसेच नाले व गटारांच्या आसपास असलेली वस्तीचा वापर तात्काळ बंद करावा. अन्यथा, पावसाळयामध्ये दरड कोसळून व नाले तुडुंब भरुन वाहून मोठी जिवीत व वित्तहानी झाल्यास आपण सर्वस्वी जबाबदार राहाल व ठाणे महानगरपालिका, ठाणे यास जबाबदार राहणार नाही याची कृपया नोंद घ्यावी.

ठामपा/पिआरओ/मु.प्र.स/१९६/२०२५-२६ **सही/-**

दि.०६.०५.२०२५ सहाय्यक आयुक्त तथा पदनिर्देशित अधिकारी

Pls visit our oficial web-site मुंब्रा प्रभाग समिती कार्यालय,

www.thanecity.gov.in ठाणे महानगरपालिका, ठाणे

विक्ट्री डे से पहले रूस में यूक्रेनी हमले से बढ़ी हलचल

महानगर नेटवर्क

मॉस्को।

रूस के साथ जारी संघर्ष के बीच यूक्रेन ने रूस पर एक बड़ा ड्रोन हमला किया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि यूक्रेन ने रूस के करीब दर्जन भर इलाकों पर 100 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया, जिन्हें रूसी सेना ने बीच में ही रोक लिया। वहीं इस हमले के कारण मॉस्को के चारों बड़े हवाईअड्डों को अस्थायी रूप से उड़ानें रोकनी पड़ीं। इसके अलावा रूस के नौ अन्य क्षेत्रीय हवाईअड्डों पर भी कामकाज कुछ समय के लिए ठप हो गया।

बता दें कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब रूस 9 मई को विक्ट्री डे यानी नाजी जर्मनी पर जीत की वर्षगांठ मनाने की तैयारी कर रहा है। इस दिन रूस में बड़ा सार्वजनिक अवकाश होता है और कई विदेशी नेता भी मॉस्को पहुंचते हैं। वहीं राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस मौके पर 8 मई से 72 घंटे के लिए एकतरफा युद्धविराम की घोषणा भी की थी। रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी रोसावियात्सिया और रक्षा मंत्रालय के अनुसार यूक्रेनी ड्रोन हमले रूस-यूक्रेन सीमा से लगे क्षेत्रों और रूस के अंदर तक हुए। जहां कुर्स्क क्षेत्र में दो लोग घायल हुए, जबकि वोरोनिज क्षेत्र में कुछ क्षति की जानकारी मिली है।

वहीं दूसरी ओर रूस ने भी यूक्रेन के खारकीव शहर पर रातभर में 20 ईरानी-निर्मित शाहिद ड्रोन से हमला किया, जिसमें 4 लोग घायल हुए और शहर के सबसे बड़े बाजार बाराबाशोवा में आग लग गई। खारकीव क्षेत्र के अन्य इलाकों में भी ड्रोन और ग्लाइड बम से हमलों में 7 नागरिक घायल हुए। अमेरिका के लगातार प्रयास के बाद भी रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम को लेकर बात नहीं बन पा रही है। कारण है कि एक तरफ जहां यूक्रेन अमेरिका के 30 दिनों के युद्धविराम प्रस्ताव पर सहमति जताई, वहीं रूस ने युद्धविराम को लेकर अपनी शर्तें रख दी।

बुलेटप्रूफ जैकेट पहनकर घूम रहे शख्स को सुरक्षाबलों ने किया गिरफ्तार

श्रीनगर। सुरक्षाबलों ने बायसरन इलाके में एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा है। वह बुलेटप्रूफ जैकेट का कवर पहने हुए था, जिससे उस पर शक हुआ। यह जगह पहलगाम हमले की साइट के पास स्थित है। सुरक्षाबलों ने उसे तुरंत हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू कर दी है। इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की अपील की है। आज सुबह ही भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा (LoC) से एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया है। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति को सीमा पार करते समय गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह व्यक्ति सीमा पार आया या किसी नियोजित घुसपैठ की मंशा से। सेना और सुरक्षा एजेंसियां मिलकर इस घटना की व्यापक जांच कर रहे हैं।

आगे की कार्रवाई पूछताछ के आधार पर की जाएगी। सेना ने कहा कि किसी भी सुरक्षा चूक की संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। घटना के बाद LoC पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की घुसपैठ या सुरक्षा खतरे को जल्दी से रोका जा सके।

महावितरण — महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्या

ई-निविदा सुचना

कार्यकारी अभियंता म.रा.वि.वि.कं. मर्या चांदवड विभाग यांनी महावितरणतर्फे मान्यताप्राप्त ठेकेदारांकडून खालील कामाकरीता लखोटाबंद ई-निविदा मागविण्यात येत आहे.

अ.क्र.	निविदा क्र.	कामाचे स्वरूप	निविदा रक्कम रू.	बयाना रक्कम रू.
१	EE/CND/ T-02/2025-26	चांदवड विभाग अंतर्गत नादुरुस्त रोहित्र तसेच लाईन मटेरीअल वाहतुकीचे वार्षिक कामाकरीता.	१० लाख	१००००/-

सदरची निविदा संकेतस्थळावर भरण्याचा कालावधी दि. **०७.०५.२०२५ ते १५.०५.२०२५** रोजी २३. ०० वा पर्यंत. शक्य असलेस. निविदे बद्दलच्या संपूर्ण माहितीसाठी कंपणीच्या https://etender.mahadiscom.in/eatApp/ या वेबसाईटला भेट द्यावी.

PRO No - १३३/२०२५ कार्यकारी अभियंता, म.रा.वि.वि.कं. मर्या. चांदवड विभाग

धन लाभ के लिए आजमाएं वास्तु के ये 5 आसान उपाय

घर आएगी सुख-समृद्धि

आर्थिक तंगी दूर करने के लिए व्यक्ति कई प्रयास व उपाय करता है। वास्तु शास्त्र में धन की कमी को दूर करने के कुछ उपाय बताए गए हैं। मान्यता है कि वास्तु के कुछ नियमों का पालन करने से जीवन में सुख-समृद्धि के साथ खुशहाली का आगमन होता है। जानें धन लाभ के लिए आसान वास्तु उपाय-

तिजोरी का पिछला हिस्सा दक्षिण दिशा में

वास्तु के अनुसार, तिजोरी को हमेशा दक्षिण दीवार से थोड़ा आगे कम से कम एक इंच दूरी पर रखना चाहिए। इसके अलावा तिजोरी का पिछला हिस्सा दक्षिण दिशा और दरवाजा उत्तर दिशा में खुलना चाहिए।

ब्रह्म मुहूर्त में न करें पैसों का लेनदेन

धन संबंधी परेशानियों से मुक्ति करने के लिए ब्रह्म मुहूर्त व शाम के समय पैसों का लेनदेन नहीं करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

तिजोरी वाले कमरे में रोशनी का रखें ध्यान

वास्तु के अनुसार, तिजोरी के कमरे का दरवाजा पूर्व या उत्तर दिशा में होना शुभ होता है। ध्यान रखना चाहिए कि उत्तर दिशा में दरवाजे के सामने तिजोरी नहीं रखनी चाहिए। तिजोरी वाले कमरे में रोशनी का भी ध्यान रखना चाहिए। तिजोरी वाले कमरे में रोशनी के लिए पूर्व या उत्तर दिशा में एक छोटी खिड़की लगाना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से धन लाभ होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

तिजोरी की पूजा

जीवन में आर्थिक वृद्धि के लिए गुरुवार व शुक्रवार को तिजोरी की पूजा जरूर करनी चाहिए। इसके अलावा तिजोरी पर स्वास्तिक का निशान बनाना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और मां लक्ष्मी की कृपा से आर्थिक उन्नति होती है।

मोरपंख

अक्सर आपने लोगों के घरों में मोर पंख देखा होगा, लेकिन मोरपंख को पर्स में कभी भी नहीं रखना चाहिए। मान्यता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। घर में मोर पंख हमेशा खुली जगह पर ही रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार, पर्स में मोर पंख रखने से आर्थिक उन्नति नहीं होती है।

सनस्क्रीन पहले लगाएं या फिर फेस पाउडर?

स्किन केयर में क्लिंजिंग, टोनिंग के अलावा मॉइश्चराइजर और सनस्क्रीन को भी शामिल करनी चाहिए। हर रोज सनस्क्रीन लगाने से न सिर्फ धूप से होने वाली जलन से बचाव होता है, बल्कि यह आपकी स्किन को शांत रखने का काम करता है। सही तरह से सनस्क्रीन लगाई जाए तो हानिकारक किरणों से बचाव होता है, जो जलन का कारण बन सकता है। आजकल मार्केट में कई तरह के सनस्क्रीन मिलती हैं। जिन्हें आप अपनी स्किन टाइप के मुताबिक चूज कर सकती हैं। हालांकि, अक्सर महिलाएं इस बात को लेकर कंफ्यूज रहती हैं कि सनस्क्रीन पहले लगाएं या फिर फेस पाउडर? अगर आपको भी ये कंफ्यूजन है, तो इस आर्टिकल में समझिए क्या पहले लगाना चाहिए।

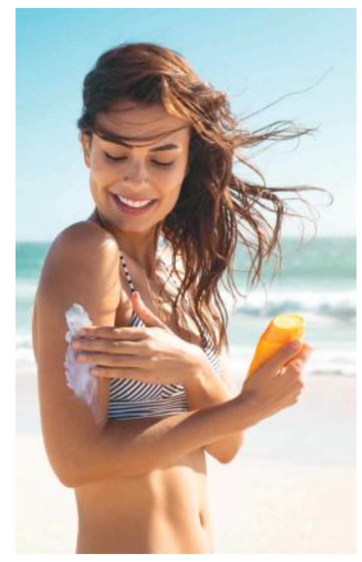

क्या लगाएं पहले?

अगर आप भी कंफ्यूज रहती हैं क्या पहले लगाएं तो आपको बता दें कि सनस्क्रीन को फेस पाउडर से पहले लगाना चाहिए। सनस्क्रीन आमतौर पर स्किनकेयर रूटीन का आखिरी स्टेप होता है और इसे क्लींजिंग और मॉइस्चराइजिंग के बाद लेकिन मेकअप से पहले लगाना चाहिए। मेकअप से पहले सनस्क्रीन लगाने से यह सुनिश्चित होता है कि वह ठीक से अवशोषित हो जाती है और ज्यादा बेहतर तरीके से स्किन को प्रोटेक्ट करती है। इसे लगाने के बाद आप अपना मेकअप, जिसमें फेस पाउडर भी शामिल कर सकते हैं।

मेकअप से पहले सनस्क्रीन कैसे लगाएं

मेकअप के साथ सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना बेहद ही कंफ्यूजिंग हो सकता है। क्लींजर का इस्तेमाल करने के बाद टोनर और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। फिर करीब 5 मिनट रूकें और अगले स्टेप में सनस्क्रीन को चेहरे पर अच्छे से लगाएं। चेहरे के साथ गर्दन पर भी सनस्क्रीन लगाएं, क्योंकि मेकअप प्रोडक्ट का इस्तेमाल गर्दन पर भी किया जाएगा। सनस्क्रीन लगाने के बाद कम से कम 10 मिनट का इंतजार करें और फिर अपने मेकअप प्रोडक्ट लगाना शुरू करें। आप मेकअप के पहले स्टेप में प्राइमर और फिर फाउंडेशन या कंसीलर यूज कर सकती हैं।

गर्मियों में धूप में ज्यादा देर रहते हैं तो न करें ये गलतियां

बिगड़ सकती है सेहत

गर्मी बढ़ती जा रही है। ऐसे में उन लोगों की सेहत पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं जिन लोगों की फील्ड जॉब है या फिर जिन्हें किसी और कारण से ज्यादा देर तक धूप में रहना पड़ता है। ऐसे लोगों को अभी से सचेत हो जाना चाहिए और सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि यदि आप धूप में ज्यादा देर तक रहते हैं तो इसका गंभीर प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ सकता है। ज्यादा देर धूप में रहने से डिहाइड्रेशन हो सकता है बल्कि नौबत अस्पताल में भर्ती होने तक भी आ सकती है। हीट स्ट्रोक का भी खतरा रहता है। हीट स्ट्रोक होने पर यदि कुछ ही देर में उपचार नहीं मिलता है तो व्यक्ति की मौत भी हो सकती है।

ज्यादा देर तक धूप में रहने वाले लोगों को कुछ खास सावधानियां बरतनी चाहिए। जिससे वह तेज धूप से होने वाले गंभीर नुकसान से बच सकें। सिर पर पड़ने वाली तेज घूप के कारण कुछ ही देर में आपको चक्कर आने की समस्या हो सकती है। तेज धूप में मति भ्रम और देखने की क्षमता भी प्रभावित होती है। तेज धूप के कारण सनबर्न का खतरा भी रहता है। इसके अलावा सबसे गंभीर खतरा हीट स्ट्रोक का रहता है। हीट स्ट्रोक में शरीर का तापमान 40 डिग्री से ज्यादा हो जाता है। हीट स्ट्रोक से मस्तिष्क, हृदय, गुर्दे और अन्य अंगों को गंभीर नुकसान हो सकता है। इसलिए ज्यादा देर धूप में रहना पड़े तो कुछ सावधानियां जरूर बरतनी चाहिए।

यह सावधानियां बरतें

यदि आप ज्यादा देर तक धूप में रहते हैं तो खुद को हाइड्रेट जरूर रखें। नींबू की बिना सोडे वाली शिकंजी आपको ज्यादा देर तक हाइड्रेट रहने में ज्यादा मदद कर सकती है। इसके साथ ही ज्यादा देर धूप में रहना पड़ता है तो सिर को ढक कर रखें। सिर पर तेज धूप पड़ने से माइंड के टिश्यू को भी नुकसान पहुंचता है। हल्के रंग के और ढीले कपड़े पहनें ताकि शरीर को गर्मी से बचाया जा सके।

यह काम भूलकर भी न करें

तेज घूप से से ऑफिस या घर पहुंचने पर तुरंत ठंडा पानी पीने से बचें। ज्यादा देर धूप में रहने के बाद तुरंत नहाने से भी बचें, इससे शरीर का तापमान बिगड़ सकता है और आप लू की चपेट में भी आ सकते हैं। तेज धूप से आने के पर पहले शरीर के तापमान को सामान्य होने दें उसके बाद एसी चालू करें। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक धूप सबसे ज्यादा तेज होती है। सनबर्न से बचने के लिए घूप में निकलने से पहले कोई सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

गर्मियों में स्टाइलिश लुक पाने के लिए ट्राई करें डिजाइनर कुर्तियां

आज हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ ट्रेंडिंग कुर्ती डिजाइन्स जो इस गर्मी के मौसम में आपको अपने वार्डरोब में जरूर शामिल करने चाहिए। ये कुर्तियां स्टाइलिश लुक देने के साथ ही आपके फेवरेट बनने वाली हैं। गर्मी आते ही महिलाएं ऐसा ऑउटफिट वियर करना चाहती हैं जो हल्के होने के साथ ही आरामदायक भी हो। ऐसे में उनकी पहली पसंद हमेशा कुर्ती होती है, जो हमेशा से ट्रेंड में रहती है। गर्मियों में कॉलेज गर्ल्स, ऑफिस जाने वाली महिलाएं या कैजुअल आउटिंग के लिए कुर्ती सबसे बेस्ट ऑप्शन होती है। कम्फर्टेबल होने के साथ ही इसमें आपको अधिक गर्मी भी नहीं लगती। इसलिए आज हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ ट्रेंडिंग कुर्ती डिजाइन्स जो इस गर्मी के मौसम में आपको अपने वार्डरोब में जरूर शामिल करने चाहिए। ये कुर्तियां स्टाइलिश लुक देने के साथ ही आपकी फेवरेट बनने वाली हैं।

गर्मियों में स्टाइल के साथ बना रहेगा कंफर्ट

गर्मियों में कुछ ऐसा पहनने का जी होता है जो देखने में भी स्टाइलिश लगे और पहनने में भी कंफर्टेबल हो। इसके लिए कॉटन की शॉर्ट कुर्ती से बेहतर भला क्या होगा। अगर आप ऑफिस या कॉलेज गोइंग हैं या फिर कहीं बाहर भी जा रही हैं, तो अलग-अलग बॉटम वियर के साथ शॉर्ट कुर्ती को पेयर कर सकती हैं। ये देखने में काफी मॉडर्न और स्टाइलिश भी लगती हैं। ऐसे में गर्मियों के आप कुछ कॉटन की कुर्तियां स्टिच करा कर रख सकती हैं। तेज गर्मियों के मौसम में ये आपके कंफर्ट और स्टाइल दोनों का ध्यान रखेंगी।

ढीली स्लीव्स वाली शॉर्ट कुर्ती

कुर्ती को थोड़ा पाकिस्तानी टच देना है तो इस तरह ढीली आस्तीन वाली शॉर्ट कुर्ती स्टिच करा सकती हैं। इसमें सुंदर सी लेस लगाकर और भी खूबसूरत लुक दिया जा सकता है। इस तरह की कुर्तियां ढीले बॉटम के साथ काफी स्टाइलिश लगती हैं।

प्लेन व्हाइट कॉटन कुर्ती

गर्मियों में सफेद रंग आंखों को बड़ी ठंडक देता है। ऐसे में आप अपने समर्स वॉर्डरोब में एक सिंपल प्रिंटेड कॉटन शॉर्ट कुर्ती शामिल कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने में भी कंफर्टेबल रहेंगी और जींस के साथ काफी फैंसी लुक भी देगी।

कमीज स्टाइल शॉर्ट कुर्ती

सलवार कमीज पहनने में जितने को कंफर्टेबल होते हैं, देखने में उतने ही क्लासी भी लगते हैं। ऐसे में आप भी एक कमीज स्टाइल शॉर्ट कुर्ती अपने समर्स वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं। इसे सलवार या ढीले प्लाजो के साथ पेयर किया जा सकता है।

फ्रॉक कट शॉर्ट कुर्ती

इस तरह की फ्रॉक कट शॉर्ट कुर्तियां भी आजकल काफी ट्रेंड में बनी हुई हैं। ये भी देखने में काफी स्टाइलिश और ब्यूटीफुल लगती हैं और काफी आरामदायक भी होती हैं। इस तरह की कुर्तियां थोड़े फिटेड बॉटम के साथ खिलकर आती हैं।

स्लीवलेस शॉर्ट कुर्ती

गर्मियों में स्लीवलेस कपड़े बेस्ट लगते हैं। देखने में भी स्टाइलिश और पहनने में भी कंफर्ट देने वाले। ऐसे में आप कुछ इस तरह की स्लीवलेस कॉटन कुर्ती स्टिच करा सकती हैं। इसमें स्ट्रैप वर्क किया गया है, जो देखने में काफी फैंसी लग रहा है। बेस्ट बात है कि इस तरह की कुर्तियां हर बॉटम के साथ पेयर की जा सकती हैं।

गर्मियों में भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाना क्यों है जरूरी?

सुबह खाली पेट नाश्ते में भीगे हुए मेवे खाने से सेहत को अनजाने में कई फायदे मिलते हैं। मेवों में विटामिन ए, सी, एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर जैसे कई पौष्टिक तत्व मौजूद होते हैं जो सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। पोषण विशेषज्ञों की मानें तो मेवों में हेल्दी फैट और प्रोटीन मौजूद होता है। मेवे भिगोकर खाने से उनमें मौजूद प्रोटीन आंशिक रूप से पच जाता है।

शरीर को ठंडक और ऊर्जा का स्रोत

गर्मियों में शरीर को ठंडक और ऊर्जा की जरूरत होती है। ऐसे में भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से सेहत को फायदा मिल सकता है। बता दें, अधिकतर ड्राई फ्रूट्स की तासीर गर्म होती है, लेकिन भिगोने से ये ठंडी हो जाती हैं। बादाम, किशमिश और अंजीर जैसे ड्राई फ्रूट्स को भिगोने से उनकी गर्म तासीर कम हो जाती है, जो गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने में मदद करती है। इससे शरीर को गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं से बचाव होता है और पाचन तंत्र भी स्वस्थ बना रहता है। बता दें, काजू, अखरोट और खजूर जैसे मेवे भिगोकर खाने से तुरंत ऊर्जा मिलती है, जो गर्मी में थकान और सुस्ती को दूर करती है।

पाचन में सुधार

मेवों में मौजूद विटामिन और मिनरल्स (जैसे जिंक और सेलेनियम) इम्यूनिटी को मजबूत बनाकर मौसमी बीमारियों से बचाव करते हैं। इसके अलावा भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स आसानी से पच भी जाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर कब्ज और अपच की समस्या को दूर करने में मदद करता है, जो गर्मियों में आम समस्या होती है। बता दें, मेवों को भिगोने के बाद, इनमें मौजूद फाइटिक एसिड कम हो जाता है, जिससे इन्हें आसानी से पचाया जा सकता है। फाइटिक एसिड एक प्रकार का एंटी न्यूट्रिएंट है जो पोषक तत्वों के अवशोषण को कम कर सकता है, लेकिन भिगोने से इसकी मात्रा कम हो जाती है।

हाइड्रेशन में मदद

मेवों को भिगोकर रखने से उनमें पानी की मात्रा बढ़ती है, जो शरीर में नमी बनाए रखने और डिहाइड्रेशन से बचाने में फायदेमंद है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

भीगे हुए मेवों में मौजूद विटामिन ई और एंटीऑक्सिडेंट्स त्वचा को सूरज की क्षति से बचाते हैं और नमी बनाए रखने में मदद करते हैं। जिससे फ्री रैडिकल्स से होने वाले नुकसान को भी कम करने में मदद मिलती है।

मोटापा रखें कंट्रोल

भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से भूख नियंत्रित रहती है, जिससे गर्मियों में अनहेल्दी स्नैक्स खाने की इच्छा कम होती है। जिससे व्यक्ति ओवरईटिंग से बच जाता है और उसे वेट लॉस में मदद मिलती है।

क्या है मेवे खाने का सही तरीका

4-5 बादाम, 2 अखरोट, 5-6 किशमिश या 1-2 अंजीर को रात भर पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद सुबह इन मेवों को खाली पेट या नाश्ते में खाएं।

देर रात तक जागने से दिमाग पर पड़ता है असर

समय के साथ लोगों के लाइफस्टाइल में बड़ा भारी बदलाव आया है। अब गए वो जमाने जब लोग शाम होते ही बिस्तर पर पसरने लगते थे। आज तो चुनिंदा लोगों को छोड़कर ज्यादातर आबादी देर रात सोने वाली हो गई है। खासतौर से यंग जनरेशन तो बिना वजह भी देर रात तक जागना पसंद कर रही है। जाहिर है इस बिगड़ते स्लीपिंग पैटर्न का असर लोगों की हेल्थ पर भी हो रहा है। गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉक्टर अक्सर हेल्थ से जुड़ी बातें साझा करते रहते हैं; उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया है कि जब आप रोजाना देर रात तक जगे रहते हैं, तो इस बात के ज्यादा चांस होते हैं कि आप दिन में 8 से 9 घंटे की अच्छी नींद नहीं ले रहे हैं। इसका असर आपके दिमाग पर भी पड़ता है।

तेजी से बढ़ सकता है आपका वजन

वेट लॉस के लिए सिर्फ सही खानपान और फिजिकल एक्टिविटी ही जरूरी नहीं है बल्कि पर्याप्त मात्रा में सही नींद लेना भी उतना ही मायने रखता है। दरअसल नींद की कमी से शरीर में हार्मोनल डिसबैलेंस होता है, जिससे ज्यादा खाने की क्रेविंग बढ़ जाती है। ऐसे में आप ओवरइटिंग करते हैं और धीरे-धीरे आपका वजन बढ़ने लगता है।

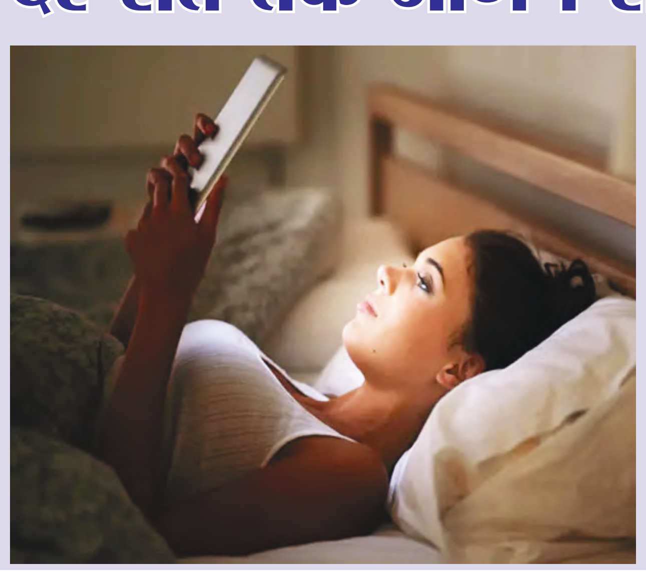

मूड हो सकता है खराब

आपने खुद भी नोटिस किया होगा कि जब आप देर रात तक जागते हैं और सही नींद नहीं लेते, तो दिनभर एक अजीब सा चिड़चिपाना बना रहता है। किसी काम में मन भी नहीं लगता और सारा दिन जैसे थकान और नींद सी आती रहती है। दरअसल हमारा मूड और नींद एक दूसरे से जुड़े हुए होते हैं। ऐसे में अगर आपको अपना दिन बर्बाद नहीं करना है तो समय पर सोएं और पर्याप्त मात्रा में नींद लें।

बढ़ सकता है आपका स्ट्रेस लेवल

डॉक्टर सेठी के मुताबिक जब आप पर्याप्त मात्रा में नींद नहीं लेते हैं, तो आपका स्ट्रेस लेवल भी इंक्रीज हो सकता है। कई स्ट्डीज में यह बात सामने आई है कि जब आप सही नींद नहीं लेते हैं तो आपका चीजों को देखने का नजरिया काफी नकारात्मक सा हो जाता है। जिस चीज से आसानी से निपटा जा सकता था, उसे भी आप निराशावादी नजरिए से देखने लगते हैं। इससे स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन जैसे मेंटल हेल्थ इश्यूज का खतरा बढ़ जाता है।

सोचने समझने की क्षमता होती है प्रभावित

देर रात जागने और कम नींद लेने से दिन भर में आपके सोचने और समझने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। जब आप कम नींद लेते हैं तो किसी भी चीज पर सही से ध्यान केंद्रित नहीं पाते हैं। जिस वजह से अगर किसी बात पर गहराई से सोचना है या कोई जरूरी निर्णय लेना है, तो यह आपके लिए बड़ा चैलेंजिंग टास्क बन सकता है। इस स्थिति में ज्यादा मेंटल स्ट्रेंथ वाला काम करना मुश्किल हो जाता है।

गावस्कर ने आईपीएल के नियमों पर उठाए सवाल

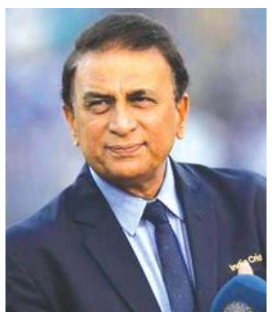

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 साल-दर-साल और भी रोमांचक होता जा रहा है। बात चाहे इम्पैक्ट प्लेयर रूल की हो या फिर ऑक्शन के नियमों की। ऑक्शन से पहले एक पुराना नियम वापस लाया गया, जिसमें 5 या उससे ज्यादा सालों इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेलने वाले प्लेयर्स को अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर रिटेन करने का प्रावधान लाया गया। सीएसके के मौजूदा कप्तान एमएस दोनी को इसी नियम के तहत रिटेन किया गया। अब इस नियम पर पूर्व दिग्गज गावस्कर ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस नियम और उसकी रकम की आलोचना की है। इस नियम की मदद से एमएस धोनी को सिर्फ 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया।

भारतीय क्रिकेट किसी के जाने से दुखी नहीं होता

भारत के दिग्गज पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने अब इस नियम में किए गए बदलाव की आलोचना की है और यह भी कहा है कि अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन करने की कीमत 4 करोड़ रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। गावस्कर ने इस कीमत की भी आलोचना की। उनके मुताबिक सिर्फ धोनी को बनाए रखने के लिए अनकैप्ड प्लेयर की कीमत में उछाल दिखा है। गावस्कर ने एक कॉलम में लिखा, 'मोटी रकम में खरीदे गए प्लेयर्स दबाव के चलते प्रदर्शन अच्छा नहीं कर पाते हैं। फ्रेंचाइजियों के लिए शायद यह कोई मायने नहीं रखता क्योंकि उन्हें लगता है कि यह अच्छा हुआ, लेकिन भारतीय क्रिकेट किसी भी खिलाड़ी के जाने से थोड़ा दुखी होता है, चाहे वह सफल रहा हो या नहीं। महेंद्र सिंह धोनी, जो पिछले साल नीलामी से पहले अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए थे, उन्हें शामिल करने के लिए सीमा को बढ़ाकर 4 करोड़ रुपये कर दिया गया।' गावस्कर ने आगे लिखा, 'ऐसा होता है कि अगर अगली नीलामी में खिलाड़ी की कीमत कम हो जाती है तो उम्मीदों का दबाव भी कम हो जाता है और खिलाड़ी बहुत बेहतर खेलता है। इस सीजन ने दिखाया है कि पहले चक्र में करोड़ों में खरीदे गए और अब बहुत कम फीस पर खरीदे गए खिलाड़ी बेहतर परिणाम दिखा रहे हैं।

प्लेऑफ में जगह बनाने को उतरेगी KKR

नई दिल्ली। आईपीएल-2025 का 57वां मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) और चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के बीच रविवार 7 मई को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। केकेआर और सीएसके के बीच होने वाला यह मुकाबला कई मायनों में काफी दिलचस्प होने वाला है। एक तरफ जहां चेन्नई इस खेल से पूरी तरह बाहर हो चुकी है अब उसका इरादा ज्यादा से ज्यादा मैच को जीतकर अपनी साख बचाने पर होगी। तो वहीं दूसरी तरफ कोलकाता नाइट राइडर्स जो सीएसके को मात देकर अपनी रैंकिंग में सुधार करने के साथ प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगा। इसलिए ईडन गार्डन्स में कोलकाता सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी। फिलहाल दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। गौरतलब हो कि कोलकाता ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स को एक रन से शिकस्त दी थी।

● चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है। दूसरी ओर कोलकाता नाइट राइडर्स रेस में बनी हुई है, जिसके चलते उनके लिए आगामी मैच जीतना बेहद जरूरी है। इस बीच आपको सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स का हेड टू हेड रिकॉर्ड बताते हैं। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच अब तक 31 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें से 19 में चेन्नई सुपर किंग्स और 11 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मुकाबला बिना किसी रिजल्ट के खत्म हुआ है। ऐसे में कोलकाता का ये मैदान दोनों टीमों के बीच कितना मद्दगार रहा है अब तक उनके बीच खेले गए मुकाबलों और उनके परिणाम को देखकर लगाया जा सकता है। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में अब तक 10 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 6 में कोलकाता और पांच में चेन्नई ने जीत दर्ज की है।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11:

कोलकाता: रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सुनील नरेन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, रमनदीप सिंह, मोईन अली, वैभव अरोरा, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा, इम्पैक्ट प्लेयर- अंगकृष रघुवंशी

चेन्नई : आयुष म्हात्रे, शेख रशीद, सैम करन, रवींद्र जडेजा, डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी (कप्तान व विकेटकीपर), शिवम दुबे, दीपक हुड्डा, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, खलील अहमद, इम्पैक्ट प्लेयर- मथीशा पथिराना

कोलकाता नाइट राइडर्स ने 8 विकेट से जीत दर्ज की
चेन्नई सुपर किंग्स ने 7 विकेट से जीत दर्ज की
कोलकाता नाइट राइडर्स ने 6 विकेट से जीत दर्ज की
चेन्नई सुपर किंग्स ने 49 रन से जीत दर्ज की
कोलकाता नाइट राइडर्स ने 6 विकेट से जीत दर्ज की

आज का मैच

TATA IPL

कोलकाता Vs चेन्नई — शाम 7.30 बजे

रोहित शर्मा ने जीता महिला प्रशंसक का दिल

मुंबई। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 6 अप्रैल, मंगलवार को वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले आईपीएल 2025 मुकाबले से पहले एक महिला प्रशंसक द्वारा भेंट की गई अपनी एक खूबसूरत हस्तनिर्मित पेंटिंग पर हस्ताक्षर किए। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में, दाएं हाथ के बल्लेबाज ने अभ्यास सत्र से पहले कथित तौर पर महिला प्रशंसक के साथ एक तस्वीर भी क्लिक की। हालाँकि 38 वर्षीय यह खिलाड़ी अब मुंबई इंडियंस का कप्तान नहीं है, लेकिन वह आईपीएल इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे ज़्यादा खिताब जीतने वाले कप्तान हैं, जिन्होंने पाँच मौकों पर फ्रैंचाइज़ी को जीत दिलाई है।

मेरी नज़र ओलंपिक खेलों पर : सुजाता कुजूर

नई दिल्ली। ओडिशा के सुंदरगढ़ के हॉकी मैदानों से, जहाँ खेल जीवन का एक तरीका है, युवा सुजाता कुजूर चुपचाप अपनी यात्रा की पटकथा लिख रही हैं। 21 वर्षीय डिफेंडर ने हाल ही में भारतीय महिला हॉकी टीम के सीनियर सेट-अप में बदलाव किया और ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाली टीम का हिस्सा थीं - जो अंतरराष्ट्रीय हॉकी में सबसे कठिन असाइनमेंट में से एक है। सीनियर टीम के साथ अपने पहले दौरे पर विचार करते हुए, सुजाता ने कहा, "यह दौरा मेरे लिए एक शानदार अनुभव था, क्योंकि यह मेरा पहला मौका था जब मैं सीनियर टीम के साथ खेल रही थी। ऐसी परिस्थितियों में हमेशा थोड़ा अधिक दबाव होता है, लेकिन मैंने सीनियर्स को देखकर और यह समझकर बहुत कुछ सीखा कि वे प्रशिक्षण और मैचों को कैसे देखते हैं।" उन्होंने कहा, "वरिष्ठ खिलाड़ी शुरू से ही बहुत गर्मजोशी और उत्साहवर्धक थे। वे मुझे हमेशा कहते रहे कि मैं बहुत अधिक दबाव न लूं और सिर्फ़ अपना स्वाभाविक खेल खेलने पर ध्यान दूं। सभी ने मेरा बहुत साथ दिया।" मैं ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा बनना चाहती हूं और उस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहती हूं," उसने शांत आत्मविश्वास के साथ कहा।

19वें वर्ल्ड ट्विंस फेस्टिवल में भारतीय जुड़वां प्रतिभाओं ने मचाई धूम

युन्नान। भारत की संस्कृति, रंग और रचनात्मकता का अद्भुत संगम चीन के युन्नान प्रांत में देखने को मिला, जब भोपाल के ट्विंस क्लब ने 19वें इंटरनेशनल ट्विंस फेस्टिवल-2025 में हिस्सा लेकर भारत का परचम लहराया। 30 अप्रैल से 4 मई तक आयोजित इस वैश्विक समारोह में क्लब के 10 जुड़वां प्रतिभागियों ने न केवल अपने अद्वितीय प्रदर्शन से लोगों को मंत्रमुग्ध किया, बल्कि भारतीयता की छाप भी पूरे आयोजन पर छोड़ दी। इस वर्ष के फेस्टिवल की थीम 'ट्विंस बिकम द ब्रिज एक्रॉस कलचर' पर आधारित थी। कार्यक्रम में अमेरिका, इंग्लैंड, मलेशिया, नाइजीरिया, घाना, युगांडा, नेपाल, श्रीलंका सहित 20 देशों के 200 से अधिक विदेशी जुड़वां प्रतिभागी और चीन के 500 ट्विंस शामिल हुए। ग्रैंड ट्विन्स परेड में भारतीय जुड़वां प्रतिभागियों ने पारंपरिक परिधान पहनकर सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया। अभिषेक-अनुज ने भारत के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषाएं प्रदर्शित कीं। ऋद्धि-सिद्धि ने नौवारी साड़ी और पगड़ी पहन मराठी संस्कृति को सजीव किया। मंजरी-मयूरी ने राजस्थानी घूमर वेशभूषा में आकर्षण का केंद्र रहीं। ओनी-ओनस ने अन्य देशों से आए ट्विंस के साथ भारत के ट्विंस क्लब और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर संवाद किया। चीन के स्थानीय ट्विंस से भारत की संस्कृति पर चर्चा की और क्लब की जानकारी दी।

प्रतियोगिता में भारतीयों ने रोशन किया नाम

इंटरनेशनल ट्विन्स डांस कॉम्पिटिशन में भारतीय प्रतिभागियों ने अवॉर्ड्स पर कब्जा जमाया। मंजरी-मयूरी को "बेस्ट क्लासिकल परफॉर्मेंस" का खिताब मिला (राजस्थानी घूमर पर प्रस्तुति)। ऋद्धि-सिद्धि ने "मोस्ट एनर्जेटिक डांस" का पुरस्कार जीता (गरबा व नगाड़ा सांग का फ्यूजन)। ट्विंस क्लब, भोपाल के अध्यक्ष अभिषेक खरे ने बताया कि क्लब जल्द ही भोपाल में एक भव्य ट्विंस फेस्टिवल आयोजित करने की योजना बना रहा है, जिसमें देशभर के जुड़वां बच्चों को आमंत्रित किया जाएगा।

नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 के टिकटों की बिक्री शुरू

नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा क्लासिक के टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है। आयोजकों ने सोमवार को इसकी घोषणा की। इस प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा, थॉमस रोहलर और एंडरसन पीटर्स सहित कई ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी भाग लेंगे। यह भारत में होने वाली भाला फेंक की पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। 24 मई से बेंगलुरु में एनसी क्लासिक टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। आयोजकों की विज्ञप्ति के मुताबिक टिकट 199 रुपये से 9,999 रुपये की रेंज में उपलब्ध है। जोमैटो इस प्रतियोगिता का आधिकारिक टिकट भागीदार है। विज्ञप्ति के मुताबिक, 44,999 रुपये की कीमत वाले पांच कॉर्पोरेट बॉक्स भी उपलब्ध हैं। कर्नाटक ओलंपिक संघ और युवा सशक्तिकरण और खेल विभाग (डीवाईईएस) सहित राज्य संघ और सरकारी निकाय विश्व स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन करने के लिए कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

2019 वर्ल्ड कप में हार से टूट गए थे विराट कोहली

नई दिल्ली। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक विराट कोहली के लिए 2019 वर्ल्ड कप की हार से काफी दुखदायी है। वह पहली बार वनडे वर्ल्ड कप में भारत की कप्तानी करने उतरे थे और वही उनका आखिरी भी साबित हुआ। टीम इंडिया न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गई थी। विराट का अपनी कप्तानी में आईसीसी टूर्नामेंट को जीतने का सपना 2 साल में दूसरी बार टूटा था। इससे पहले 2017 में पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में हरा दिया था। कोहली के पास यह मौका 2021 में भी आया, लेकिन वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार मिली. वह अपनी कप्तान में भारत को एक भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीता पाए. विराट ने हाल ही में भारत के 2019 वनडे विश्व कप के दिल टूटने वाले हार को याद किया और इसे एक 'भयानक हैंगओवर' बताया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 18 रन की करारी हार के बाद भारत का शानदार अभियान समाप्त हो गया

मैं पूरी तरह से खो गया था : कोहली

2019 विश्व कप में भारत खिताब जीतने के प्रबल दावेदार के रूप में टूर्नामेंट में उतरा था। लीग चरण में नौ में से सात मैच जीतकर और एक मैच बारिश के कारण रद्द होने के बाद टीम इंडिया टूर्नामेंट के दौरान टॉप पर थी। हालांकि, न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 18 रन की करारी हार के बाद भारत का शानदार अभियान समाप्त हो गया। हाल ही में कोहली ने उस हार को याद किया और कहा कि अगली सुबह वह पूरी तरह से अचेत थे और कुछ भी करने की कोई प्रेरणा नहीं थी। आरसीबी पॉडकास्ट में कोहली ने कहा, '2019 की हार बहुत बड़ी थी, वास्तव में सेमीफाइनल खत्म होने के बाद और अगली सुबह जब हम मैनचेस्टर से निकलने वाले थे, तो ऐसा पहली बार हुआ था। आप जानते हैं जब आप उठते हैं और आपको यह समझ नहीं आता कि आप क्या करना चाहते हैं, जैसे आप अचेत हैं। ऐसा लग रहा था जैसे आपको भयानक हैंगओवर हो गया हो। बिल्कुल वैसा ही। जैसे मुझे कोई अंदाजा नहीं था कि मैं क्या करना चाहता हूं, क्या मैं कॉफी पीना चाहता हूं, अपने दांत ब्रश करना चाहता हूं, अगला कदम क्या है? जैसे मैं पूरी तरह से खो गया था। मैं इसे समझ नहीं पा रहा था।'

भारत के पूर्व फील्डिंग कोच श्रीधर ने श्रीलंका के साथ किया करार

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने एक अनुभवी भारतीय कोच को विशेष फील्डिंग कैंप का नेतृत्व करने के लिए शामिल किया है। भारत के पूर्व फील्डिंग कोच आर श्रीधर श्रीलंका में 10 दिवसीय फील्डिंग कैंप का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं, देश के क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को एक मीडिया विज्ञप्ति में घोषणा की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 'श्रीलंकाई क्रिकेटरों के फील्डिंग मानकों को ऊपर उठाना' है, जो आज से शुरू होगा और इसमें पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमें, उभरती हुई टीमें, प्रीमियर क्लब के खिलाड़ी, राष्ट्रीय अंडर-19 टीम और महिला 'ए' टीम शामिल होंगी। जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, "भारत के पूर्व फील्डिंग कोच श्रीलंका की राष्ट्रीय पुरुष टीम के साथ कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे और बाद में अन्य टीमों को प्रशिक्षित करेंगे, जहाँ वे खेल की परिस्थितियों को दोहराने के लिए फील्डिंग अभ्यास, कौशल-विशिष्ट प्रशिक्षण और सिम्युलेटेड मैच परिदृश्यों का संचालन करेंगे।"

सेटअप कोचों के साथ मिलकर काम करेंगे

श्रीलंका क्रिकेट के साथ अपने 10 दिवसीय कार्यकाल के दौरान, श्रीधर राष्ट्रीय, उच्च प्रदर्शन और क्लब सेटअप के कोचों के साथ मिलकर काम करेंगे। BCCI लेवल 3 प्रमाणित कोच, श्रीधर अंतरराष्ट्रीय अनुभव का खजाना लेकर आए हैं। उन्होंने 2014 से 2021 के बीच 300 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत के फील्डिंग कोच के रूप में काम किया और हाल ही में 2024 में अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम के साथ सहायक कोच के रूप में कुछ समय के लिए काम किया। श्रीधर ने पहले भारत की अंडर-19 टीम के साथ फील्डिंग कोच और सहायक कोच दोनों के रूप में काम किया है। वह इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की टीम पंजाब किंग्स के फील्डिंग कोच के रूप में फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट में भी शामिल रहे हैं।

पर्व ने विश्व युवा भारोत्तोलन में जीता कांस्य

नई दिल्ली। पर्व चौधरी ने लीमा के पेरू में जारी विश्व युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 96 किलो भारवर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने कुल 315 किलो वजन उठाया। यूपी के बिजनौर जिले के रहने वाले पर्व ने स्नैच में 140 किलो और क्लीन एंड जर्क में 175 किलो वजन उठाया। उन्हें क्लीन एंड जर्क का रजत मिला। विश्व चैंपियनशिप में स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल वजन के अलग-अलग पदक दिए जाते हैं। पर्व ने इससे पहले बीते वर्ष राष्ट्रमंडल युवा भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक जीता था। वह जूनियर वर्ग में भी विजेता बने थे। उन्होंने बीते वर्ष ही एशियाई यूथ और जूनियर भारोत्तोलन में भी कांस्य पदक जीता था। इस चैंपियनशिप में ज्योशना साबर ने 40 भारवर्ग और हर्षवर्धन साहू ने 49 किलो भारवर्ग में कांस्य पदक जीते थे। भारत के स्कीट निशानेबाजों के लिए सोमवार को आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में क्वालिफिकेशन का पहला दिन मिश्रित रहा। साइप्रस के निकोसिया में जारी विश्व कप में पुरुष वर्ग में अभय सिंह सेखों देश के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले निशानेबाज रहे। छह भारतीयों में से अभय 50 निशानों में से 49 (25, 24) हिट लगाने के बाद क्वालिफिकेशन के दूसरे दिन 14वें स्थान से शुरुआत करेंगे। पुरुष वर्ग में 92 निशानबाजों में से आठ ने 50 का परफेक्ट स्कोर बनाया। अभय उन 13 निशानेबाजों में शामिल थे जिन्होंने एक निशाना चूका। ओलंपियन मेराज खान दो निशाने चूकने के कारण 32वें स्थान पर हैं जबकि पुरुष स्कीट में तीसरे भारतीय ऋतुराज बुंदेला (23, 21) अब तक छह निशाने चूकने के कारण और निचले पायदान पर हैं। महिलाओं की स्पर्धा में परिनाज धालीवाल (23, 24) 15वें, यशस्वी राठौड़ (21, 23) 36वें और पेरिस ओलंपियन माहेश्वरी चौहान (22, 22) पहले दो दौर के बाद 38वें स्थान पर हैं। पुरुषों और महिलाओं की स्कीट प्रतियोगिताओं में कुल पांच में से दो दौर पहले दिन खेले गए। मंगलवार को दो और दौर खेले जाने हैं। बुधवार को पांचवां और अंतिम दौर खेला जाएगा जिसके बाद शीर्ष छह खिलाड़ी फाइनल में पहुंचेंगे।

टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर की अपील

पाकिस्तान से आईसीसी टूर्नामेंट में भी खेलना बंद करे भारत

नई दिल्ली। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद एशिया कप और आईसीसी स्पर्धाओं सहित किसी भी मंच पर पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच नहीं खेलने की वकालत की है। उन्होंने मंगलवार को एक निजी टीवी न्यूज चैनल के कार्यक्रम में कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों को पूरी तरह से रोक देना चाहिए। एक कार्यक्रम में गंभीर ने कहा कि भारतीय टीम को सीमा पार आतंकवाद खत्म होने तक चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के साथ नहीं खेलना चाहिए। भारत ने दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण 2007 से पाकिस्तान के खिलाफ कोई पूरी श्रृंखला नहीं खेली है। गंभीर ने कहा कि वे केवल बहु-टीम आयोजनों (जिसमें एक से ज्यादा टीमें हिस्सा लेती हों) में एक-दूसरे के साथ खेलते हैं और उसे भी बंद कर देना चाहिए। मौजूदा माहौल में भारत-पाक क्रिकेट के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर गंभीर ने कहा, 'मेरा व्यक्तिगत जवाब यह है कि हमें बिल्कुल नहीं खेलना चाहिए। जब तक यह सब (सीमा पार आतंकवाद) बंद नहीं हो जाता, तब तक भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ भी नहीं होना चाहिए।'

क्रिकेट किसी की जागीर नहीं : गौतम गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर समिट के अगले गेस्ट हैं। उन्होंने क्रिकेट में हार और जीत को लेकर कहा, ऐसा कभी नहीं होता कि ग्राफ हमेशा एक ही तरह से जाएगा, मैं इसके लिए हमेशा तैयार रहता हूं। मेरा काम देश को गर्व महसूस करवाना है।
गौतम गंभीर ने जीत पर कहा कि इसको लेकर सोच बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा, चैंपियंस ट्रॉफी मैंने नहीं जीती है और न ही किसी कप्तान ने जीती है। इसमें हर किसी का योगदान है। यह सोच बदलनी चाहिए। गंभीर ने आलोचकों से जुड़े सवाल पर कहा, मुझे अभी 8 महीने ही हुए हैं। अगर रिजल्ट नहीं आएंगे तो लोग मेरी आलोचना करेंगे, ये उनका काम है, लेकिन कुछ ऐसे भी लोग हैं जो 20-25 साल से कॉमेंट्री कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि क्रिकेट उनकी जागीर है। उन्होंने मेरे रिकॉर्ड और प्राइज मनी से लेकर हर चीज पर सवाल उठा दिया।

एशिया कप में पाकिस्तान से खेलेगा भारत?

यह पूछे जाने पर कि क्या इस साल होने वाले एशिया कप और अगले साल भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप के दौरान भारत पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलेगा? इस पर गंभीर ने कहा कि यह फैसला बीसीसीआई और सरकार लेगी। गंभीर ने कहा, इसका फैसला मैं नहीं ले सकता, ये बीसीसीआई और विशेषकर सरकार को तय करना है कि हमें खेलना चाहिए या नहीं। वे जो भी फैसला लेंगे, हम उसे स्वीकार करेंगे। भारत-पाकिस्तान के बीच इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान मुकाबला हुआ था। इस आईसीसी टूर्नामेंट का मेजबान पाक था, लेकिन भारत ने सुरक्षा का हवाला देते हुए अपने मुकाबले दुबई में खेले थे।

विदेशी मीडिया ने शाहरुख से पूछा नाम, फैंस ने जताई नाराजगी

बोले-अंदाजा है किससे बात कर रहे हो ?

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान ने इस बार मेट गाला 2025 में अपना शानदार डेब्यू किया। भारत के मशहूर डिजाइनर सब्यसाची के शानदार ब्लेक कलर के आउटफिट में शाहरुख काफी कमाल लगे। सब्यसाची ने शाहरुख को ये लुक उनके स्टारडम को देखते हुए दिया। शाहरुख का लुक चर्चाओं में है। लेकिन इस बीच मेट गाला से अब एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में शाहरुख मेट गाला में मौजूद विदेशी मीडिया से बात कर रहे हैं। इस दौरान शाहरुख खान मीडिया को अपना परिचय देते हैं और बताते हैं कि 'मैं शाहरुख खान हूं'। अब भारत में किंग खान के फैंस को ये बात पसंद नहीं आई है कि शाहरुख खान जैसे सुपरस्टार को विदेशी मीडिया के सामने अपना परिचय देना पड़ा। इसको लेकर फैंस काफी नाराज हैं।

यूजर बोले- घर जाकर गूगल करेगी तो पता चलेगा शाहरुख कौन हैं

वीडियो वायरल होने के बाद फैंस अब विदेशी मीडिया पर भड़क रहे हैं। प्रशंसकों ने खान के तीन दशक लंबे करियर और उनकी वैश्विक लोकप्रियता का हवाला देते हुए इस पर नाराजगी व्यक्त की। एक फैन ने कहा, "उन्हें पता नहीं था कि वे किससे बात कर रहे हैं"। एक यूजर ने वीडियो को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, "अगर आप मेट गाला कवर रहे हैं, तो आपको पता होना चाहिए कि यहां कौन-कौन आ रहा है। शाहरुख खान दुनिया के चौथे सबसे अमीर एक्टर्स हैं।" वहीं दूसरे फैन ने इस पर कमेंट किया, "आशा करता हूं कि जब वह घर पहुंचकर गूगल करेगी तो उसे पता चलेगा कि शाहरुख खान कौन है।"

'हाथ में तलवार, मूंछों पर दिया ताव...'

मेट गाला में 'किंग' बनकर पहुंचे दिलजीत दोसांझ

आखिरकार वो समय आ ही गया है जब दुनियाभर के सितारे मेट गाला 2025 के रेड कारपेट पर धमाल मचा रहे हैं। इस इवेंट में बड़े -बड़े दिग्गज अपने अपे फैशल का जलवा दिखा रहे हैं। ऐसे में भला बॉलीवुड वाले कैसे पीछे रह सकते हैं। हाल ही में शाहरुख खान मेट गाला में जाने के लिए रवाना हुए थे। इसी बीच बॉलीवुड के जानेमाने सिंगर दिलजीत दोसांझ ने मेट गला 2025 में धमाकेदार एंट्री कर ली है। सोशल मीडिया पर दिलजीत दोसांझ की रेड कारपेट की कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में दिलजीत दोसांझ महाराजा बनकर मीडिया से रुबरू होते नजर आ रहे हैं। अपनी इस रिपोर्ट में हम आपको दिलजीत दोसांझ की ये शानदार तस्वीरें दिखाने वाले हैं।

हॉलीवुड सिंगर शकीरा के पीछे पीछे दिलजीत दोसांझ भी मेट गाला पहुंचे थे। यहां पर दिलजीत दोसांझ क्रीम व्हाइट कलर के रॉयल आउटफिट में नजर आए जिस पर गोल्डन कलर की खूबसूरत एंब्रॉयडरी की गई है। फैंस कह रहे हैं कि दिलजीत दोसांझ ने हॉलीवुड में जाकर पंजाबी कल्चर का परचम लहरा दिया है। दिलजीत दोसांझ ने मेट गाला में बड़े ही स्टाइल से एंट्री मारी। भले ही दिलजीत दोसांझ किसी राजा की तरह नजर आ रहे हों लेकिन आते ही उन्होंने मीडिया के सामने हाथ जोड़कर अभिवादन किया है। दिलजीत दोसांझ के आउटफिट पर गोल्डन कलर से पंजाबी वर्णमाला लिखी हुई है। दिलजीत दोसांझ क सूट पर पंजाबी में लिखे इन अक्षरों को देखकर फैंस का सीना गर्व के मारे चौड़ा हो गया है। वहीं लोगों को दिलजीत दोसांझ को गले का हार भी खूब पसंद आ रहा है। सूट के साथ साथ दिलजीत दोसांझ की पगड़ी भी लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रही है। दिलजीत दोसांझ के इस लुक को देखकर फैंस को 10 गुरुओं की याद आ गई है। फैंस का कहना है कि दिलजीत दोसांझ ककी पगड़ी में लगा पंख उनको अपने धर्म की शान की याद दिला रहा है।

मेटगाला में दिलजीत दोसांझ हाथ में तलवार लेकर पहुंचे थे। वहीं दिलजीत दोसांझ के इस क्रीम व्हाइट आउटफिट पर पंजाबी धर्म के सिंबल बने नजर आए। दिलजीत दोसांझ के आउटफिट पर बने चांद और तारा फैंस का दिल जीत ले गया है। रेड कारपेट पर जाते ही दिलजीत दोसांझ ने अपनी मूंछों पर ताव दी। दिलजीत दोसांझ को देखकर लग रहा है कि व अब बॉलीवुड के बाद हॉलीवुड की म्यूजिक इंडस्ट्री को हिलाने की तैयारी कर रहे हैं। इस दौरान दिलजीत दोसांझ ने खूब पोज दिए।

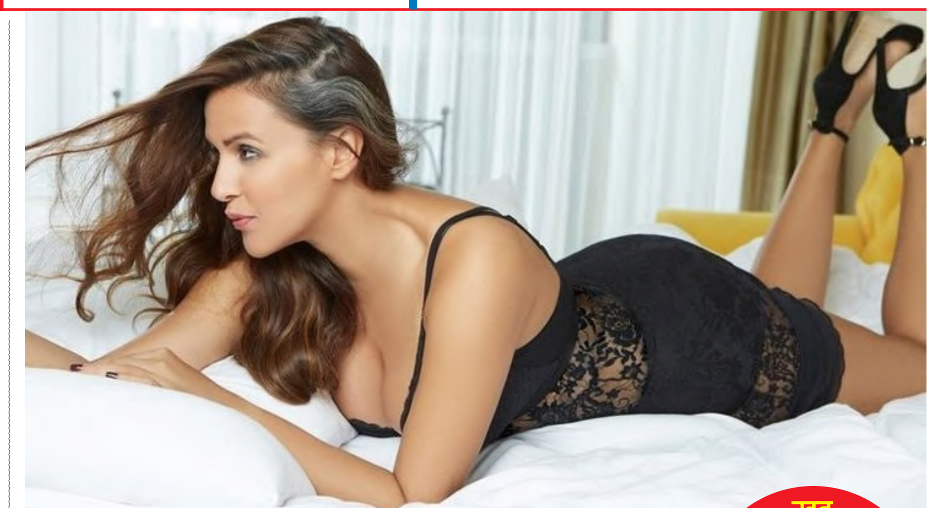

खूब लगाया बोल्ड और इंटीमेट सीन्स का तड़का, फिर भी...

नेहा धूपिया ने बड़े पर्दे पर पार की सारी हदें

आज हम आपको बॉलीवुड की उस हसीन एक्ट्रेस के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने फिल्मों में भर-भरभर के इंटीमेट और बोल्ड सीन्स दिए हैं। लेकिन इंडस्ट्री में कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। सालों के फिल्मी करियर के बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों से दूरी बना ली और बहुत कम ही दिखती हैं। लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग तगड़ी है। एक्ट्रेस की फोटोज और वीडियोज अक्सर इंटरनेट पर वायरल होते रहते हैं। चलिए एक्ट्रेस के बारे में जानते हैं।

हम बात कर रहे हैं इंडस्ट्री की बेहद बोल्ड और ग्लैमरस एक्ट्रेस नेहा धूपिया की। करियर के शुरुआत में नेहा को कुछ खास सफलता नहीं मिली। इसके बाद एक्ट्रेस ने जूली और शीशा जैसी बोल्ड फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों में नेहा ने हद से ज्यादा बोल्ड और इंटीमेट सीन्स दिए। फिल्मों में नेहा का बोल्ड अंदाज लोगों को पसंद नहीं आया। उनकी फिल्में चली नहीं। एक बार फिल्म जूली के प्रमोशन के दौरान स्क्रीन पर अपने बोल्ड सीन्स को लेकर नेहा ने कहा था- बॉलीवुड में सिर्फ सेक्स और शाहरुख ही बिकता है। इसके बाद एक्ट्रेस को काफी विवाद का सामना करना पड़ा था। नेहा ने इसके बाद भी कई फिल्मों में नजर आईं, लेकिन इंडस्ट्री में वो पहचान नहीं बना पाई। एक्ट्रेस कई बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। नेहा ने करीना कपूर, शाहिद कपूर, अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ, ऐश्वर्या राय बच्चन, संजय दत्त, इमरान हाशमी के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। बड़े पर्दे के अलावा नेहा धूपिया ने टीवी इंडस्ट्री में भी नजर आई हैं। नेहा रियलिटी शो रोडीज की भी जज रह चुकी हैं। इस शो को लेकर भी नेहा ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। बता दें कि नेहा धूपिया ने 2018 में एक्टर अगंद बेदी से शादी रचाई। ब्यूटी क्वीन नेहा के आज दो बच्चे हैं। वो अपनी शादीशुदा में काफी खुश हैं। एक्ट्रेस बताती हैं कि उनके पति अगंद बेदी उन्हें काफी सपोर्ट करते हैं।

सामंथा रुथ प्रभु के छलके आंसू एक्ट्रेस को रोता देख भारी हुआ फैंस का दिल

सामंथा रुथ प्रभु मनोरंजन जगत की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। पिछले कुछ साल उनके लिए मुश्किल भरे रहें, लेकिन वह मजबूत बनकर उभरीं और फैंस ने उनकी खूब सराहना की। इस बीच एक हालिया इवेंट में सामंथा को रोते हुए देखा गया जिसके बाद फैंस एक बार फिर उनके लिए परेशान हो गए। सामंथा जो अपनी दमदार एक्टिंग और मजबूत पर्सनैलिटी के लिए जानी जाती हैं, को एक हालिया इवेंट में इमोशनल देखकर उनके चाहने वालों का दिल भर आया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में सामंथा किसी बात पर भावुक होती दिख रही हैं और उनके आंसू साफ नजर आ रहे हैं।

इमोशनल हुईं सामंथा रुथ प्रभु

दरअसल, सामंथा रुथ प्रभु हाल ही में विशाखापट्टनम में आयोजित अपनी आगामी फिल्म शुभम की प्री-रिलीज इवेंट में शामिल हुईं। इवेंट से एक वीडियो सामने आया है जिसमें एक्ट्रेस इमोशनल होती हुई दिख रही हैं। व्हाइट पिंक फ्लोरल साड़ी में सामंथा बहुत ही खूबसूरत लग रही हं। किसी बात को सुनकर वह इमोशनल हो गईं और मुस्कुराते हुए अपने आंसू पोंछने लगीं।

'बुढ़िया का रोल नहीं करूंगी'

धर्मेंद्र संग रोमांस कर चुकीं एक्ट्रेस, राजेश खन्ना के लिए साबित हुई थी लकी

राजेश खन्ना, देवानंद और संजीव कुमार जैसे दिग्गज के साथ नजर आ चुकीं मुमताज 70 के दशक में मेकर्स की पहली पसंद बनी हुई थी। वह पहली एक्ट्रेस थीं, जो बिंदाज बोलती थीं कि शम्मी कपूर को पसंद किया करती थीं।एक वक्त के बाद उन्होंने शादी कर एक्टिंग करियर को अलविदा कह दिया था। लेकिन सालों बाद अब वह सोशल मीडिया पर एक्टिव तो हैं, लेकिन वापसी नहीं करना चाहतीं। आखिर क्यों?

मुमताज ने भले ही अपने करियर में हर तरह के रोल निभाए हों, वह हिट की गारंटी भी मानी जाती थीं। लेकिन एक समय में कोई उनके साथ काम करने को तैयार नहीं था। दिलीप कुमार की फिल्म राम और श्याम से एक्ट्रेस को बड़ी पहचान मिली थी।इसके बाद तो उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह जिस फिल्म में होती थीं, वह फिल्म हिट हो जाती थीं। कई फिल्में तो उन्होंने अकेले अपने दम पर हिट कराई हैं।

मुमताज ने करियर के पीक पर शादी कर एक्टिंग को अलविदा कह दिया था। अब जैसे पद्मिनी कोल्हापुरे और जीनत अमान ने कमबैक कर लिया है, ठीक उसी तरह मुमताज के कमबैक फैंस काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन बॉलीवुड कमबैक में बुजुर्गों के रोल करने से मुमताज ने साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं फिल्मों में अभी देखिए, मैं बुढ़िया-वुढ़िया का रोल करने वाली नहीं हूं। और जैसी मैं लगती हूं, वैसा रोल ऑफर हुआ नहीं है। जब होगा तब सोचूंगी, उन्होंने इंस्टेंट बॉलीवुड के कमबैक के बारे में पूछने पर ये जवाब दिया है। उनका कहना है कि वह अपने लुक्स के हिसाब का रोल करना चाहती हैं।

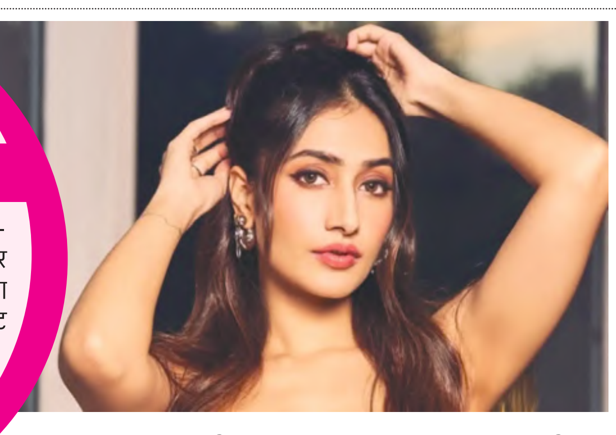

राजकुमार राव की फिल्म का नया गाना रिलीज

धनश्री वर्मा बनी आइटम गर्ल

डांसर-कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने हाल ही में अपने सभी फैंस को चौंका दिया है। आज मंगलवार के दिन 'भूल चूक माफ' फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म का एक नया गाना रिलीज किया है, जिसमें धनश्री वर्मा ने अपने डांस स्टेप्स से सबको दीवाना बना लिया है। आइए जानते हैं किस गाने में धनश्री ने मचाई धूम।

राजुकमार राव और वामिका गब्बी अभिनीत फिल्म 'भूल चूक माफ' फिल्म का चौथा गाना आज मंगलवार के दिन रिलीज हुआ है। इस गाने का नाम है 'टिंग लिंग सजना'। इस आइटम सॉन्ग में धनश्री वर्मा शानदार ठुमके लगाती नजर आ रही हैं। गाने की शुरुआत अभिनेता राजकुमार राव से होती है, जिसमें वह बैचलर सरप्राइज पार्टी का आनंद उठाने जाते हैं। इसके बाद धनश्री की गाने में धमाकेदार एंट्री होती है, जिसमें वह लाल रंग के स्लीवलेस ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। उनके डांस मूव्स ने वहां मौजूद सभी को अपनी दीवाना बना लिया। इस गाने में तनिष्क बागची और मधुवंती बागची ने अपनी आवाज दी है, वहीं बात करें लीरिक्स तो इसे इरशाद कामिल ने लिखा है। करण शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'भूल चूक माफ' 09 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी के अलावा सीमा पाहवा अहम किरदार में हैं।

एक्टिंग छोड़ सकती हैं 'बिग बॉस 17' फेम अभिनेत्री

'बिग बॉस 17' से मशहूर होने वाली अभिनेत्री सोनिया बंसल अब एक्टिंग छोड़ सकती हैं। अभिनेत्री ने अब तक पांच फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री के पास काम और पैसा तो है, लेकिन वह अपने जीवन में शांति की कमी का अनुभव कर रही हैं। अभिनेत्री ने यह भी साझा किया कि वह एक लाइफ कोच बनना चाहती हैं।

जीवन में शांति की कमी

अभिनेत्री ने हाल ही में ईटाइम्स के साथ बातचीत में साझा किया कि उनके पास सब-कुछ होने के बाद भी जीवन में शांति की कमी है। उन्होंने कहा, 'हम दूसरों के लिए सब कुछ करने में इतने व्यस्त हैं कि हम खुद को भूल जाते हैं। मुझे एहसास हुआ कि मैं अब यह भी नहीं जानती कि मेरा असली उद्देश्य क्या है। परफेक्ट बनने, प्रासंगिक बने रहने और ज्यादा कमाने की इस दौड़ में, मैंने खुद को खो दिया।'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'पैसा, शोहरत, लोकप्रियता सब कुछ मेरे पास था। जो मेरे पास नहीं था वह थी शांति। और अगर आप शांति में नहीं हैं तो आप पैसे का क्या करेंगे? आपके पास बाहरी रूप से सब कुछ हो सकता है, लेकिन अगर आप अंदर से खाली हैं, तो यह बहुत ही अंधकारमय जगह है।'

लाइफ कोच बनना चाहती हैं अभिनेत्री

सोनिया ने यह भी साझा किया कि वह अब एक स्पिरिचुअल हीलर और लाइफ कोच बनना चाहती हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं गहराई से अध्ययन करना चाहती हूं कि मैं वास्तव में जीवन में क्या चाहती हूं? इस इंडस्ट्री ने मुझे पहचान तो दी, लेकिन इसने मुझे शांति नहीं दी। इसने मुझे सांस लेने नहीं दिया। मैं अब और दिखावा नहीं करना चाहती। मैं अपने लिए, अपने आप में जीना चाहती हूं और एक लाइफ कोच और स्पिरिचुअल हीलर बनना चाहती हूं।'

अदिति राव हैदरी की हॉट और एलिगेंट तस्वीरों ने प्रशंसकों को चौकाया

बॉलीवुड में न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपनी खूबसूरती से भी तहलका मचाने वाली एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी अपने स्टाइल और एलिगेंस से इंटरनेट पर आग लगा रही हैं. अदिति ने हाल ही में एक ऐसा पोस्ट शेयर किया, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया. ब्लैक-सिल्वर ऑफ शोल्डर ड्रेस में उनकी सुंदरता ही नहीं बल्कि अदाओं ने भी सबको हैरान कर दिया. लेकिन इस लुक से भी ज्यादा खास उनका कैप्शन था. तो चलिए जानते हैं एक्ट्रेस कैप्शन में ऐसा क्या लिखा?

अदिति राव हैदरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखने लायक है। इन फोटोज में अदिति ने ब्लैक-सिल्वर ऑफ शोल्डर वन पीस ड्रेस पहनकर कई शानदार पोज दिए। तस्वीरों में उनका कॉन्फिडेंस और एक्सप्रेशन फैंस को दीवाना बना रहा है। अपने इस लुक को और भी ग्रेसफुल बनाने के लिए अदिति ने लाइट कर्ल हेयर स्टाइल चुना। यह हेयरस्टाइल उनके पूरे लुक को एक सॉफ्ट और क्लासी फील देता है। मिनिमल मेकअप और स्माइल उनके लुक को कम्प्लीट कर रही है। तस्वीरों के साथ अदिति ने कैप्शन भी ऐसा लिखा जिसे पढ़कर फैंस इमोशनल हो गए। उन्होंने कैप्शन में जीवन के रास्ते और खुद को तलाशने की बात की। अदिति ने लिखा, 'पानी का रास्ता-बहना, खेलना, ढलना, और अपना रास्ता खुद बनाना।' इस लाइन ने उनके कैरेक्टर की सादगी को दर्शाया। इसके आगे उन्होंने लिखा, 'दुनिया के साथ खिलवाड़ करते हुए भी शुद्ध बने रहना।' यह पंक्ति उनके पॉजिटिव और ग्राउंडेड माइंडसेट को दिखाती है। फैंस इस गहराई भरे कैप्शन की जमकर तारीफ कर रहे हैं। अदिति ने अपने कैप्शन में आगे लिखा, 'रास्ते में चमकते रहना और हमेशा अनमोल बने रहना।' इन लाइनों से उनका आत्मविश्वास और प्रेरणादायक सोच झलक रही है। उनका यह स्टाइल और सोच दोनों ही इंस्पायरिंग हैं। आखिर में अदिति ने लिखा, 'संयोग से मेरा मन उसी जगह पर है जहां मैं जा रही थी- #WavesSummit2025.' इससे ये साफ है कि अदिति इस समिट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने अपने मन की बात बेहद खूबसूरती से साझा की है। आपको बता दें कि अदिति राव हैदरी के इंस्टाग्राम पर 11.6 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उनकी हर पोस्ट पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आते हैं। इस बार भी फैंस उनकी तस्वीरों और कैप्शन पर दिल खोलकर प्यार बरसा रहे हैं।

बेटी के बर्थडे पर एडल्ट गिफ्ट देना चाहती थी गौतमी

वो बोली- 'मां तुम पागल हो'

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस गौतमी कपूर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं,उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपने से जुड़े हुए कई बातें बताई है। गौतमी कपूर ने इस दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे भी किए हैं। उन्होंने खुद से हुई छेड़छाड़ की घटना बताई थी। वहीं, गौतमी कपूर ने अपनी बेटी के 16 वें जन्मदिन पर एडल्ट गिफ्ट देने की बात का खुलासा करके सभी हैरान कर दिया। आइए जानते हैं कि एक्ट्रेस ने बेटी के गिफ्ट को लेकर क्या कहा है, गौतमी कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया, 'जब मेरी बेटी 16 साल की हुई थब मैंने उससे इंटीमेसी को लेकर ओपनली बात करनी शुरू कर दी थी. जब वह 16 साल की हुई थी तब वह उसे सेक्स टॉय गिफ्ट देना चाहती थी.' गौतमी कपूर ने कपूर ने आगे कहा, 'मेरी बेटी जब 16 की हुई थी तब मैं सोच रही थी उसे क्या गिफ्ट दूं. फिर मैंने सोचा उसे सेक्स टॉय गिफ्ट में दूं. मैंने अपनी बेटी से इस बारे में पूछा तो वह हैरान रह गई और बोली कि मां तुम पागल हो.' गौतमी कपूर ने कहा, 'मैंने कहा इस बारे में सोचो. कितनी मां अपनी बेटी से ऐसे बात कर सकती हैं. तुम क्यों नहीं एक्सपेरिमेंट कर सकती हो. जो मेरी मां ने मेरे साथ नहीं किया. वैसा ही मैं अपनी बेटी के साथ नहीं करना चाहती हूं. मैं चाहती हूं कि वह एक्सपीरियंस करे.' गौतमी कपूर बोलीं, 'बहुत सी महिलाएं लाइफ में सुख का अनुभव किए बिना ही जीवन गुजार देती हैं. उस परिस्थिति में रहना ही क्यों। आज मेरी बेटी 19 साल की है और वह समझती है कि कम से कम मैंने ये सोचा तो।'